धरती आबा की ऊर्जावान भूमि से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

सुप्रभात

रांची, मंगलवार

10.12.2024

* * नगर संस्करण। पेज : 12

# खबर मन्त्र

khabarmantralive.com

रांची और धनबाद से एक साथ प्रकाशित

सबकी बात सबके साथ

khabarmantra.net | मार्गशीर्ष, शुक्ल पक्ष, नवमी/दसमी, संवत् 2081 | मूल्य : ₹ 3 । वर्ष : 12 । अंक : 149

12 दिलजीत के कॉन्सर्ट में शामिल होकर बेटी के साथ मुंबई लौटीं दीपिका

## न्यूज डायरी

### आरबीआइ के नये गवर्नर होंगे संजय मल्होत्रा

**नयी दिल्ली।** केंद्र सरकार ने सोमवार को वित्त मंत्रालय में राजस्व सचिव, संजय मल्होत्रा को आरबीआइ का अगला गवर्नर नियुक्त किया है। वह शक्तिकांत दास की जगह लेंगे।

### पाकुड़ में ट्रेन से कट कर महिला और बच्चे की मौत

**पाकुड़।** मालगाड़ी की चपेट में आने से महिला और उसके नवजात शिशु की मौत हो गयी। मृत महिला की पहचान साहिबगंज, बरहरवा निवासी पुर्नी देवी के रूप में की गयी। वह बच्चे के पटरी पार कर कर रही थीं। इसी दौरान ट्रेन की चपेट में आ गयी।

### गोली लगने से हवलदार की मौत, टुंडी में थी पोस्टिंग

**धनबाद।** टुंडी थाना क्षेत्र के सीआरपीएफ कैंप में तैनात झारखंड पुलिस के हवलदार को गोली लग गयी। मृतक की पहचान पलामू जिला निवासी नंदकिशोर सिंह के रूप में की गयी।

### कांग्रेस के विदेशी सांठगांठ पर सदन में भारी हंगामा

**नयी दिल्ली।** विवादास्पद अमेरिकी निवेशक जॉर्ज सोरोस के वित्त पोषण से चलने वाले एक संगठन के साथ सोनिया गांधी की कथित सांठगांठ को लेकर सोमवार को राज्यसभा में भारी हंगामा हुआ। कार्यवाही दिनभर के लिये स्थगित करनी पड़ी। लोकसभा की भी यही स्थिति रही।

### पुंछ में बारूदी सुरंग विस्फोट, जवान शहीद

**पुंछ।** सौजियां सेक्टर में सोमवार को बारूदी सुरंग के विस्फोट में सेना का एक जवान शहीद हो गया। सैन्य सूत्रों ने यह जानकारी दी।

# स्पीकर के नाम पर सर्वसम्मति, घोषणा आज

## रबिंद्रनाथ महतो ने सात सेटों में किया नामांकन, मरांडी, सरयू भी बने प्रस्तावक

### विशेष सत्र: हेमंत समेत सभी के शपथ ग्रहण के बाद पहले दिन की कार्यवाही स्थगित

खबर मन्त्र ब्यूरो

**रांची।** सीएम हेमंत सोरेन, भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी समेत 80 नवनिर्वाचित विधायकों के शपथ ग्रहण के बाद झारखंड विधानसभा का सोमवार से शुरू चार दिवसीय विशेष सत्र की पहले दिन की कार्यवाही मंगलवार 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गयी। वहीं पूर्व स्पीकर रबिंद्रनाथ महतो का फिर से स्पीकर चुना जाना महज औपचारिक शेष है। सत्तापक्ष और विपक्ष की ओर से श्री महतो के नामांकन को लेकर सात सेट में पर्चा विधानसभा सचिव मणिक लाल हेम्ब्रम के पास जमा किया गया। सत्र के दूसरे मंगलवार को रबिंद्रनाथ महतो के निर्वाचन की आधिकारिक घोषणा की जायेगी।

(शेष पेज 11 पर)

### सर्वसम्मति से स्पीकर चुने जायेंगे : सीएम

वहीं सदन के बाहर सीएम हेमंत ने मीडिया से कहा कि मंत्रियों और विधायकों के शपथ ग्रहण की प्रक्रिया पूरी कर ली गयी है। स्पीकर के लिए रवींद्रनाथ महतो का नाम प्रस्तावित है। वे सर्वसम्मति से स्पीकर चुने जायेंगे। सोमवार को रवींद्र नाथ महतो की ओर से सात सेटों में नामांकन पर्चा विस सचिव मणिक लाल हेम्ब्रम के पास जमा किया गया। दोनों पक्षों के नेता उनके प्रस्तावक बने। पहले प्रस्तावक के रूप में हेमंत सोरेन और समर्थक के रूप में मथुरा प्रसाद महतो ने हस्ताक्षर किये। दूसरे में राधा कृष्ण किशोर ने प्रस्तावक और रामेश्वर उरांव ने समर्थक, तीसरे में सुरेश पासवान ने प्रस्तावक और नरेश प्रसाद सिंह ने समर्थक के रूप में हस्ताक्षर किये। चौथे में अरूप चटर्जी प्रस्तावक और चंद्रदेव महतो समर्थक, छठे में बाबूलाल मरांडी प्रस्तावक और सीपी सिंह समर्थक, छठे में सरयू राय प्रस्तावक और जर्नादन पासवान समर्थक बने। सातवें में जयराम कुमार महतो प्रस्तावक और निर्मल महतो समर्थक बने। मंगलवार को रबिंद्रनाथ महतो के निर्वाचन की आधिकारिक घोषणा की जायेगी।

### सदन में दिखा अलग-अलग अंदाज

खबर मन्त्र ब्यूरो

**रांची।** सोमवार से शुरू झारखंड विधानसभा सत्र में शामिल होने पहुंचे नवनिर्वाचित विधायकों और मंत्रियों में जबरदस्त उत्साह नजर आया। इस सदन में 21 विधायक ऐसे हैं जो पहली बार चुनाव जीतकर आये हैं। इन सभी का उत्साह देखते बन रहा था। कोई नंगे पांव विधानसभा में पहुंचा तो किसी ने प्रवेश करते ही सदन में दंडवत किया। जेएलकेएम के प्रमुख जयराम महतो भी पहली बार झारखंड विधानसभा के सत्र में भाग लेने नंगे पांव पहुंचे। वहीं पूर्णिमा दास ने दंडवत कर सदन में किया। पूर्व सीएम रघुवर दास की बहू पूर्णिमा दास पहली बार विधानसभा पहुंचीं। वह जमशेदपुर पूर्वी से जीतकर आयी हैं। दोनों ने कहा कि वे जनता के मुद्दे और क्षेत्र की समस्या सदन में उठाने का काम करेंगे। पहले दिन सत्ता पक्ष के विधायकों और मंत्रियों ने राज्य में तेजी से विकास होने की उम्मीद जताती। वहीं विपक्ष के विधायकों ने कहा कि वह सदन में जनता की आवाज बनेंगे।

**सदन में 21 नये तो कई चेहरे भी :** पहली बार चुनकार इस सदन में 21 नये चेहरे दिखे। इनमें रौशन लाल चौधरी, शुत्रध्न महतो, प्रदीप प्रसाद, मंजू कुमारी, कुमार उज्जवल, रागिनी सिंह, रामसूर्या मुंडा, मो ताजउद्दीन, आलोक सोरेन, सुदीप गुड़िया, धनंजय सोरेन, श्वेता सिंह, सुरेश बैठा, निशत आलम, नरेश प्रसाद सिंह, चंद्रदेव महतो, निर्मल महतो, जयराम महतो और पूर्णिमा साहू शामिल हैं। कई ऐसे भी हैं जो सालों से सदन आ रहे हैं।

(शेष पेज 11 पर)

## आरक्षण का आधार धर्म नहीं हो सकता : सुप्रीम कोर्ट

**नयी दिल्ली (एजेंसी)।** सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि आरक्षण का आधार धर्म नहीं हो सकता है। जस्टिस बीआर गवई की अध्यक्षता वाली बेंच ने ये टिप्पणी पश्चिम बंगाल में 2010 के बाद बने ओबीसी सर्टिफिकेट को निरस्त करने के कलकत्ता हाई कोर्ट के आदेश के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई के दौरान की।

सुनवाई के दौरान पश्चिम बंगाल सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने कहा कि राज्य सरकार ने ये आरक्षण धर्म के आधार पर नहीं दिया है, बल्कि पिछड़ेपन के आधार पर दिया है। सिब्बल ने कहा कि 2010 के बाद बने ओबीसी सर्टिफिकेट को निरस्त करने के कलकत्ता हाई कोर्ट के आदेश से हजारों छात्रों के अधिकारों पर असर पड़ा है। इससे दाखिला और रोजगार चाहने वाले नौजवान प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने हाई कोर्ट के आदेश पर अंतरिम रोक लगाने की मांग की। उसके बाद कोर्ट ने 7 जनवरी 2025 को विस्तृत सुनवाई करने का आदेश दिया।

## झारखंड कोयला ब्लॉक आवंटन घोटाला एक कंपनी और दो निदेशक दोषी करार

**नयी दिल्ली (एजेंसी)।** राऊज एवेन्यू कोर्ट दिल्ली के स्पेशल जज अरुण भारद्वाज ने 2005 में झारखंड में कोयला ब्लॉक आवंटन घोटाला मामले में अभिजीत इंफ्रास्ट्रक्टर और इसके मैनेजिंग डायरेक्टर मनोज कुमार जायसवाल और पूर्व डायरेक्टर रमेश कुमार जायसवाल को दोषी ठहराया है। सीबीआइ के मुताबिक अभिजीत इंफ्रास्ट्रक्टर ने लोक सेवकों के साथ साजिश रचकर कोयला ब्लॉक का आवंटन हासिल किया। कंपनी पर अपने वित्तीय स्थिति को गलत ढंग से प्रस्तुत करने का आरोप है।

सीबीआइ के मुताबिक अभिजीत इंफ्रास्ट्रक्टर ने भूमि अधिग्रहण, मशीनरी की खरीद और प्लांट चलाने के लिए वित्तीय सहयोग संबंधी फर्जी दस्तावेज का इस्तेमाल किया। कंपनी ने कोयला ब्लॉक का आवंटन हासिल करने के लिए हजारीबाग में भूमि खरीदने का फर्जी दस्तावेज पेश किया था। फर्जी दस्तावेज के जरिये कंपनी ने स्टील मंत्रालय से अपने पक्ष में सिफारिश हासिल की।

## जादू-टोना में चाची ने भतीजे को मार डाला

**चैनपुर (पलामू)।** चैनपुर थाना क्षेत्र के सलतुवा पंचायत के बहेरा गांव निवासी अखिलेश सिंह पुत्र प्रेम कुमार (8) की गला दबाकर हत्या कर दी गयी। पिता ने बताया कि उनका बेटा कई दिनों से ही गायब था। चैनपुर पुलिस को उन्होंने गांव के ही एक महिला सुनीता देवी पति जमुना सिंह पर अपहरण की आशंका जतायी थी। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते आरोपी महिला से सख्ती से पूछताछ की तो उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया। मृतक बच्चा रिश्ते में आरोपी महिला का भतीजा था। महिला ने बताया कि कुछ दिन पहले मृतक की दादी ने उसके 5 महीने के बच्चे को भूत प्रेत लगाकर मार दिया था। इसी का बदला लेने के लिए उसने प्रेम कुमार को अगवा कर लिया। फिर गला दबाकर हत्या कर दी एवं शव को बगल के अरहर के खेत में फेंक दिया है।


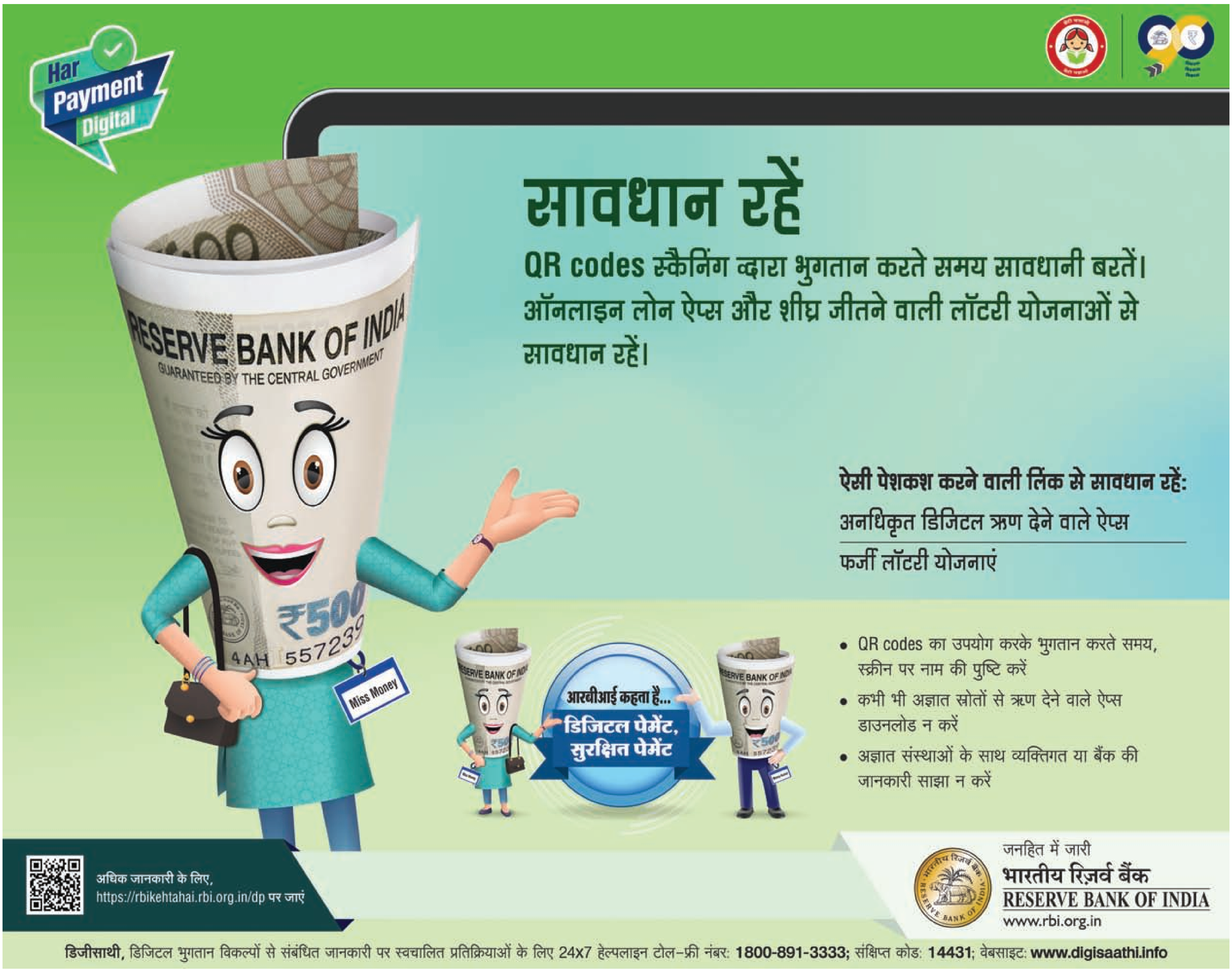

## हाई कोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में दी गयी है चुनौती

# प्राथमिक शिक्षकों के प्रधानाध्यापक पद में प्रोन्नति पर तत्काल लगी रोक

**खबर मन्त्र ब्यूरो**

**रांची।** सुप्रीम कोर्ट ने प्राथमिक शिक्षकों के प्रधानाध्यापक पद पर प्रोन्नति पर तत्काल रोक लगा दी है। झारखंड उच्च न्यायालय के एलपीए 482/2023 के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में सुधीर कुमार दुबे और अन्य ने चुनौती दी है। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश विक्रम नाथ और प्रसन्ना बी वारले की पीठ ने एसएलपी याचिका को स्वीकार करते हुए प्रतिवादियों को चार सप्ताह में जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। मामले का निस्तारण होने तक प्रधानाध्यापक पद की प्रोन्नति पर यथास्थिति बनाए रखते का आदेश पारित किया है। आदेश के अनुसार तत्काल प्रधानाध्यापक पद पर प्रोन्नति पर फिलहाल रोक रहेगी।

याचिकाकर्ता सुधीर कुमार दुबे एवं अन्य की ओर उच्चतम न्यायालय में वरिष्ठ अधिवक्ता परमजीत सिंह पटवालिया और अधिवक्ता आरके सिंह ने पक्ष प्रस्तुत किया। न्यायाधीशों की पीठ ने तत्काल याचिका को स्वीकृत करते हुए यह आदेश पारित किया। अखिल झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष अनूप केसरी और महासचिव राममूर्ति ठाकुर ने सुप्रीम कोर्ट की कार्रवाई को न्यायोचित बताया है।

### छविरंजन की जमानत पर आदेश सुरक्षित

**रांची।** बरियातू रोड स्थित सेना की कब्जे वाली 4.55 एकड़ जमीन सहित अन्य भूखंडों की अवैध खरीद-बिक्री मामले में जेल में बंद छवि रंजन की जमानत पर सोमवार को पीएमएलए के विशेष न्यायाधीश योगेश कुमार की अदालत में सुनवाई हुई। सुनवाई पूरी होने के बाद अदालत ने आदेश सुरक्षित रख लिया है। अदालत अपना आदेश 12 दिसंबर को सुनायेगी। छवि रंजन ने जमानत की गुहार लगाकर याचिका दाखिल की है। बरियातू में सेना की जमीन के कागजात की हेराफेरी मामले में छवि रंजन को ईडी टीम ने 4 मई 2023 को गिरफ्तार किया था। तब से वह लगातार जेल में हैं। इस मामले में उनकी जमानत याचिका सुप्रीम कोर्ट से भी खारिज है।

## राज्य सरकार ने कोर्ट को बताया- मामला सुप्रीम कोर्ट में है लंबित

# बांग्लादेशी घुसपैठ मामले में हाई कोर्ट में सुनवाई अब 4 फरवरी को

**खबर मन्त्र संवाददाता**

**रांची।** संथाल परगना में बांग्लादेशी घुसपैठ से संबंधित जनहित याचिका पर हाई कोर्ट में आंशिक सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से हाई कोर्ट की खंडपीठ को बताया गया कि हाई कोर्ट के आदेश के खिलाफ राज्य सरकार की एसएलपी पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई अभी लंबित है, सुप्रीम कोर्ट में अभी इसपर सुनवाई अभी चल रही है। इस पर खंडपीठ ने सुनवाई की अगली तिथि 4 फरवरी 2025 निर्धारित की। पूर्व की सुनवाई में सॉलिसिटर जनरल ऑफ इंडिया जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट को बताया था संथाल परगना में बांग्लादेशी घुसपैठ हुई है या नहीं इसे लेकर फैक्ट फाइंडिंग कमेटी गठित करने के हाई कोर्ट के 20 सितंबर के आदेश के खिलाफ राज्य सरकार सुप्रीम कोर्ट गई है। सुप्रीम कोर्ट में राज्य सरकार ने एसएलपी दाखिल की गई है।

हाई कोर्ट में राज्य सरकार की ओर से कहा गया था कि केंद्र सरकार ने बांग्लादेश की घुसपैठियों के झारखंड में प्रवेश के संबंध में कोई डाटा अपने शपथ पत्र में नहीं दिया है। यह भी कहा गया था कि सुप्रीम कोर्ट में इसी तरह का एक मामला पेंडिंग है। सॉलिसिटर जनरल ऑफ इंडिया जनरल तुषार मेहता ने कहा था कि केंद्र ने संथाल परगना में घुसपैठ को लेकर अंतिम जनगणना के आधार पर आदिवासियों की संख्या में कमी आने का डाटा दिया है। बता दें कि फैक्ट फाइंडिंग कमेटी का उद्देश्य झारखंड के सीमावर्ती जिलों यथा देवघर, गोड्डा, साहेबगंज, पाकुड़, दुमका और जामताड़ा में अवैध घुसपैठियों की पहचान करना तथा ऐसे अवैध प्रवासियों को वापस भेजने की व्यवस्था करना होगा। हाई कोर्ट की खंडपीठ झारखंड में बांग्लादेशी घुसपैठियों के संथाल परगना में अवैध प्रवेश को लेकर दानियल दानिश की जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही है। इसी मामले के साथ झारखंड में आदिवासियों का धर्मांतरण रोकने को लेकर दाखिल सोमा उरांव की जनहित याचिका पर भी सुनवाई हाइकोर्ट में हो रही है।

## बुढ़ामरा-चाकुलिया रेल परियोजना को मंजूरी

### मेरा ड्रीम प्रोजेक्ट पूरा हुआ : दिनेश षाड़ंगी

**रांची।** राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अपने ओड़िशा दौरे के आखिरी दिन ओड़िशा को तीन नई रेल लाइनों की सौगात दी। इसमें बुढ़ामरा-चाकुलिया 60 किमी रेल परियोजना भी है जो बाड़ागोड़ा को जोड़ेगा। इस पर भाजपा के वरिष्ठ भाजपा नेता व पूर्व विधायक दिनेश कुमार षाड़ंगी ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि यह मेरा ड्रीम प्रोजेक्ट था, जो अब पूरा हुआ। मैं इसकी मांग 1977 से लगातार कर रहा था। उन्होंने ओड़िशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी, रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव, केन्द्र मंत्री जुएल उरांव के धन्यवाद दिया है।

# बिचौलियों की भूमिका को खत्म करेंगे : शिल्पी नेहा

**खबर मन्त्र ब्यूरो**

**रांची।** कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने सोमवार को नेपाल हाउस स्थित विभागीय कार्यालय में पदभार ग्रहण किया। कृषि मंत्री ने कहा कि पहले तीन चीजों पर फोकस किया जाएगा। सप्लाई चेन सिस्टम को दुरुस्त करने के साथ कोल्ड स्टोरेज की उपयोगिता पर काम होगा। एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी को दुरूस्त किया जाएगा। सहकारी समितियों का संचालन ठीक किया जाएगा। बिचौलियों की भूमिका खत्म की जाएगी। कृषि विभाग रेवेन्यू जेनरेट करने की कोशिश करेगा। इस क्षेत्र में युवाओं को भी जोड़ा जाएगा। कृषि मंत्री का कृषि सचिव अबुबकर सिद्दीकी ने स्वागत किया।

## डॉ इरफान अंसारी ने विभागीय प्रभार संभाला, दूरदर्शी योजनाओं को किया रेखांकित

# स्वास्थ्य के क्षेत्र में लाऊंगा बड़ा बदलाव : डॉ इरफान

**खबर मन्त्र ब्यूरो**

**रांची।** स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने सोमवार को स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण, खाद्य सार्वजनिक वितरण एवं उपभोक्ता मामले और आपदा प्रबंधन विभाग का प्रभार ग्रहण किया। मौके पर उन्होंने कहा कि एक डॉक्टर होने के नाते मुझे इतनी बड़ी जिम्मेदारी दी गई है, जिसे मैं बेहतर से बेहतर कर दिखाऊंगा। स्वास्थ्य मंत्री ने स्वास्थ्य सेवाओं में बदलाव की दूरदर्शी योजनायें रेखांकित की। उनकी ये दूरदर्शी योजनाएं स्वास्थ्य क्षेत्र में बुनियादी ढांचे को आधुनिक बनाने, सेवाओं का विस्तार करने पर केंद्रित है।

**स्वास्थ्य ढांचे का आधुनिकीकरण:** सरकारी अस्पतालों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को उन्नत चिकित्सा सुविधाओं से लैस किया जाएगा ताकि जमीनी स्तर पर भी बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हों।

**स्वास्थ्यकर्मी की कमी दूर करना:** डॉक्टरों, नर्सों और पैरामेडिक्स की भर्ती के लिए बड़े पैमाने पर अभियान शुरू होगा। अस्थायी आउटसोर्सिंग के माध्यम से सेवाओं में कोई बाधा नहीं आने दी जाएगी।

**डायग्नोस्टिक सेवाएं :** ग्रामीण मरीजों की परेशानी को कम करने के लिए ब्लॉक स्तर पर डायग्नोस्टिक सुविधाओं के लिए अलग बजट आवंटित किया जाएगा।

**निजी अस्पतालों की शोषणकारी प्रथा पर लगाम:** निजी अस्पतालों द्वारा बिल न चुकाने पर मृतक मरीजों के शवों को रोकने की अमानवीय कृत्य पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

**जिला मल्टी-स्पेशलिटी अस्पताल:** हर जिले में अत्याधुनिक सुपर मल्टी-स्पेशलिटी अस्पताल स्थापित किए जाएंगे, ताकि उन्नत चिकित्सा सुविधाओं के लिए दूसरे राज्यों पर निर्भरता कम हो।

जामताड़ा में विशेष विकास योजनाएं: अपने विस क्षेत्र जामताड़ा में आधुनिक अस्पताल, ब्लड बैंक और विशेष चिकित्सा केंद्र स्थापित करने की योजना बनाई गई है।

# राजस्व संग्रहण में वृद्धि पर अधिकारी जोर दें : बिरुआ

**खबर मन्त्र ब्यूरो**

**रांची।** राजस्व, भूमि सुधार एवं परिवहन मंत्री दीपक बिरुआ ने विभागीय मंत्री के तौर पर पद ग्रहण करने के बाद अधिकारियों को कई दिशा निर्देश दिए। दीपक बिरुआ ने सबसे पहले भू-राजस्व और परिवहन विभाग के अधिकारियों के साथ कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि कार्य में शिथिलता नहीं बरती जाए। श्री बिरुआ ने विभागीय पदाधिकारियों को राजस्व संग्रहण बढ़ाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि दिसंबर के बाद भू-राजस्व के संदर्भ में सभी प्रमंडलीय आयुक्तों के साथ बैठक आयोजित करें। तत्पश्चात जिला स्तर में कार्यों की समीक्षा की जाएगी।


## झारखण्ड सरकार,
## गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग,झारखण्ड आन्दोलनकारी चिन्हितीकरण आयोग

69वीं औपबंधिक सूची
जिला-राँची (पार्ट-4)

| क्र0 | आवेदनकर्ता की विवरणी | गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग, झारखण्ड, राँची के संकल्प संख्या-1938,दिनांक-20.04.2021 के आलोक में प्रदत्त कंडिका |
|---|---|---|
| | विवरण :-चिन्हित झारखण्ड आन्दोलनकारी रामेश्वर महतो एवं बानेश्वर महतो द्वारा आयोग के माननीय सदस्य श्री नरसिंह मुर्मू के समक्ष आवेदन पर दर्ज बयान एवं पहचान एवं बैठक पंजी में नाम के आधार पर। | |
| 193. | 1. आवेदन क्र0-24/2094 2. आवेदक-मोती लाल महतो, पिता-गुरू महतो<br>3. ग्राम-लोदमू, पोस्ट-रामपुर, थाना-सिल्ली, प्रखण्ड-सिल्ली<br>4. लिंग-पुरूष, आयु-49 वर्ष , पहचान चिन्ह-बायें गाल पर तिल का दाग। | कंडिका-2(ix) |
| 194. | 1. आवेदन क्र0-24/2095 2. आवेदक-केनाराम महतो, पिता-हरिचरण महतो<br>3. ग्राम-लोदमू, पोस्ट-रामपुर, थाना-सिल्ली, प्रखण्ड-सिल्ली<br>4. लिंग-पुरूष, आयु-64 वर्ष , पहचान चिन्ह-बायां कान पर मासा का दाग। | कंडिका-2(ix) |
| 195. | 1. आवेदन क्र0-24/2096 2. आवेदक-कान्तुराम महतो, पिता-हरिराम महतो<br>3. ग्राम-लोदमू, पोस्ट-रामपुर, थाना-सिल्ली, प्रखण्ड-सिल्ली<br>4. लिंग-पुरूष, आयु-62 वर्ष , पहचान चिन्ह-कान पर मासा का दाग। | कंडिका-2(ix) |
| 196. | 1. आवेदन क्र0-24/2097 2. आवेदक-दुर्योधन महतो, पिता-हरिराम महतो<br>3. ग्राम-लोदमू, पोस्ट-रामपुर, थाना-सिल्ली, प्रखण्ड-सिल्ली<br>4. लिंग-पुरूष, आयु-59 वर्ष , पहचान चिन्ह-गाल पर मासा का दाग। | कंडिका-2(ix) |
| 197. | 1. आवेदन क्र0-24/2098 2. आवेदक-संतोष कुमार महतो, पिता-निवारण महतो<br>3. ग्राम-हाकेदाग, पोस्ट-हाकेदाग, थाना-सिल्ली, प्रखण्ड-सिल्ली<br>4. लिंग-पुरूष, आयु-51 वर्ष , पहचान चिन्ह-बायां हाथ पर तिल का दाग। | कंडिका-2(ix) |
| 198. | 1. आवेदन क्र0-24/2099 2. आवेदक-अजय कुमार महतो, पिता-राजेन्द्र प्रसाद महतो<br>3. ग्राम-पौंचु , पोस्ट-पोगड़ा, थाना-राहे, प्रखण्ड-राहे<br>4. लिंग-पुरूष, आयु-40 वर्ष , पहचान चिन्ह-हाथ पर काला दाग। | कंडिका-2(ix) |
| 199. | 1. आवेदन क्र0-24/2100 2. आवेदक-छोटे लाल महतो , पिता -स्व0 तिर्थनाथ महतो<br>3. ग्राम-गोमदा , पोस्ट-राहे , थाना-राहे , प्रखण्ड-राहे<br>4. लिंग- पुरूष , आय-47 वर्ष , पहचान चिन्ह-दाहिने पैर में कटा का निशान। | कंडिका-2(ix) |
| 200. | 1. आवेदन क्र0-24/2101 2. आवेदक-रंजित पाण्डेय , पिता -स्व0 बाबुलाल पाण्डेय<br>3. ग्राम- राहे , पोस्ट-राहे , थाना-राहे , प्रखण्ड-राहे<br>4. लिंग- पुरूष , आय-54 वर्ष , पहचान चिन्ह-गाल में मासा का निशान। | कंडिका-2(ix) |
| 201. | 1. आवेदन क्र0-24/2102 2. आवेदक-सुकरा तेली , पिता -स्व0 कान्दु तेली<br>3. ग्राम- राहे , पोस्ट-राहे , थाना-राहे , प्रखण्ड-राहे<br>4. लिंग- पुरूष , आय-51 वर्ष , पहचान चिन्ह-अंकित नहीं। | कंडिका-2(ix) |
| 202. | 1. आवेदन क्र0-24/2103 2. आवेदक-सुरेन्द्र नाथ महतो , पिता -स्व0 बोलो महतो<br>3. ग्राम-डोकाद , पोस्ट-राहे , थाना-राहे , प्रखण्ड-राहे<br>4. लिंग- पुरूष , आय-58 वर्ष , पहचान चिन्ह-कपाल पर तिल का दाग। | कंडिका-2(ix) |
| 203. | 1. आवेदन क्र0-24/2104 2. आवेदक-भिखन साहु , पिता -भूषण साहु<br>3. ग्राम-गोमदा , पोस्ट-राहे , थाना-राहे , प्रखण्ड-राहे<br>4. लिंग- पुरूष , आय-61 वर्ष , पहचान चिन्ह-दाहिने पैर में तिल का दाग। | कंडिका-2(ix) |
| 204. | 1. आवेदन क्र0-24/2105 2. आवेदक-झूलन चटर्जी , पति-चंति कुमार देव शर्मा<br>3. ग्राम-राहे , पोस्ट- राहे , थाना- राहे , प्रखण्ड- राहे<br>4. लिंग- महिला , आयु-65 वर्ष , पहचान -गला में तिल का निशान। | कंडिका-2(ix) |
| 205. | 1. आवेदन क्र0-24/2106 2. आवेदक-लाल देव तेली , पिता -स्व0 फेकन तेली<br>3. ग्राम- राहे , पोस्ट-राहे , थाना-राहे , प्रखण्ड-राहे<br>4. लिंग- पुरूष , आय-61 वर्ष , पहचान चिन्ह-बायां हाथ में तिल का दाग। | कंडिका-2(ix) |
| 206. | 1. आवेदन क्र0-24/2107 2. आवेदक-अशोक कुमार चटर्जी , पिता -स्व0 पंचानन चटर्जी<br>3. ग्राम- राहे , पोस्ट-राहे , थाना-राहे , प्रखण्ड-राहे<br>4. लिंग- पुरूष , आय-59 वर्ष , पहचान चिन्ह-दाहिने नाक में तिल का दाग। | कंडिका-2(ix) |
| 207. | 1. आवेदन क्र0-24/2108 2. आवेदक-तापस कुमार बनर्जी , पिता -स्व0 सरसी कुमार बनर्जी<br>3. ग्राम- राहे , पोस्ट-राहे , थाना-राहे , प्रखण्ड-राहे<br>4. लिंग- पुरूष , आय-66 वर्ष , पहचान चिन्ह-दाहिने पैर में कटा का निशान। | कंडिका-2(ix) |
| 208. | 1. आवेदन क्र0-24/2109 2. आवेदक-जोली देवी , पति-लालदेव तेली<br>3. ग्राम-राहे , पोस्ट- राहे , थाना- राहे , प्रखण्ड- राहे<br>4. लिंग- महिला , आयु-56 वर्ष , पहचान -बायां हाथ में तिल का निशान। | कंडिका-2(ix) |
| 209. | 1. आवेदन क्र0-24/2110 2. आवेदक-सुभाष चन्द्र महतो , पिता -करम सिंह महतो<br>3. ग्राम- डोकाद( खोपरीकोचा ), पोस्ट-राहे , थाना-राहे , प्रखण्ड-राहे<br>4. लिंग- पुरूष , आय-66 वर्ष , पहचान चिन्ह-बायें गाल में दाग। | कंडिका-2(ix) |
| 210. | 1. आवेदन क्र0-24/2111 2. आवेदक-चहबर महतो , पिता -कमल महतो<br>3. ग्राम- गोमद, पोस्ट-राहे , थाना-राहे , प्रखण्ड-राहे<br>4. लिंग- पुरूष , आय-49 वर्ष , पहचान चिन्ह-ओठ में कटे का निशान। | कंडिका-2(ix) |
| 211. | 1. आवेदन क्र0-24/2112 2. आवेदक-धरम अहीर , पिता -हरी अहीर<br>3. ग्राम- राहे , पोस्ट-राहे , थाना-राहे , प्रखण्ड-राहे<br>4. लिंग- पुरूष , आय-41 वर्ष , पहचान चिन्ह-दाहिने गाल में तिल का निशान। | कंडिका-2(ix) |
| 212. | 1. आवेदन क्र0-24/2113 2. आवेदक-राजकिशोर सिंह मुण्डा , पिता -स्व0 देवीदयाल सिंह मुण्डा<br>3. ग्राम-डोमनडीह , पोस्ट-राहे , थाना-राहे , प्रखण्ड-राहे<br>4. लिंग- पुरूष , आय-48 वर्ष , पहचान चिन्ह-ओठ में घाव का निशान। | कंडिका-2(ix) |
| 213. | 1. आवेदन क्र0-24/2114 2. आवेदक-आशा राम मुण्डा , पिता -स्व0 घासीराम मुण्डा<br>3. ग्राम- आम्बाझरिया , पोस्ट-अनगड़ा , थाना-राहे , प्रखण्ड-राहे<br>4. लिंग- पुरूष , आय-63 वर्ष , पहचान चिन्ह-बायां हाथ में तिल का निशान। | कंडिका-2(ix) |
| 214. | 1. आवेदन क्र0-24/2115 2. आवेदक-लाल सिंह मुण्डा , पिता -स्व0 शिवचरण मुण्डा<br>3. ग्राम- आम्बाझरिया , पोस्ट- आम्बाझरिया , थाना-राहे , प्रखण्ड-राहे<br>4. लिंग- पुरूष , आय-43 वर्ष , पहचान चिन्ह-अंकित नहीं। | कंडिका-2(ix) |
| 215. | 1. आवेदन क्र0-24/2116 2. आवेदक-दु:खहरण मुण्डा , पिता -स्व0 जगदीश मुण्डा<br>3. ग्राम-जराडीह , पोस्ट- आम्बाझरिया , थाना-अनगड़ा , प्रखण्ड-राहे<br>4. लिंग- पुरूष , आय-56 वर्ष , पहचान चिन्ह-छाती पर तिल का निशान। | कंडिका-2(ix) |
| 216. | 1. आवेदन क्र0-24/2117 2. आवेदक-सिमल्या देवी , पति- दु:खहरण मुण्डा<br>3. ग्राम- जराडीह , पोस्ट- आम्बाझरिया , थाना- अनगड़ा , प्रखण्ड- राहे<br>4. लिंग- महिला , आयु-41 वर्ष , पहचान -बायां हाथ में कटा का निशान। | कंडिका-2(ix) |
| 217. | 1. आवेदन क्र0-24/2118 2. आवेदक-मो0 सोमवारी देवी , पति- स्व0 अमर सिंह मुण्डा<br>3. ग्राम- जराडीह , पोस्ट- आम्बाझरिया , थाना- अनगड़ा , प्रखण्ड- राहे<br>4. लिंग- महिला , आयु-40 वर्ष , पहचान -अंकित नहीं। | कंडिका-2(ix) |
| 218. | 1. आवेदन क्र0-24/2119 2. आवेदक-कुनु देवी , पति- अजम्बर सिंह मुण्डा<br>3. ग्राम- जराडीह , पोस्ट- आम्बाझरिया , थाना- अनगड़ा , प्रखण्ड- राहे<br>4. लिंग- महिला , आयु-44 वर्ष , पहचान -गर्दन में माषा का निशान। | कंडिका-2(ix) |
| 219. | 1. आवेदन क्र0-24/2120 2. आवेदक-राधी देवी , पति- नन्द किशोर पहान<br>3. ग्राम- जराडीह , पोस्ट- आम्बाझरिया , थाना- अनगड़ा , प्रखण्ड- राहे<br>4. लिंग- महिला , आयु-68 वर्ष , पहचान -बाया पैर में काला दाग का निशान। | कंडिका-2(ix) |
| 220. | 1. आवेदन क्र0-24/2121 2. आवेदक-रतन लाल मुण्डा , पिता -स्व0 दुबराज मुण्डा<br>3. ग्राम- आम्बाझरिया , पोस्ट- आम्बाझरिया , थाना-अनगड़ा , प्रखण्ड-राहे<br>4. लिंग- पुरूष , आय-45 वर्ष , पहचान चिन्ह-बायां हाथ में तिल का निशान। | कंडिका-2(ix) |
| 221. | 1. आवेदन क्र0-24/2122 2. आवेदक-नमी देवी , पति- अकलु लोहरा<br>3. ग्राम- कांषिडीह , पोस्ट-जामुदाग , थाना-सोनाहातु , प्रखण्ड- सोनाहातु<br>4. लिंग- महिला , आयु-49 वर्ष , पहचान -बाया हाथ में तिल का निशान। | कंडिका-2(ix) |
| 222. | 1. आवेदन क्र0-24/2123 2. आवेदक-जीतवाहन महतो , पिता -स्व0 दीनानाथ महतो<br>3. ग्राम-चैनपुर , पोस्ट-राहे , थाना- सोनाहातु , प्रखण्ड- सोनाहातु<br>4. लिंग- पुरूष , आय-63 वर्ष , पहचान चिन्ह-सर पर कटे का निशान। | कंडिका-2(ix) |
| 223. | 1. आवेदन क्र0-24/2124 2. आवेदक-श्रीधर महतो , पिता -स्व0 किस्टो महतो<br>3. ग्राम-तोडांग , पोस्ट-नवाडीह , थाना- सोनाहातु , प्रखण्ड- राहे<br>4. लिंग- पुरूष , आय-49वर्ष , पहचान चिन्ह-गला में तिल का निशान। | कंडिका-2(ix) |
| 224. | 1. आवेदन क्र0-24/2125 2. आवेदक-काली पदो कुम्हार , पिता -उधव कुम्हार<br>3. ग्राम- सोनाहातु , पोस्ट- सोनाहातु , थाना- सोनाहातु , प्रखण्ड- सोनाहातु<br>4. लिंग- पुरूष , आय-50 वर्ष , पहचान चिन्ह-छाती में तिल का निशान। | कंडिका-2(ix) |
| 225. | 1. आवेदन क्र0-24/2126 2. आवेदक-सुषेन महतो , पिता -अर्जुन महतो<br>3. ग्राम-नीमडीह , पोस्ट- सोनाहातु , थाना- सोनाहातु , प्रखण्ड- सोनाहातु<br>4. लिंग- पुरूष , आय-54 वर्ष , पहचान चिन्ह-बायां हाथ में तिल का निशान। | कंडिका-2(ix) |
| 226. | 1. आवेदन क्र0-24/2127 2. आवेदक-माधव महतो , पिता -स्व0 अघनु महतो<br>3. ग्राम-बुढ़ाआम , पोस्ट- लोटा , थाना- सिल्ली , प्रखण्ड- सिल्ली<br>4. लिंग- पुरूष , आय-51 वर्ष , पहचान चिन्ह-बायां गाल में तिल का निशान। | कंडिका-2(ix) |
| 227. | 1. आवेदन क्र0-24/2128 2. आवेदक-महजा लोहरा , पिता -स्व0 पुसवा लोहरा<br>3. ग्राम-कारेयाडीह , पोस्ट- पतराहातु , थाना- सिल्ली , प्रखण्ड- सिल्ली<br>4. लिंग- पुरूष , आय-57 वर्ष , पहचान चिन्ह-बायां गाल में तिल का निशान। | कंडिका-2(ix) |
| 228. | 1. आवेदन क्र0-24/2129 2. आवेदक-यशोदा देवी , पति- श्री तरणी प्रमाणिक<br>3. ग्राम-पतराहातु , पोस्ट- पतराहातु , थाना- सिल्ली , प्रखण्ड- सिल्ली<br>4. लिंग- महिला , आयु-54 वर्ष , पहचान -कान के निचे तिल का निशान। | कंडिका-2(ix) |
| 229. | 1. आवेदन क्र0-24/3574 2. आवेदक-मो0 हलीम अंसारी , पिता -स्व0 अहमद अंसारी<br>3. ग्राम-फुलसराय , पोस्ट- हेसला , थाना-माण्डू , प्रखण्ड-रामगढ़<br>4. लिंग- पुरूष , आय-61 वर्ष , पहचान चिन्ह-बायां अंगुठा में कटे का निशान। | कंडिका-2(ix) |
| 230. | 1. आवेदन क्र0-24/3575 2. आवेदक-महेष महतो , पिता -स्व0 लेदो महतो<br>3. ग्राम-बोंगावार , पोस्ट-भोचनगर , थाना-माण्डू , प्रखण्ड-रामगढ़<br>4. लिंग- पुरूष , आय-56 वर्ष ,पहचान चिन्ह-ललाट पर बाये तरफ दाग का निशान। | कंडिका-2(ix) |
| 231. | 1. आवेदन क्र0-24/3576 2. आवेदक-मनोज कुमार महतो , पिता -स्व0 गुनी महतो<br>3. ग्राम-बोंगावार , पोस्ट-भोचनगर , थाना-माण्डू , प्रखण्ड-रामगढ़<br>4. लिंग- पुरूष , आय-49 वर्ष ,पहचान चिन्ह-दायें हाथ में तिल का निशान। | कंडिका-2(ix) |
| 232. | 1. आवेदन क्र0-24/3577 2. आवेदक-छटू महतो , पिता -स्व0 राधो महतो<br>3. ग्राम-बोंगावार , पोस्ट-भोचनगर , थाना-माण्डू , प्रखण्ड-रामगढ़<br>4. लिंग- पुरूष , आय-59 वर्ष ,पहचान चिन्ह-अंकित नहीं। | कंडिका-2(ix) |
| 233. | 1. आवेदन क्र0-24/2130 2. आवेदक-चिला देवी , पति-रोहित महतो<br>3. ग्राम-नवाडीह , पोस्ट- लोटा, थाना-सिल्ली , प्रखण्ड- सिल्ली<br>4. लिंग-महिला, आयु-47 वर्ष , पहचान चिन्ह-बाया गाल पर मासा का निशान। | कंडिका-2(ix) |
| 234. | 1. आवेदन क्र0-24/2131 2. आवेदक-तरणी प्रसाद महतो , पिता-राम राय महतो<br>3. ग्राम- डोकाद , पोस्ट- राहे, थाना-राहे , प्रखण्ड- राहे<br>4. लिंग-पुरूष , आयु-60 वर्ष ,पहचान चिन्ह-बाया हाथ पर तील का दाग का निशान । | कंडिका-2(ix) |
| 235. | 1. आवेदन क्र0-24/3588 2. आवेदक-अयज खलखो , पिता-पियूश खलखो<br>3. ग्राम- पनषाला , पोस्ट- लारी, थाना-राजरप्पा , प्रखण्ड- रामगढ़<br>4. लिंग-पुरूष , आयु-53 वर्ष ,पहचान चिन्ह-अंकित नही है। | कंडिका-2(ix) |
| 236. | 1. आवेदन क्र0-24/2132 2. आवेदक-श्री राम महतो , पिता-गोपाल महतो<br>3. ग्राम- लोदमू , पोस्ट- रामपुर, थाना-सिल्ली , प्रखण्ड-सिल्ली<br>4. लिंग-पुरूष , आयु-50 वर्ष ,पहचान चिन्ह-बाया हाथ पर मासा का दाग का निशान । | कंडिका-2(ix) |
| 237. | 1. आवेदन क्र0-24/2133 2. आवेदक-मनोज कुमार महतो , पिता-मारीनाथ महतो<br>3. ग्राम- हाकेदाग , पोस्ट- रामपुर, थाना-सिल्ली , प्रखण्ड- सिल्ली<br>4. लिंग-पुरूष , आयु-57 वर्ष ,पहचान चिन्ह-बाया गाल पर तीन का निशान। | कंडिका-2(ix) |
| 238. | 1. आवेदन क्र0-24/2134 2. आवेदक-राम चन्द्र महतो , पिता-घासीराम महतो<br>3. ग्राम-करियाडीह , पोस्ट-करियाडीह थाना-पतराहातु , प्रखण्ड-सिल्ली<br>4. लिंग-पुरूष , आयु-52 वर्ष ,पहचान चिन्ह-बाया गाल पर दाग का निशान । | कंडिका-2(ix) |
| 239. | 1. आवेदन क्र0-24/2135 2. आवेदक-संजय महतो, पिता-गुणधर महतो<br>3. ग्राम- लोसेरा , पोस्ट- रामपुर, थाना-सिल्ली , प्रखण्ड- सिल्ली<br>4. लिंग-पुरूष , आयु-40 वर्ष ,पहचान चिन्ह-बाया हाथ पर तील का निशान । | कंडिका-2(ix) |
| 240. | 1. आवेदन क्र0-24/2136 2. आवेदक-संतोष मण्डल , पिता-राम चरण मण्डल<br>3. ग्राम- जालुमबेड़ा , पोस्ट- हरमद, थाना-सिल्ली , प्रखण्ड- सिल्ली<br>4. लिंग-पुरूष , आयु-52 वर्ष ,पहचान चिन्ह- हाथ पर काला का दाग का निशान । | कंडिका-2(ix) |
| 241. | 1. आवेदन क्र0-24/2137 2. आवेदक-राजा राम महतो , पिता-सीदाम महतो<br>3. ग्राम- लादमू , पोस्ट- रामपुर, थाना-सिल्ली , प्रखण्ड- सिल्ली<br>4. लिंग-पुरूष , आयु-63 वर्ष ,पहचान चिन्ह-गाल पर मासा का दाग का निशान । | कंडिका-2(ix) |
| 242. | 1. आवेदन क्र0-24/2138 2. आवेदक-लखिन्द्र प्रजापति , पिता-विन्दे कुम्हार<br>3. ग्राम- राहे , पोस्ट- राहे, थाना-सोनाहातु, प्रखण्ड-राहे<br>4. लिंग-पुरूष , आयु-47 वर्ष ,पहचान चिन्ह-बाया गाल पर मासा का दाग का निशान । | कंडिका-2(ix) |
| 243. | 1. आवेदन क्र0-24/2139 2. आवेदक-अजय कुमार महतो , पिता-जगदीश महतो<br>3. ग्राम- पुराना नगर , पोस्ट- राहे, थाना-राहे , प्रखण्ड- राहे<br>4. लिंग-पुरूष , आयु-51 वर्ष ,पहचान चिन्ह-बाया गाल पर मासा का निशान । | कंडिका-2(ix) |
| 244. | 1. आवेदन क्र0-24/2140 2. आवेदक-नवल किशोर महतो , पिता-स्व0 सृष्टिध महतो<br>3. ग्राम- धाना मुंजी , पोस्ट-कनसिया, थाना-सिल्ली , प्रखण्ड- सिल्ली<br>4. लिंग-पुरूष , आयु-50 ,पहचान चिन्ह-अंकित नही है। | कंडिका-2(ix) |
| 245. | 1. आवेदन क्र0-24/2141 2. आवेदक-निरंजन महतो , पिता-स्व0 युगल महतो<br>3. ग्राम- टुँगरूडीह, पोस्ट- बी0 नवाडीह, थाना-राहे , प्रखण्ड- राहे<br>4. लिंग-पुरूष , आयु-54 वर्ष ,पहचान चिन्ह-बाया कान पर मासा का निशान । | कंडिका-2(ix) |
| 246. | 1. आवेदन क्र0-24/2142 2. आवेदक-गोरीनाथ महतो , पिता-घुदु महतो<br>3. ग्राम- लोदमू पोस्ट- रामपुर, थाना-सिल्ली , प्रखण्ड- सिल्ली<br>4. लिंग-पुरूष , आयु-42 वर्ष ,पहचान चिन्ह-बाया गाल पर तील का दाग का निशान । | कंडिका-2(ix) |
| 247. | 1. आवेदन क्र0-24/2143 2. आवेदक-प्रेम चन्द्र महतो , पिता-रघु महतो<br>3. ग्राम-सताकी , पोस्ट-सताकी, थाना-अनगड़ा , प्रखण्ड- राहे<br>4. लिंग-पुरूष , आयु-64 वर्ष ,पहचान चिन्ह- अंकित नही । | कंडिका-2(ix) |
| 248. | 1. आवेदन क्र0-24/2144 2. आवेदक-चन्द्र मोहन महतो , पिता-स्व0 बेधन महतो<br>3. ग्राम- कोम्बो जारडीह , पोस्ट-अम्बाझरिया, थाना-अनगड़ा , प्रखण्ड- राहे<br>4. लिंग-पुरूष , आयु-62 वर्ष ,पहचान चिन्ह-अंकित नही है । | कंडिका-2(ix) |
| 249. | 1. आवेदन क्र0-24/2145 2. आवेदक-प्रमिला देवी , पति-भुवनेष्वर महतो<br>3. ग्राम- कोम्बो जारडीह , पोस्ट- अम्बाझरिया, थाना-अनगड़ा , प्रखण्ड- राहे<br>4. लिंग-महिला , आयु-61 वर्ष ,पहचान चिन्ह-अंकित नही है । | कंडिका-2(ix) |
| 250. | 1. आवेदन क्र0-24/2146 2. आवेदक-लखीमनी देवी , पति-अजय कुमार महतो<br>3. ग्राम- पुरानगर , पोस्ट-राहे, थाना-राहे , प्रखण्ड-राहे<br>4. लिंग- महिला, आयु-40 वर्ष ,पहचान चिन्ह-अंकित नही है । | कंडिका-2(ix) |
| 251. | 1. आवेदन क्र0-24/2147 2. आवेदक-विभूति भूषण , पिता-महेन्द्र नाथ महतो<br>3. ग्राम- विरगालडीह , पोस्ट-दाषाडीह, थाना-सोनाहातु , प्रखण्ड- सोनाहातु<br>4. लिंग-पुरूष , आयु-54 वर्ष ,पहचान चिन्ह-दायें गाल पर तिल का निशान । | कंडिका-2(ix) |
| 252. | 1. आवेदन क्र0-24/2148 2. आवेदक-प्रदीप महतो, पिता-रोमन महतो<br>3. ग्राम-गोवाली , पोस्ट-लोवाहातु, थाना-राहे , प्रखण्ड-राहे<br>4. लिंग-पुरूष , आयु-40 वर्ष ,पहचान चिन्ह-अंकित नही है । | कंडिका-2(ix) |
| | विवरण :-चिन्हित झारखण्ड आन्दोलनकारी लक्ष्मीनारायण महतो एवं रतनलाल महतो द्वारा आयोग के माननीय सदस्य श्री नरसिंह मुर्मू के समक्ष आवेदन पर दर्ज बयान एवं पहचान एवं बैठक पंजी में नाम के आधार पर। | |
| 253. | 1. आवेदन क्र0-24/1981 2. आवेदक-तेजोष्वरी देवी , पति-हेमन्त कुमार मेहता<br>3. ग्राम-कोटीगदाग पोस्ट-लोवाहातु, थाना-सोनाहातु, प्रखण्ड-राहे<br>4. लिंग-महिला, आयु-56 वर्ष , पहचान चिन्ह-गला में तिल का दाग। | कंडिका-2(ix) |
| 254. | 1. आवेदन क्र0-24/1982 2. आवेदक-महादेव महतो, पिता-वीर महतो<br>3. ग्राम-कोटीगदाग पोस्ट-लोवाहातु, थाना-सोनाहातु, प्रखण्ड-राहे<br>4. लिंग-पुरूष, आयु-46 वर्ष , पहचान चिन्ह-आंख के नीचे काला दाग। | कंडिका-2(ix) |
| 255. | 1. आवेदन क्र0-24/1983 2. आवेदक-दिलीप कुमार महतो, पिता-हाड़िया महतो<br>3. ग्राम-कोटीगदाग पोस्ट-लोवाहातु, थाना-सोनाहातु, प्रखण्ड-राहे<br>4. लिंग-पुरूष, आयु-50 वर्ष , पहचान चिन्ह-दायें गाल पर तिल का दाग। | कंडिका-2(ix) |
| 256. | 1. आवेदन क्र0-24/1984 2. आवेदक-हेमन्त कुमार मेहता, पिता-घनश्याम महतो<br>3. ग्राम-कोटीगदाग पोस्ट-लोवाहातु, थाना-सोनाहातु, प्रखण्ड-राहे<br>4. लिंग-पुरूष, आयु-63 वर्ष , पहचान चिन्ह-कपाल में कटे का दाग। | कंडिका-2(ix) |
| 257. | 1. आवेदन क्र0-24/1985 2. आवेदक-राजकुमार घासी, पिता-कुशल घासी<br>3. ग्राम-गोमदा पोस्ट-गोमदा, थाना-सोनाहातु, प्रखण्ड-राहे<br>4. लिंग-पुरूष, आयु-65 वर्ष , पहचान चिन्ह-बायें पैर में तिल का दाग। | कंडिका-2(ix) |

नोट :-1. यह सूची पूर्णरूपेण औपबंधिक है।
2. यह सूची आयोग के द्वय सदस्यों द्वारा स्थानीय जांच शिविर/कार्यालय में जांच कर आवेदन पर दर्ज बयान के आधार आवेदन प्रपत्र की कण्डिका 14(ग) के आलोक में प्रकाशित की गयी है।
3. इस सूची में किसी प्रकार की त्रुटि पाये जाने पर दस (10) दिनों के अन्दर आयोग को आपत्ति कर सकते हैं।
4. आश्रित होने पर मृत्यु प्रमाण पत्र तथा आश्रित संबंधी प्रतिवेदन संलग्न करना आवश्यक है।

PR 341557 Home(24-25).D

(भुवनेश्वर महतो) सदस्य | (नरसिंह मुर्मू) सदस्य | (दुर्गा उरांव) अध्यक्ष


## खबर एक नजर में

### राहुल गांधी की व्यक्तिगत उपस्थिति से छूट मामले में एमपी-एमएलए कोर्ट में सुनवाई 23 को

**रांची।** राजधानी रांची स्थित एमपी-एमएलए कोर्ट में सोमवार को राहुल गांधी की व्यक्तिगत उपस्थिति से छूट मामले में आंशिक सुनवाई हुई। मामले में अदालत ने अगली सुनवाई की तिथि 23 दिसम्बर निर्धारित की है। यह सुनवाई एमपी-एमएलए कोर्ट के विशेष न्यायाधीश सार्थक शर्मा की बेंच में हुई। यह मामला भाजपा के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह (वर्तमान गृह मंत्री) के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी से जुड़ा है। राहुल गांधी मामले में व्यक्तिगत पेशी से छूट चाहते हैं। इसको लेकर उनके अधिवक्ता प्रदीप चंद्रा ने याचिका दाखिल की है। राहुल गांधी को मामले में कोर्ट में पेश होना है। पेशी को लेकर समन जारी है।

### बैंक अधिकारी बनकर ठगी करने वाले तीन दोषियों को हाईकोर्ट ने दी सशर्त बेल

**रांची।** बैंक अधिकारी बनकर करोड़ों रुपए की ठगी करने वाले साइबर अपराधियों गणेश मंडल, संतोष मंड और अंकुश कुमार मंडल को हाईकोर्ट ने सशर्त जमानत की सुविधा प्रदान की है। कोर्ट ने यह शर्त रखी है कि तीनों के बेलर उनके गांव के ही होने चाहिए और उनकी अचल संपति के दस्तावेज बेल बॉण्ड के रूप में दिए जाएंगे। वहीं दोषियों को बेल के दौरान हर महीने थाना में हाजिरी भी लगानी होगी। तीनों को रांची पीएमएलए की विशेष कोर्ट ने 27 जुलाई को पांच साल सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने दोषियों पर 2.50 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है।

### निशिकांत दुबे की राहत बरकरार

**रांची।** बाबा बैद्यनाथ मेडिकल ट्रस्ट द्वारा परित्राण मेडिकल ट्रस्ट से मेडिकल कॉलेज खरीदे जाने के मामले में निशिकांत दुबे की याचिका पर नौ जनवरी को अंतिम सुनवाई होगी। इस अवधि तक निशिकांत दुबे के खिलाफ पीड़क कार्रवाई नहीं करने का आदेश बरकरार रहेगा। पूर्व की सुनवाई में हाईकोर्ट ने शिकायतकर्ता देवघर परित्राण मेडिकल ट्रस्ट के सचिव शिवदत्त शर्मा को नोटिस जारी कर जवाब मांगा था। निशिकांत दुबे की ओर से याचिका दाखिल कर इससे संबंधित एफआईआर को निरस्त करने का आग्रह किया गया है। परित्राण मेडिकल ट्रस्ट के सचिव शिवदत्त शर्मा की ओर से निशिकांत दुबे पर एफआईआर दर्ज कर कहा गया है कि बाबा बैद्यनाथ मेडिकल ट्रस्ट देवघर जिसमें सांसद निशिकांत दुबे की पत्नी ट्रस्टी भी हैं, उनके द्वारा जालसाजी कर परित्राण मेडिकल ट्रस्ट से मेडिकल कॉलेज खरीदी गई है। इसके खिलाफ देवघर के जसीडीह थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई है।

# राज्य के पारा शिक्षकों को चार फीसदी बढ़ा मानदेय मिलेगा

**खबर मन्त्र ब्यूरो**

**रांची।** राज्य के 59 हजार पारा शिक्षकों (सहायक अध्यापक) के लिए खुशखबरी है। नये साल (जनवरी) से पारा शिक्षकों को चार फीसदी बढ़ा हुआ मानदेय मिलेगा। स्कूली शिक्षा विभाग ने अगले तीन साल यानी 2027 तक के लिए बढ़ोत्तरी की राशि तय कर दी है।

**जानें कितना मिलेगा मानदेय**

जनवरी 2025 से छठी से आठवीं कक्षा तक पढ़ाने वाले टेट पास पारा शिक्षकों को 25,200 रुपये मिलेंगे।

जनवरी 2025 से कक्षा एक से पांचवीं तक पढ़ाने वाले टेट पास पारा शिक्षकों को 23,530 रुपये मिलेंगे।

सिर्फ प्रशिक्षित शिक्षकों, जो कक्षा छठी से आठवीं तक पढ़ाते हैं, को 20,384 रुपये मिलेंगे।

आकलन परीक्षा पास पारा शिक्षकों को 21,788 रुपये दिये जायेंगे।

सिर्फ प्रशिक्षित पारा शिक्षकों, जो कक्षा एक से पांच तक पढ़ाते हैं, को 18,816 रुपये दिये जायेंगे।

इस कटैगरी में जो आकलन परीक्षा पास हैं, उन्हें 20,112 रुपये मिलेंगे।

**नोट :** पारा शिक्षकों के मासिक मानदेय की गणना आकलन परीक्षा के परिणाम की तिथि 29 सितंबर 2023 के आधार पर की गयी है।

**वर्तमान में मिल रहा मानदेय**

वर्तमान में जनवरी 2024 से कक्षा छठी से आठवीं तक पढ़ाने वाले टेट पास पारा शिक्षकों को 24,300 और कक्षा पहली से पांचवीं तक पढ़ाने वाले टेट पास पारा शिक्षकों को 22,680 दिये जा रहे हैं।

वर्तमान में प्रशिक्षित पारा शिक्षकों (वर्ग छह से आठ) को 19,656, जबकि आकलन पास के बाद 21,008 रुपये दिये जा रहे हैं।

वर्तमान में सिर्फ प्रशिक्षित (वर्ग एक से पांच ) पारा शिक्षकों को 18,144 रुपये और आकलन परीक्षा पास करने वाले को 19,392 दिये जा रहे हैं।

### झमाझम बारिश से झारखंड में बदला मौसम का मिजाज

# तापमान में गिरावट के साथ पड़ेगी कड़ाके की ठंड

खबर मन्त्र संवाददाता

**रांची।** देश के उत्तर पश्चिम भाग में आए पश्चिमी विक्षोभ और उससे बने साइक्लोनिक सर्कुलेशन को बंगाल की खाड़ी से नमी मिल रही है। इस पूरे सिस्टम के प्रभाव से सोमवार को झारखंड के ज्यादातर इलाकों में मौसम का मिजाज बदल गया। राज्य के उत्तर पश्चिमी कुछ जिलों को छोड़कर राज्य भर में बादल छाए रहे। साथ ही कई जिलों में हल्की से मध्यम दर्जे की बारिश भी हुई। वहीं रांची में सोमवार को दिन की शुरूआत रिमझिम बारिश और कोहरे के साथ हुई। मौसम खराब होने से सुबह सबसे अधिक परेशानी स्कूल जाने वाले बच्चों को हुई। कोहरे के कारण वाहन चालकों को समस्या हुई। कोहरे के कारण वाहनों की रफ्तार थम गयी, वाहन चालकों को खासे परेशानी हुई।

**सोमवार को सुबह से हुई बारिश से बाजार में नहीं दिखी चहल-पहल**

**बारिश से तापमान में आयेगी गिरावट :** मौसम केंद्र, रांची के निदेशक अभिषेक आनंद ने बताया है कि पश्चिमी विक्षोभ और साइक्लोनिक सर्कुलेशन की वजह से आसमान में बने बादल की वजह से न्यूनतम तापमान में बढ़ोतरी होगी। वहीं, अधिकतम तापमान में कमी आएगी। तापमान में उतार चढ़ाव और बदलाव का असर बच्चों और बुजुर्गों के स्वास्थ्य पर असर पड़ सकता है। ऐसे में उन्हें स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने की जरूरत है।

**एक दर्जन से अधिक जिलों में**

**दिन चढ़ते ही बादलों के साथ-साथ छाया कोहरा, ठिठुरन बढ़ी**

**छाया रहेगा कोहरा :** विभाग के अनुसार, साइक्लोनिक सरकुलेशन के कारण झारखंड में इसका असर दिख रहा है। मौसम विभाग के अनुसार, राज्य के एक दर्जन से अधिक जिलों में मंगलवार को भी घना कोहरा छाया रहेगा। इसमें गढ़वा, पलामू, चतरा, हजारीबाग, कोडरमा, गिरिडीह, देवघर, दुमका, गोड्डा, साहेबगंज, पाकुड़, सरायकेला-खरसांवा, पश्चिमी सिंहभूम और पूर्वी सिंहभूम शामिल हैं।

**गिरिडीह में हुई सबसे अधिक बारिश :** गिरिडीह में सबसे अधिक 14.2 मिलीमीटर बारिश हुई। वहीं सबसे अधिक तापमान सरायकेला खरसांवा में और सबसे कम तापमान बोकारो में दर्ज किया गया। सरायकेला में अधिक तापमान 29.8 डिग्री सेल्सियस रहा. जबकि बोकारो का न्यूनतम तापमान 10.1 डिग्री सेल्सियस रहा। रांची का अधिकतम 25.8 और न्यूनतम 14.5 डिग्री सेल्सियस रहा।

**खेतों से धान की फसल घर ले आएं किसान : मौसम केंद्र**

मौसम केंद्र, रांची ने खराब मौसम और बारिश को देखते हुए अन्नदाताओं को सलाह जारी किया है। उन्होंने कहा कि वह अपनी तैयार धान की फसल को घर ले आएं। बारिश के साथ मौसम का रुख बदलने वाला वाला है, जो फसल को नुकसान पहुंचा सकता है।

## मुख्यमंत्री ने मंत्रियों के नये आवास का किया निरीक्षण, दिये कई निर्देश

खबर मन्त्र ब्यूरो

**रांची।** मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने सोमवार को स्मार्ट सिटी में राज्य सरकार के मंत्रियों के लिए बने नवनिर्मित आवास सहित पूरे आवासीय परिसर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने नवनिर्मित आवास से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर आवश्यक दिशा-निर्देश अधिकारियों को दिये। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि नवनिर्मित आवास एवं पूरे आवासीय परिसर के सभी कार्य 15 जनवरी 2025 तक पूर्ण कर लिये जायें। ताकि मंत्रियों को आवास आवंटित की जा सके। उन्होंने आवासीय परिसर में बने क्लब हाउस, बैडमिंटन कोर्ट तथा पुलिस बैरेक इत्यादि का निरीक्षण कर सभी सुविधाओं से संबंधित आवश्यक निर्देश अधिकारियों को दिये। उन्होंने आवासीय परिसर में बच्चों के खेलने की व्यवस्था, झूला इत्यादि लगाने का भी निर्देश दिये। मौके पर विधायक कल्पना सोरेन, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, प्रधान सचिव नगर विकास विभाग सुनील कुमार, सचिव भवन निर्माण विभाग अरवा राजकमल, सीईओ स्मार्ट सिटी अमित कुमार, जीएम स्मार्ट सिटी राकेश नंदकुलियार सहित अधिकारी थे।

### अधिक से अधिक वादों का निस्तारण करना ही लक्ष्य : डालसा सचिव

# राष्ट्रीय लोक अदालत 14 दिसंबर को

**वादों के निबटारे पर जोर**

## लगभग 58,000 नोटिस भेजा गया

खबर मन्त्र संवाददाता

**रांची।** झालसा के निर्देश पर न्यायायुक्त-सह-अध्यक्ष के मार्गदर्शन पर राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 14 दिसम्बर को व्यवहार न्यायालय, रांची में होगा। लोक अदालत की प्री-काउंसलिंग बैठक जारी है, जो 13 दिसम्बर तक चलेगा। डालसा की तैयारी जोरों पर हैं। न्यायायुक्त-सह-अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी व्यवहार न्यायालय, रांची और डालसा सचिव कमलेश बेहरा के द्वारा पुलिस प्रशासन, बैंक, इंश्योरेंश कंपनी के अधिकारयों व प्रतिनिधियों के साथ बैठकें कर उन्हें अधिक से अधिक वादों का निस्तारन करने का निर्देश दिया जा रहा है।

ज्ञात हो कि अब तक जिला विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के द्वारा पुलिस प्रशासन के सहयोग से न्यायालय में लंबित मामले तथा प्री-लिटिगेशन से संबंधित मामलों के लिए लगभग 58,000 नोटिस भेजा जा चुका हैं तथा पुलिस प्रशासन के अधिकारियों तथा पदाधिकारयों से अधिक से अधिक नोटिस का तामिला समय पर कराने का अपील भी किया गया है।

डालसा सचिव कमलेश बेहरा ने पूर्व में ही सभी पीएलवी से बैठकें कर अधिक से अधिक नोटिस का तामिला कराने के लिए दिशा-निर्देश दिये, जिससे कि आगामी लोक अदालत में अधिक से अधिक वादों का निस्तारण किया जा सके। डालसा सचिव ने पीएलवी से कहा

कि पूर्व की भांति आगामी लोक अदालत में भी अधिक से अधिक वादों का निस्तारण हो इसके लिए आप अपने थाना क्षेत्र, अपने गांव एवं आसपास के क्षेत्रों में जागरूकता फैलाएं एवं लोगों को राष्ट्रीय लोक अदालत के संबंध में जानकारी प्रदान करें। उन्होंने कहा कि न्यायालय में कोई भी सुलहनीय वाद लंबित हैं, तो राष्ट्रीय लोक अदालत के दिन वादकारी अपने वादों का निबटारा करा सकते हैं, जिससे समय और धन की बचत होगी।

**इन मामलों का किया जायेगा निबटारा**

राष्ट्रीय लोक अदालत में सभी आपराधिक सुलहनीय मामले, दीवानी से संबंधित मामले, श्रम से संबंधित वाद, वैवाहिक वाद, पारिवारिक वाद, उत्पाद से संबंधित मामले, चेक बाउंस के मामले, वन विभाग के मामले, बिजली से संबंधित मामले, ट्रैफिक चालान से संबंधित मामले साथ ही साथ भूमि अधिग्रहण, कंज्यूमर फोरम के मामले, मोटरयान एवं माप-तौल से संबंधित मामलों में चिन्हित करके पक्षकारों को नोटिस भेजा जा रहा है।

## शिक्षा, स्वास्थ्य और ग्रामीण विकास विभाग बना भ्रष्टाचार का गढ़ : मरांडी

खबर मन्त्र संवाददाता

**रांची।** भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सह पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने राज्य सरकार पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा है कि झारखंड में शिक्षा, स्वास्थ्य और ग्रामीण विकास जैसे महत्वपूर्ण विभाग, जिनसे राज्य की नींव मजबूत होनी चाहिए, अब भ्रष्टाचार की बुनियाद पर खड़े होकर भ्रष्टाचार का गढ़ बन गया है। मरांडी ने सोशल मीडिया एक्स पर सोमवार को पोस्ट में लिखा है कि सिर्फ 2024 में अब तक 39 अधिकारियों को एसीबी ने रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा है। ईडी ने 2024 में 39.28 करोड़ रुपये नकद जब्त किए, जो 2022 के आंकड़े से लगभग दोगुना है। यह स्थिति सरकार और प्रशासन की नाकामी को उजागर करती है। बार-बार रिश्वत में पकड़े जाने वाले कर्मचारियों पर कोई सख्त कार्रवाई नहीं करना दर्शाता है कि भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने की सरकार की मंशा ही नहीं है। यह कितना शर्मनाक है कि जिन विभागों का कार्य आम जनता को राहत देना है, वे जनता की गाढ़ी कमाई को लूटने में लगे हैं। सरकार की लचर नीतियां और कमजोर व्यवस्था ने भ्रष्टाचारियों को खुली छूट दे रखी है। ऐसे में झारखंड का विकास एक सपना बनकर रह गया है।

## रात 10 बजे के बाद लाउडस्पीकर बजाने पर बैंक्वेट हॉल के खिलाफ एक्शन लेगा रांची नगर निगम

खबर मन्त्र संवाददाता

**रांची।** रांची नगर निगम क्षेत्रांतर्गत स्थित बैंक्वेट हॉल/विवाह भवन से विवाह एवं अन्य समारोह में ध्वनि विस्तारक यंत्र का उपयोग रात में किये जाने पर आमजनों को होने वाले परेशानियों को देखते हुए इसके संचालकों की एक बैठक सोमवार को आहूत की गई। इसमें सभी को स्पष्ट निर्देश दिया गया कि राज्य में लाउडस्पीकर एवं बैंड का उपयोग के संबंध में लागू प्रिवेलिंग अधिनियम के आलोक में लाउडस्पीकर एवं बैंड का उपयोग करना सुनिश्चित करें। आवासीय क्षेत्र में ध्वनि की सीमा निर्धारित है एवं रात्रि 10.00 बजे से सुबह 6.00 तक इसे बजाना कानूनन प्रतिबंधित है। रात्रि 10.00 बजे के पश्चात लाउडस्पीकर/बैंड का उपयोग करने पर विधि-सम्मत कार्रवाई की जाएगी। इस संबंध में आमजनों को भी सूचित किया गया कि लाउडस्पीकर/बैंड से किसी प्रकार की समस्या होने पर 112 में डायल कर अपनी शिकायत दर्ज करायी जा सकती है। बैठक में अपर प्रशासक, रांची नगर निगम संजय कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी, सदर, रांची उत्कर्ष कुमार, सिटी डीएसपी कुमार वी रमण, उप प्रशासक, रांची नगर निगम गौतम प्रसाद साहु, सहायक प्रशासक, निकेश कुमार उपस्थित थे।

**112 पर डायल कर शिकायत दर्ज करायें**

**स्कूल कॉलेज के 100 मीटर दायरे में किसी प्रकार की ध्वनि प्रदूषण पर प्रतिबंध**

**रांची।** अनुमंडल पदाधिकारी सदर रांची, उत्कर्ष कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि उच्च न्यायालय के आदेशानुसार स्कूल कॉलेज की 100 मीटर की परिधि में साइलेंस जोन घोषित किया गया है। ध्वनि प्रदूषण की शिकायत टोल फ्री न. 112 या थाना में करने वाले शिकायतकर्ता की पहचान पूर्णतया गोपनीय रखी जाएगी। रात 10 बजे से सुबह 06 बजे तक किसी प्रकार का ध्वनि प्रदूषण नही करना है एवं किसी प्रकार का लाउडस्पीकर/ध्वनि विस्तारक यंत्र का उपयोग नहीं करना है।

### मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की से मिले शिवा कच्छप, दी बधाई

**रांची।** केंद्रीय सरना संघर्ष समिति के प्रदेश अध्यक्ष शिवा कच्छप के नेतृत्व में सोमवार को एक डेलिगेशन कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की से मुलाकात की और मंत्री को गुलदस्ता भेंट कर बधाई एवं शुभकामनाएं दी। केंद्रीय सरना संघर्ष समिति के प्रदेश अध्यक्ष शिवा कच्छप ने कहा कि राज्यवासियों को काफी उम्मीदें हैं। किसानो को बढ़ावा देने में निश्चित रूप से मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की का ध्यान केंद्रित करेंगी। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से दिनेश उरांव, एतवा उरांव, धरमू उरांव, भोला तिर्की, बुधवा उरांव, सती तिर्की, अनिता उरांव, चरकू उरांव, पिंकी कुजूर, नीलम उरांव, रिता खलखो इत्यादि शामिल थे।

## संजय सेठ को धमकी देने के आरोपी को कोर्ट में किया पेश

खबर मन्त्र ब्यूरो

**रांची।** रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ को धमकी देने के आरोपी मिन्हाजुल अंसारी को गिरफ़्तार करने के बाद दिल्ली पुलिस की टीम ने सिविल कोर्ट के चीफ ज्यूडीशियल मजिस्ट्रेट की कोर्ट के पेश किया। इस दौरान दिल्ली पुलिस ने मिन्हाजुल की 72 घंटों की ट्रांजिट रिमांड देने का आग्रह किया, लेकिन कोर्ट ने 48 घंटों की ट्रांजिट रिमांड की मंजूरी दी। इसके बाद दिल्ली पुलिस की टीम मिन्हाजुल को लेकर अपने साथ दिल्ली के किए रवाना हो गई।

दरअसल, केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने शनिवार को शिकायत दर्ज करवाई थी। उनसे

रंगदारी मांगी गई और जान से मारने की धमकी दी गई। उन्होंने इस संबंध में दिल्ली पुलिस और झारखंड के पुलिस महानिदेशक को भी जानकारी दी थी। शिकायत के मुताबिक शुक्रवार को उनके मोबाइल फोन पर एक अज्ञात नंबर से मैसेज आया था। इसमें 50 लाख रुपये की रंगदारी मांगी गई थी। मैसेज भेजने वाले ने कथित तौर पर उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी।

### पूरे परिवार के साथ सदन पहुंचे थे सीएम हेमंत सोरेन

**रांची।** विशेष सत्र की समाप्ति के बाद सीएम हेमंत ने कहा कि स्पीकर के लिए रवींद्रनाथ महतो का नाम सर्वसम्मति बन गयी है। वहीं दूसरी ओर उन्होंने सोशल मीडिया में एक तस्वीर शेयर की है, जिसमें लिखा है कि झारखंड विधानसभा में परिवार के साथ। मुख्यमंत्री पत्नी कल्पना सोरेन के साथ सोमवार को विधानसभा पहुंचे थे।

**प्रोटेम स्पीकर का अभिवादन** सीएम हेमंत सोरेन ने विधानसभा स्पीकर कक्ष में प्रोटेम स्पीकर प्रो. स्टीफन मरांडी का अभिवादन किया। वहीं दूसरी ओर विधानसभा स्थित सीएम कक्ष में श्री सोरेन का संसदीय कार्य मंत्रियों समेत सीएस व डीजीपी अनुराग गुप्ता ने भी स्वागत किया।

**सोनिया को बधाई :** सीएम ने कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सह राज्यसभा सदस्य सोनिया गांधी को जन्मदिन पर बधाई दी है। सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट शेयर कर इसकी जानकारी दी।

### राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश ने सदन में पूछा था सवाल

## कोल इंडिया विद्युत संयंत्रों को निकटतम खानों से उपलब्ध कराती है कोयला : जी किशन रेड्डी

खबर मन्त्र ब्यूरो

**रांची।** केंद्रीय कोयला राज्य मंत्री जी किशन रेड्डी ने कहा कि कोल इंडिया लिमिटेड विद्युत संयंत्रों को निकटतम खानों से कोयला उपलब्ध कराती है। दरअसल, सांसद दीपक प्रकाश ने राज्यसभा में अपने अतारांकित प्रश्न के माध्यम से कोयला एवं खान मंत्रालय से झारखंड राज्य में विद्युत संयंत्रों के लिए विविध स्त्रोतों से कोयला प्राप्त करने की क्या योजना है और झारखंड राज्य में कोयले की गुणवता की निगरानी और नियंत्रण संबंधी उपायों की वर्तमान स्थिति की जानकारी मांगी थी। श्री प्रकाश के सवालों के जबाब में केंद्रीय मंत्री श्री रेड्डी ने बताया कि कोल मंत्रालय कोयला लिंकेज के माध्यम से एक कोयला कंपनी से दूसरी कंपनी को लिंकेज अंतरित करके कोयला खानों से विद्युत संयंत्रों तक कोयले के परिवहन की दूरी एवं लागत को कम करने के उद्देश्य से सबसे निकतमतम खानों या स्त्रोतों से कोयला उपलब्ध कराती है। इससे विद्युत उत्पादन की लागत में कमी आती है। उन्होंने कोयले की गुणवत्ता और निगरानी से सम्बंधित सवाल के जबाब में बताया कि कोयला नियंत्रक संगठन प्रेषण स्थलों के लदान स्थल से औचक मासिक नमूने लेकर गुणवत्ता निगरानी कर रहा है और परियोजना प्रस्तावक को घोषित ग्रेड में गिरावट को नियंत्रित के लिए कदम उठाने के निदेश दिये जाते हैं। उन्होंने बताया कि कोयला कंपनियों द्वारा आपूर्ति किये गये कोयले की गुणवत्ता के बारे में कोयला उपभोक्ताओं की चिंताओं को दूर करने के लिए कोयला मंत्रालय द्वारा 26 नवंबर 2015 को लोडिंग एंड पर कोयले के तीसरे पक्ष द्वारा नमूने लेने और विश्लेषण करने की एक मानक संचालन प्रक्रिया जारी की गई थी। लोडिंग एंड पर कोयले का नमूना स्वतंत्र तृतीय पक्ष नमूना अभिकरणों के माध्यम से लिया जाता है।

### एमटीआइ-आईआईएम कोझिकोड के बीच समझौते पर हस्ताक्षर

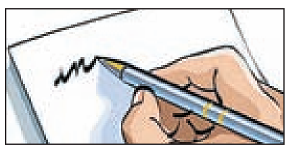

**रांची।** सेल एमटीआई ने सोमवार को आईआईएम, कोझिकोड में आयोजित एक कार्यक्रम में शैक्षणिक सहयोग के लिये एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये हैं। सीजीएम संजय धर एमटीआई, सेल और लेफ्टिनेंट कर्नल जूलियस जॉर्ज, प्रमुख प्रशासन आईआईएम कोझिकोड ने दोनों संगठनों की ओर से समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये। डीन प्रो दीपा सेठी, आईआईएम कोझिकोड और प्रो दीपक एस कुमार, चेयरपर्सन, एमडीपी आईआईएम कोझिकोड भी इस कार्यक्रम के दौरान उपस्थित थे। यह समझौता ज्ञापन अन्य बातों के साथ-साथ सेल के नये पदोन्नत सीजीएम के लिए अनुकूलित उन्नत नेतृत्व कार्यक्रम के संचालन की सुविधा प्रदान करेगा। प्रतिष्ठित संस्थानों के साथ सहयोग सेल की समग्र शिक्षण और विकास रणनीति का हिस्सा है, जो हमारे अधिकारियों को बहुत आवश्यक अकादमिक अनुभव प्रदान करेगा।

## प्रदेश कांग्रेस कार्यालय कर्मी सागर राम का निधन, कांग्रेस भवन में श्रद्धांजलि

खबर मन्त्र संवाददाता

**रांची।** प्रदेश कांग्रेस कार्यालय कर्मी सागर राम के निधन पर प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश सहित कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने दुःख व्यक्त किया है। इस अवसर पर स्व. राम के पार्थिव शरीर पर कांग्रेस भवन में कांग्रेस का झंडा ओढ़ाकर एवं माल्यार्पण कर श्री कमलेश ने श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि स्वर्गीय राम का जाना कांग्रेस के लिए क्षति है। 35 वर्षों तक अनवरत कांग्रेस की सेवा करने वाले निष्ठावान व्यक्ति की मृत्यु से हम सभी कांग्रेसजन व्यथित हैं।

शोक संतप्त परिवार को ईश्वर इस दुखद घटना को सहने की शक्ति प्रदान करें। कांग्रेस के लिए कार्यालय में ही रहकर दिन-रात कार्य करते रहना स्वर्गीय राम की कर्मठता और कांग्रेस के प्रति उनकी अपार निष्ठा का परिचायक था। पार्थिव शरीर पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि देने वालों में प्रमुख रूप से जयप्रकाश गुप्ता, प्रदीप तुलस्यान, के. एन त्रिपाठी, चंचल चटर्जी, सतीश पॉल मुजनी, सोनाल शांति, आभा सिन्हा, शमशेर आलम, राजन वर्मा, कामेश्वर गिरी, राकेश किरण महतो, नरेंद्र लाल गोपी, रामानंद केसरी, दामोदर, परमदेव सिंह कुशवाहा, अरविंद पासवान, रंजन दुबे, मुकेश सिंह सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

### रवींद्र नाथ महतो ने पीड़ा साझा की

**रांची।** पूर्व स्पीकर रवींद्र नाथ महतो ने अपनी पीड़ा साझा की है। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि पिताजी के निधन का आज दूसरा दिन है। पीड़ा में हूं, मन बहुत व्यथित है। मैं स्वीकार नहीं कर पा रहा हूं कि बाबा मेरे साथ नहीं हैं, लेकिन नाला वासियों के आशीर्वाद से कर्तव्य पथ पर अटल हूं। आज नयी सरकार के निर्वाचित सदस्यों के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल रहा। बाबा के जीवन के मूल्यों और पदचिन्हों पर चलकर आप सभी देवतुल्य जनता के सेवा, सरोकार और सम्मान का संकल्प को पूरा करने की कोशिश करूंगा।

# डीएसपीएमयू में 12 से तीन दिनी युवा महोत्सव स्पंदन का आगाज

- युवा महोत्सव स्पंदन के आयोजन से पूर्व तैयारी से संबंधित बैठक

**खबर मन्त्र ब्यूरो**

**रांची।** डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय (डीएसपीएमयू) में 12 दिसंबर को युवा महोत्सव स्पंदन का आगाज होगा। 14 दिसंबर तक आयोजित किए जाने वाले तीन दिवसीय युवा महोत्सव, स्पंदन के आयोजन को लेकर कांफ्रेंस हॉल में सोमवार को बैठक हुई। इसके अंतर्गत युवा महोत्सव के लिए गठित सभी कमिटियों के सदस्यों के साथ विमर्श और संवाद किया गया। इस बैठक में आयोजन से संबंधित तैयारियों और उनकी रूपरेखा पर विचार किया गया। तीन दिवसीय इस आयोजन में संगीत, नृत्य, लिटरेरी इवेंट्स , थियेटर, फाइन आर्ट्स आदि प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। इस आयोजन के लिए कुलपति डा. तपन कुमार शांडिल्य, कुलसचिव डॉ नमिता सिंह ने सभी कमेटियों के सदस्यों से अपने दायित्वों के निर्वहन करने की अपील की, ताकि यह युवा महोत्सव सफलतापूर्वक अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर सकें। कुलपति डॉ तपन कुमार शांडिल्य ने कहा कि डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय प्रत्येक वर्ष युवा महोत्सव का आयोजन करते आया है जिसका मूल उद्देश्य है कि विश्वविद्यालय के वर्ष भर की अकादमिक गतिविधियों के उपरांत युवा महोत्सव के माध्यम से यहां के विद्यार्थियों के सांस्कृतिक विद्याओं को भी उजागर किया जाए। उन्होंने कहा कि किसी भी विश्वविद्यालय की श्रेष्ठता न सिर्फ उसके अकादमिक और आधारभूत संरचना से निर्धारित किया जा सकता है, बल्कि सांस्कृतिक गतिविधियों का भी महत्वपूर्ण योगदान होता है। कुलसचिव डॉ नमिता सिंह ने कहा कि इस युवा महोत्सव से चयनित प्रतिभागी आगे आयोजित किए जाने वाले राष्ट्रीय स्तर के युवा महोत्सव में अपनी प्रतिभा दर्शाएंगे।

बैठक में युवा महोत्सव के लिए गठित सभी कमेटियों के सदस्यों की उपस्थिति रही। इस युवा महोत्सव स्पंदन के लिए डॉ गीतांजलि सिंह, डॉ विनय भरत और डॉ शालिनी लाल समन्वयक होंगे। यह जानकारी पीआरओ प्रो राजेश कुमार सिंह ने दी।

# नेशनल शूटिंग खेल प्रतियोगिता में रांची की सृष्टि प्रिया ने जीता गोल्ड और ब्रॉन्ज मेडल

- सहयोग और सहयोग राशि नहीं मिलने से राज्य के शूटरों में मायूसी

**खबर मन्त्र संवाददाता**

**रांची।** सृष्टि प्रिया ने कुमार सुरेंद्र सिंह जो एनआरएआई द्वारा नालंदा में आयोजित ओपन राष्ट्रीय स्कूली प्रतियोगिता में यूथ कैटेगरी के (आईएसएसएफ) में 618.3 अंक लाकर ब्रोंज मेडल हासिल किया है। प्रतियोगिता का आयोजन 29 नवंबर से 6 दिसम्बर तक किया गया था। मालूम हो कि डीएवी नेशनल प्रतियोगिता जो कि नोयडा में 28 नवंबर से 5 दिसम्बर तक आयोजित की गई थी, उसमें भी सृष्टि ने गोल्ड मेडल जीत कर राज्य को गौरान्वित किया है। सृष्टि प्रिया को एसजीएफआई इंदौर और ओपन नेशनल प्रतियोगिता के लिए भी सेलेक्शन हुआ है, जिसको खेलने इंदौर और भोपाल जाना है।

सृष्टि प्रिया ने राष्ट्रीय और राज्य प्रतियोगिता में एवं अन्य प्रतियोगिताओं अपनी प्रतियोगिता कैटेगरी में हर बार गोल्ड मेडल के साथ साथ सैकड़ों मेडल और ट्रॉफी जीत कर अपने खेल क्षमता को साबित किया है। इस प्रतिभावान खिलाड़ी को डीएवी स्कूल के प्रिंसिपल एसके मिश्रा, संजय मंडल, सैयद मोहम्मद अजीम, अरिंदम बैनर्जी एवं प्रलय कर्मकार के साथ सृष्टि के कोच गोबिंदा कुमार ने बधाई दिया एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। वहीं, सृष्टि के पिता प्रवीण कुमार एवं माता कुमुद झा ने खुशी जाहिर की है। माता-पिता ने यह भी कहा कि यह महंगा खेल है। हमलोग बच्चे का प्रतिभा देखकर मेहनत और संघर्ष करके खेलने के लिए साथ दे रहे हैं। परंतु सरकार का कोई सहयोग इस खेल को नहीं मिल रहा है। इससे पहले भी मेडल आया, जिसके एवज में स्वीकृत सहयोग राशि तक नहीं मिली। सरकार से अनुरोध है कि शूटिंग से सम्बंधित सुविधा को उपलब्ध कराकर बच्चों को सहयोग करें। खेलगांव के इंफ्रास्ट्रक्चर को दुरुस्त करायें, ताकि बच्चों को सीखने के लिए पूणे और दिल्ली न जाना पड़े।

# पारस हॉस्पिटल धुर्वा में पेट के कैंसर से पीड़ित 51 वर्षीय महिला का सफल इलाज

- गैस्ट्रोएंटरोलॉजी विभाग के निदेशक बिग्रेडियर डॉ आलोक चंद्रा ने इंडोस्कोपी तकनीक से किया इलाज

**खबर मन्त्र संवाददाता**

गैस्ट्रोएंटरोलॉजी विभाग के निदेशक बिग्रेडियर डॉ आलोक चंद्रा

**रांची।** पारस हॉस्पिटल धुर्वा में पेट के कैंसर से पीड़ित 51 वर्षीय महिला का सफल इलाज किया गया है। पेट में कैंसर के कारण भोजन वाले रास्ते में रुकावट आ गई थी, इस कारण खाने और पीने में भी परेशानी हो रही थी। इसकी वजह से कैंसर की दवाइयों को भी देने में भी दिक्कत आ रही थी। वो महिला मरीज ऑपरेशन के लिए भी फिट नहीं थी। हॉस्पिटल के गैस्ट्रोएंटरोलॉजी विभाग के निदेशक बिग्रेडियर डॉ आलोक चंद्रा ने इस मरीज को नयी तकनीक से इलाज किया। इंडोस्कोपी के माध्यम से पेट में रूकावट वाले स्थान के उपर एक मेटल स्टेंट डालकर मरीज का सफल ऑपरेशन किया गया। 20 मिनट के अंदर मरीज के पेट के भीतर जो रूकावट थी, इसे खोल दिया गया। अब मरीज बड़े ही आराम से मुंह से खाना खा सकती है और कैंसर का इलाज भी आगे आसानी से करवा सकती है। डॉ ने कहा कि हॉस्पिटल में पहली बार में इस तरह का ऑपरेशन इंडोस्कोप से किया गया है। इस तकनीक के इस्तेमाल से कैंसर के मरीजों को अच्छे से इलाज करवाने में मदद मिलेगी। मरीज अच्छे तरीके से खाना खाकर अपना जीवन बिता सकती है। पारस हॉस्पिटल के मार्केटिंग हेड ने कहा कि हॉस्पिटल में मरीज के इलाज की विश्वस्तरीय सुविधा उपलब्ध है। यहां केंद्र सरकार स्वास्थ्य योजना के तहत मरीजों का इलाज किया जा रहा है।

## आइआइटी धनबाद के 99वें स्थापना दिवस समारोह में बोले राज्यपाल

# स्टूडेंट्स समाज और राष्ट्र की सेवा में अपना योगदान सुनिश्चित करें

**खबर मन्त्र ब्यूरो**

**रांची।** राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने आईआईटी (आईएसएम), धनबाद के 99वें स्थापना दिवस समारोह को सोमवार को संबोधित किया। कहा कि यह संस्थान न केवल शिक्षा का केंद्र है, बल्कि यह एक ऐसी परंपरा का प्रतीक है, जिसने ज्ञान, नवाचार और राष्ट्रीय सेवा के मूल्यों को साकार किया है। उन्होंने संस्थान के गौरवशाली इतिहास का उल्लेख करते हुए कहा कि इसकी स्थापना 1926 में खनन और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में क्रांति लाने के उद्देश्य से की गई थी। यह संस्थान देश के शैक्षिक एवं औद्योगिक विकास का दर्पण है और आज यह अपनी विशिष्ट पहचान बना चुका है। आज जब हमारा देश प्रधानमंत्री के नेतृत्व में विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में तेजी से अग्रसर है, तो आईआईटी (आईएसएम) जैसे संस्थानों की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। यहां से पढ़े विद्यार्थियों ने न केवल शैक्षिक उपलब्धियां हासिल की हैं, बल्कि समाज और राष्ट्र के निर्माण में भी अपना अमूल्य योगदान दिया है।

राज्यपाल ने संस्थान के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि आईआईटी (आईएसएम) केवल तकनीकी और अकादमिक सफलता की कहानी नहीं है, बल्कि यह नवाचार, उद्यमशीलता और सामाजिक बदलाव की प्रेरणा भी है।

राज्यपाल ने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे अपनी शिक्षा का उपयोग केवल व्यक्तिगत सफलता तक सीमित न रखें और समाज और राष्ट्र की सेवा में अपना योगदान सुनिश्चित करें। विद्यार्थियों से कहा कि आपका दायित्व है कि आप सामाजिक समस्याओं को समझें और उनके समाधान के लिए कार्य करें। एक विकसित भारत तभी संभव होगा, जब हम सभी अपनी जिम्मेदारियों को पूरी निष्ठा से निभाएँ। राज्यपाल ने संपूर्ण आईआईटी (आईएसएम), धनबाद परिवार को स्थापना दिवस की बधाई दी और आशा व्यक्त की कि यह संस्थान अपने ज्ञान, नवाचार और सेवा की परंपरा को जारी रखते हुए विकसित भारत@2047 के लक्ष्य प्राप्ति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि आईआईटी (आईएसएम), धनबाद अपने आगामी वर्षों में और भी उत्कृष्टता को प्राप्त करने की ओर सक्रियता से अग्रसर होगा और वैश्विक स्तर पर अपने योगदान से विश्व में अपनी विशिष्ट पहचान बनाएगा। राज्यपाल द्वारा मौके अवसर पर संस्थान का डिजिटल कैलेंडर भी लॉन्च किया गया।

# शिक्षा के साथ अनुभव का संगम-सरला बिरला पब्लिक स्कूल में एक्सपीरियंशियल लर्निंग प्रोग्राम आयोजित

**खबर मन्त्र संवाददाता**

**रांची।** बच्चों के समग्र विकास और पढ़ाई को व्यवहार से जोड़ने के लिए स्कूल ने प्री-प्राइमरी के बच्चों के लिए सोमवार को एक्सपीरियंशियल लर्निंग प्रोग्राम का आयोजन किया। बच्चों ने कई खेलों और गतिविधियों में भाग लिया जिससे उनकी सोचने की क्षमता, रचनात्मकता और टीम के साथ काम करने के गुणों को बढ़ावा मिला। छोटे बच्चों ने संगीत की धुनों पर नाचते हुए माहौल को खुशियों से भर दिया। उन्होंने अपने दोस्तों के साथ समूह में भोजन किया, जिससे उन्हें शिष्टाचार और बांटने की आदत सीखी। छात्र अपनी पाठ्यपुस्तकों से परे दुनिया की खोज करते हुए बहुत उत्साहित थे। प्राचार्या परमजीत कौर ने कहा कि ऐसी यात्राएँ बच्चों को व्यावहारिक शिक्षा का महत्व सिखाती हैं और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए मददगार होती हैं। यह उनके समग्र विकास के लिए अभिन्न अंग है जिसे एनईपी 2020 और एनसीएफ 2023 में भी बढ़ावा दिया गया है।

## डीएवी स्पोर्ट्स के विजेता सम्मानित

**रांची।** नीरजा सहाय डीएवी के विद्यार्थियों ने डीएवी स्पोर्ट्स में राष्ट्रीय स्तर पर आश्चर्यजनक जीत हासिल की। डीएवी स्पोर्ट्स राष्ट्रीय स्तर प्रतियोगिताओं में वुशू, कराटे, कुश्ती एवं वालीबॉल खेलों का आयोजन दिल्ली, नोएडा एवं गुड़गाँव में हुआ। इनमें अंडर 14, अंडर 17 एवं अंडर 19 आयु वर्ग में विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस आयोजन में नीरजा सहाय के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए 6 स्वर्ण, 3 रजत और 14 कांस्य पदक प्राप्त किया । प्राचार्या किरण यादव ने आज असेंबली में उन सभी सम्मानित किया तथा विजेताओं, उनके अभिभावकों एवं समस्त विद्यालय परिवार को बधाई देते हुए कहा कि सभी खिलाड़ियों ने अनुशासन में रहकर प्रतियोगिता में जीत प्राप्त की है और आगे भी इसी तरह की जीत हासिल करने का आशीर्वाद दिया।

# झारखंड स्कॉय टीम ने राष्ट्रीय स्तर पर बनायी पहचान, 02 महिला खिलाड़ियों ने जीते कांस्य पदक

**खबर मन्त्र संवाददाता**

**रांची।** झारखंड स्कॉय टीम ने 07 से 09 दिसंबर 2024 तक आयोजित 25वीं कैडेट, सब-जूनियर एवं जूनियर स्कॉय राष्ट्रीय चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए 02 कांस्य पदक अपने नाम किए। विदित हो कि झारखंड के पदक विजेता खिलाड़ी पहली बार राष्ट्रीय स्कॉय प्रतियोगिता में भाग लिए थे। पूर्वी सिंहभूम की चुमकी मुर्मू ने कैडेट कैटेगरी के अंडर 30 किलो भार वर्ग में और सिमडेगा की एलिन डांग ने सब-जूनियर कैटेगरी के अंडर 37 किलो भार वर्ग में कांस्य पदक जीतकर झारखंड को गौरवान्वित किया। ये दोनों खिलाड़ी झारखंड के सुदूर ग्रामीण इलाकों से निकलकर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने में सफल रहीं।

झारखंड स्कॉय टीम की इस सफलता पर स्कॉय एसोसिएशन ऑफ झारखंड के डॉ. राजेश गुप्ता, वेदांत कौस्तव, नीतीश सिंह, लाल मनीष नाथ शाहदेव, परवाज खान, मो. आमिर, रफिया नाज, रोहित यादव, नीरज वर्मा, ज्योत्सना केरकेप्ता, कीर्ति कुमार, अभिषेक झा, अंशुतोष कुमार, प्रशांत पाठक, और अभिषेक शुक्ला समेत कई पदाधिकारियों ने खिलाड़ियों को बधाई दी। वेदांत कौस्तव ने कहा, चुमकी और एलिन की इस उपलब्धि से राज्य के अन्य खिलाड़ियों को प्रेरणा मिलेगी। यह झारखंड की प्रतिभाओं का प्रमाण है, जिन्होंने अपने कठिन परिश्रम और लगन से राष्ट्रीय स्तर पर अपनी छाप छोड़ी है। झारखंड स्कॉय टीम के सभी खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों ने इस सफलता को टीम वर्क और लगातार प्रयास का परिणाम बताया। स्कॉय एसोसिएशन ऑफ झारखंड ने भविष्य में राज्य के खिलाड़ियों को और बेहतर मंच देने का संकल्प लिया है।

# साहित्यकार एवं कवयित्री डॉ सुरिन्दर कौर नीलम की दो पुस्तकों का लोकार्पण

**खबर मन्त्र संवाददाता**

**रांची।** गुरु नानक हायर सेकेंडरी स्कूल पी पी कंपाउंड के सभागार में साहित्यकार एवं कवयित्री डॉ सुरिन्दर कौर नीलम की दो पुस्तकों का लोकार्पण समारोह संपन्न हुआ। दीप प्रज्वलन के साथ रेणु झा रेणुका के मंत्रोच्चार से कार्यक्रम की शुरूआत हुई। संगीता सहाय अनुभूति ने अतिथियों का स्वागत किया। गीत संग्रह 'कल -कल रागिनी' और काव्य संग्रह 'तुम आओगे न..?' पुस्तकों के लोकार्पण समारोह की अध्यक्षता सुप्रसिद्ध साहित्यकार डॉ हरेराम त्रिपाठी चेतन' द्वारा किया गया। उन्होंने कहा कि 'मैं डॉ नीलम की साहित्यिक यात्रा के संघर्ष का साक्षी रहा हूं। इनकी कलम निरंतर क्रियाशील रही है। रचनाओं के विषय की विविधता आकर्षित करती है।' मुख्य वक्ता के रूप में वरिष्ठ साहित्यकार अशोक प्रियदर्शी की मंच पर उपस्थिति रही। मंच की शोभा सुप्रसिद्ध, वरिष्ठ साहित्यकार डॉ माया प्रसाद, प्रसिद्ध वक्ता विद्वान निरंजन प्रसाद श्रीवास्तव, मशहूर शायर एवं वक्ता नसीर अफसर ने बढ़ायी। इस अवसर पर चरणजीत कौर, कमल बोस, नीरज नीर, सदानंद सिंह यादव, सूरज श्रीवास्तव, गुरुकमल सिंह, गुरविंदर सिंह सेठी, परमजीत सिंह, टिंकू, मिल्कियत सिंह, यशदीप सिंह, सुभाष सहाय, रंगोली सिन्हा, अंकिता सिंह, बिम्मी प्रसाद, रिम्मी वर्मा, सीमा सिन्हा, बर्षा ऋतुराज, प्रतिभा सिंह, राजा सिंह सुनीता श्रीवास्तव, मनीषा सहाय, नीता शेखर, सीमा सिंहा मैत्री, सुनीता अग्रवाल सुमिता सिंहा एवं महिला चंद्रिका देशदीप, निहाल सरावगी, कविता रानी, विभा वर्मा वाची आदि काव्य मंच की सभी रचनाकारों की गरिमामय उपस्थिति रही।

डॉ सुरिन्दर कौर नीलम ने अपने वक्तव्य में कहा, 'मंच पर आसीन रांची के साहित्यकारों ने मेरी लेखनी का बचपन देखा है, और आज सभी मुझे आशीर्वाद देने के लिए उपस्थित हैं। ये मेरा सौभाग्य है।' इस अवसर पर नन्हीं मायरा कौर ने लोकार्पित पुस्तक से कविता प्रस्तुत किया। इस कार्यक्रम का संचालन सीमा चंद्रिका तिवारी ने और धन्यवाद ज्ञापन रेणु झा रेणुका ने किया।

# कवयित्री रिंकू बनर्जी मधु साहित्योदय साहित्य रत्न सम्मान से सम्मानित

**रांची।** अंतरराष्ट्रीय साहित्य कला संस्कृति न्यास साहित्योदय द्वारा आयोजित दो दिवसीय शिवायन अंतरराष्ट्रीय साहित्य महोत्सव का समापन हरिद्वार में हुआ। इस सम्मेलन में देश और विदेश से आए प्रबुद्ध कवि एवं कवयित्रियों के काव्य गंगा प्रवाह से संपन्न हुआ। साहित्योदय के संस्थापक अध्यक्ष पंकज प्रियम, संगरक्षक प. बुद्धिनाथ मिश्र, आचार्य देवेंद्र देव, उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री भगत सिंह कोश्यारी, एवरेस्ट विजेता पद्मश्री संतोष यादव सहित अनेक प्रबुद्ध व्यक्तियों की उपस्थिति में रिंकू बनर्जी को साहित्योदय साहित्य रत्न सम्मान प्रदान किया गया।

## नवगठित कानूनी सेवा यूनिट का दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरूआत

# मानसिक रूप से बीमार व्यक्तियों को सहायता पहुंचाना ही प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य : न्यायायुक्त दिवाकर पांडे

**खबर मन्त्र संवाददाता**

**रांची।** झालसा के निर्देश पर नालसा के द्वारा नवसंचालित-मानसिक बीमारी और बौद्धिक अक्षमता वाले व्यक्तियों के लिए कानूनी सेवाएं योजना के अंतर्गत नवगठित कानूनी सेवा यूनिट के सदस्यों के लिए दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरूआत सोमवार को की गई।

इस मौके पर न्यायायुक्त दिवाकर पांडेय ने कहा कि मनोनयन कार्यक्रम वैसे लोगों को न्याय और सहायता प्रदान करना है, जो मानसिक रूप से विक्षिप्त है। माननीय नालसा द्वारा संचालित इस कार्यक्रम का उद्देश्य मानसिक रूप से बीमारी और बौद्धिक अक्षमता वाले व्यक्तियों को कानूनी सेवा प्रदान करना तथा उन्हें समुचित सहायता पहुचाना है।

अतिरिक्त प्रधान न्यायाधीश -2 अतिरिक्त कुटुम्ब न्यायालय राजेश कुमार सिंह ने उपस्थित सभी सदस्यों से मुखाबित हुए तथा उन्हें मानसिक बीमारी और बौद्धिक अक्षमता वाले व्यक्तियों के लिए कानूनी सेवाएं योजना सहित बच्चों से संबंधित विभिन्न कानूनी पहलुओं पर अपना मंतव्य रखा तथा प्रावधान के संबंध में विस्तार पूर्वक बताया। इस मौके पर चतुर्थ सत्र में एलएडीसीएस चीफ प्रवीण कुमार श्रीवास्तवा, पैनल अधिवक्ता नित्यानंद सिंह ने मानसिक बीमारी वाले व्यक्तियों और बौद्धिक विकलांगता वाले व्यक्तियों को कानूनी सेवाओं का प्रावधान, मानसिक स्वास्थ्य प्रतिष्ठानों में कानूनी सेवाएं, पुलिस स्टेशनों पर कानूनी सेवाएं, विशेष अदालतों सहित न्यायालयों में कानूनी सेवाएं, व रेलवे स्टेशनों, बस स्टैंड, मेट्रो स्टेशनों आदि पर मिलने वाली कानूनी सेवाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

# रेड सी इंटरनेशनल स्कूल के छात्रों ने किया शैक्षणिक दौरा, सीखा बिस्किट और चॉकलेट बनाने का विज्ञान

**खबर मन्त्र संवाददाता**

**रांची।** रेड सी इंटरनेशनल स्कूल आजाद बस्ती के सीनियर सेक्शन के छात्रों ने सोमवार को शैक्षणिक दौरे के तहत एसएए विष्णु बेकर्स प्राइवेट लिमिटेड, खूंटी रोड का दौरा किया। इस दौरे का उद्देश्य छात्रों को इंडस्ट्रियल प्रोसेस/औद्योगिक प्रक्रियाओं और प्रोडक्शन /उत्पाद निर्माण से संबंधित प्रैक्टिकल/व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करना था। छात्रों ने बिस्किट और चॉकलेट बनाने की प्रक्रिया को करीब से देखा और समझा। उन्हें सामग्री के सही माप और मिश्रण से लेकर उत्पाद के पैकेजिंग तक के स्टेज का नॉलेज दिया गया। फैक्ट्री में छात्रों ने पार्ले द्वारा निर्मित टॉफी, बिस्किट, कुकीज और अन्य उत्पादों की निर्माण प्रक्रिया का जायजा लिए और समझा । यह प्रैक्टिकल अनुभव न केवल उनके लिए सिखने के काबिल था, बल्कि औद्योगिक कार्यप्रणाली को समझने का एक नायब अवसर भी प्रदान करता है। शैक्षणिक दौरे के बाद, छात्रों ने 10 माइल के प्राकृतिक क्षेत्र का दौरा कराया गया। छात्रों ने प्राकृतिक दृश्यों का खूब आनंद लिया। उन्होंने पहाड़ियों से धुर्वा स्टेडियम का मनमोहक दृश्य देखा, जिसने उन्हें प्रकृति और उसके सुंदरता से और भी लगाओ हुआ। स्कूल की प्रिंसिपल सोनी सितारा केरकेप्ता ने बताया हमारे छात्रों को यह अनुभव उनके करिकूलम से जोड़ने में मददगार रहा। इस तरह की शैक्षणिक यात्राएँ छात्रों को कक्षा के बाहर सीखने का अवसर प्रदान करती हैं और उनके डेवलपमेंट में सहायक होती हैं। मौके पर प्रबंधन प्रभारी सना अनाम, और एक्टिविटी इंचार्ज सादिया नईम, किरण कुमारी, शाजरा नसिम, सुहाना निशा और मिधात फातिमा उपस्थित रहीं।

# प्रकृति के प्रकोप से बचने को खलिहान पूजा की गयी

खबर मन्त्र संवाददाता

खलिहान पूजा कराते पहान व उपस्थित लोग।

**ओरमांझी।** बेमौसम वर्षा से प्रखंड क्षेत्र किसानों के खेत व खलिहान में रखे धान की फसल की नुकसान होने की संभावना है। ऐसे में अपने तैयार के फसलों को बचाने के लिए पहनों द्वारा खलिहान पूजा की जा रही है। पहानटोली इरबा में सोमवार को गांव के पहान कासीनाथ पाहन द्वारा मुर्गे के बलि देकर विधिवत खलिहान पूजा कराई गई। वहीं पूर्वजों के समय से चली आ रही परंपरा व अपने फसलों की रक्षा के लिए की जानी वाली पूजा की कहानी बताया। कहा बेमौसम वर्षा होने से किसानों सालभर का मेहनत व पुंजी बर्बाद हो सकती है। फसलों को प्रकृति के प्रकोप से बचाने के लिए काफी समय से अगहन माह खलिहान पूजा करने की परंपरा रही है। इससे तैयार फसल की सुरक्षा व किसान अन्न-धन से परिपूर्ण होगें। वहीं चकला में भी खलिहान पूजा किया गया। पूजा कराने वाले पाहन दीलरंज पाहन ने बताया खलिहान देवता व भगवान इंद्र की कृपा किसानों में बना रहे और किसानों की फसलों को प्रकृति प्रकोप से रक्षा हो इसके लिए खलिहान पूजा किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित पूर्व पंसस इम्तियाज ओहदार ने कहा क्षेत्र के ज्यादातर छोटे किसान हैं। काफी मेहनत से फसल तैयार किए हैं। फसल भी अच्छी हुई है। अब इसे घर में नही ले जा सकेगें, तो किसानों को काफी निराशा होगी। इसी लिए, खलिहान पूजा किया गया। पूजा के बाद पहान द्वारा उपस्थित सभी लोगों में धान बाईल वितरण कर अपने-अपने घरों में रखने के लिए कहा गया। मौके पर पूर्व पंसस इम्तियाज ओहदार, ग्राम प्रधान रमेष उरांव, पूर्व मुखिया विनिता कुजूर, अलखनाथ महतो, युगल पाहन, राजेष पाहन, रूपचंद पाहन, कारीनाथ पाहन, जगदेव मुंडा, सोमरा मुंडा, ईश्वर अंसारी, तौहिद आलम, जगत पाहन, बिरसा पाहन, अनिल मुंडा, मंगरा मुंडा, सहित कई लोग उपस्थित थें।

# बेड़ो में प्री बोर्ड की परीक्षा अव्यवस्था की भेंट चढ़ा

खबर मन्त्र संवाददाता

**बेड़ो।** बेड़ो प्रखंड मुख्यालय स्थित एस एस प्लस टू उच्च विद्यालय में प्री बोर्ड परीक्षा सोमवार को परीक्षा के पहले दिन अव्यवस्था की भेंट चढ़ गया। वहीं घंटों इंतजार करने के बाद छात्रों को प्रश्न पत्र मिला लेकिन उत्तर लिखने के लिए पेपर नहीं मिला। स्कूल में मौजूद प्रश्न-पत्रों के चलते शिक्षक एवं बच्चों को काफी कठिनाईयों का सामना करना पड़ा। जबकि प्लस टू घोषित परीक्षा कार्यक्रम के कारण छात्र निर्धारित समय पर तैयारी करके पहुंच गए थे। परीक्षा शुरू होने का समय पौने दस बजे से निर्धारित किया गया था। शिक्षकों ने व्यवस्थित ढंग से परीक्षार्थियों को बैठाया। जहां प्लस टू स्कूल में शुरू हुई प्री बोर्ड परीक्षा के प्रथम पाली में 12वीं के विज्ञान संकाय ने भौतिक, वाणिज्य में एकाउंट और कला में भूगोल की परीक्षा 3 घंटा विलंब से शुरू हुई। स्थिति यह रही कि परीक्षा शुरू होने के काफी देर बाद भी स्कूलों पर प्रश्न-पत्र उपलब्ध नहीं हो सका। वहीं छात्रों को उत्तर लिखने के लिए कॉपी नहीं मिलने पर छात्रों को अपने कॉपी से पेज निकालकर परीक्षा देना पड़ा। साथ ही विभाग के द्वारा एच एम व्हाट्सएप पर रविवार की शाम करीब छह बजे प्रश्न-पत्र भेजा गया था। इस संबंध में जब स्कूल की प्रधानाध्यापिका हेनरीता मिंज से पूछा गया तो उन्होंने परीक्षा के दौरान अव्यवस्था की बात स्वीकार किया। उन्होंने कहा कि विभाग के द्वारा उन्हें रविवार की शाम में छह बजे व्हाट्सएप के द्वारा प्रश्न पत्र मिला। वहीं सोमवार को बिजली नहीं रहने के कारण प्रश्न पत्र का प्रिंट समय से नहीं हो पाया। जिसके कारण परीक्षा विलंब से शुरू हुआ। उन्होंने कहा कि प्रथम दिन होने के कारण कुछ परेशानी हुई है। कल से व्यवस्था सुव्यवस्थित हो जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि मैंने इसकी सूचना विभागीय अधिकारियों को दे दिया है। वहीं छात्रों का कहना है कि निर्धारित समय में परीक्षा नहीं होने से उन्हें परेशानियों का समाना करना पड़ रहा है। अभिभावकों का कहना है किपरीक्षा के दौरान भारी अव्यवस्था होने की बात एक चिंतनीय विषय है। इन्हीं कारणों के चलते सरकारी स्कूलों की छवि प्रभावित हो रही है।

## एक नजर में

### जमीनी विवाद को लेकर 6 के खिलाफ प्राथमिकी

**चान्हो।** थाना क्षेत्र के सिटी मोड़ में रविवार को एक जमीन के टुकड़े को लेकर हुए हंगामा के बाद सोमवार को राजेश कुमार शाही उर्फ पप्पू की पत्नी मिनी साही के द्वारा 6 नामजद और करीब सौ अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी के लिए आवेदन दी गई है। मिनी शाही ने अपने आवेदन मे सामूहिक भीड़ द्वारा घर में तोड़फोड़ करने और संपति का नुकसान करने का आरोप लगाई है। वहीं इसी मामले में रविवार को भीड़ द्वारा चोटिल हुए थाना प्रभारी के कारण चान्हो पुलिस ने भी 15 नामजद और तीन-चार सौ अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। इससे पहले सीटी गांव के रहने वाले बसंत भगत के भाई रामजीत भगत ने पिपराटोली निवासी पप्पू शाही और दो अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई थी। वहीं दूसरी ओर सोमवार को मामले की जांच करने चान्हो सीओ संजीव कुमार भी पहुंचे। उन्होंने उस भूखंड की भी जांच की जिसके कारण विवाद हुआ था। वहीं मार पिट मे घायल बसंत भगत की हालत गंभीर बताई जा रही है। जिसका इलाज निजी अस्पताल मे कराया जा रहा है।

### ओरमांझी के सेवानिवृत शिक्षक का निधन

**ओरमांझी।** प्रखंड क्षेत्र के हुटुप निवासी सेवानिवृति शिक्षक व सनराइज कालेज ऑफ नर्सिंग के निदेशक युधिष्ठीर महतो के पिता बाबूराम महतो 75 वर्ष का निधन सोमवार को हो गई। युधिष्ठीर महतो ने बताया वे बीआईटी मध्य विद्यालय से सेवानिवृत हुए थें, और पिछले कुछ दिनों से अस्वस्थ्य थें। शिक्षक के निधन पर राज्यसभा सांसद आदित्य साहू, विधायक राजेश कच्छप, पूर्व सांसद रामटहल चैधरी, प्रमुख अनुपमा देवी, उपप्रमुख रिजवान अंसारी, कालेज के प्रबंध निदेशक सविता मेहता, उमेश महतो, उदयकिरन चैधरी, विकास कुमार, सुरेंद्र महतो, आकाश चैधरी, बलदेव गोप, उदय सिंह सहित कई लोगो द्वारा दुख जताया गया है।

### सोसल मीडिया में तस्वीर वायरल कर छवि धूमिल की, मामला दर्ज

**नामकुम।** थानाक्षेत्र के महुवाटोली के रहनेवाले चन्दन चैधरी ने खलारी जेहलीटाडं के रहनेवाले सूरज प्रजापति पर सोसल मीडिया में प्रियंका कुमारी बदला हुआ नाम और चन्दन चैधरी का फोटो बनाकर पति पत्नी दर्शाने का आरोप लगाते हुए प्राथमिकी दर्ज करायी है। थाने में दिए आवेदन में चन्दन ने बताया है कि सूरज ने अपने मोबाईल से उन दोनो की साथ में तस्वीर बनाकर पति पत्नी बताते हुए वायरल कर दिया है जिससे उसकी प्रतिष्ठा धूमिल हो रही है और वह मानसिक तनाव से गुजर रहा है। चन्दन ने बताया है कि इस काम में राय खलारी के सुरेन्द्र प्रजापति और अनिरूद्य प्रजापति भी शामिल है। सुरेन्द्र ने प्रियंका के मोबाईल पर फोन करके उसे गाली गलौज भी किया है। मामले में थानेदार ब्रहमदेव प्रसाद ने बताया कि पुलिस ने चन्दन के आवेदन पर मामला दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

### खलारी में जल संरक्षण से संबंधित योजनाओं के क्रियान्वयन को लेकर दिया गया प्रशिक्षण

**खलारी।** प्रखण्ड खलारी सभागार में महात्मा गाँधी नरेगा अन्तर्गत प्राकृतिक संसाधन का प्रबंधन (एनआरएम) के निमित जल संरक्षण से संबंधित योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु एकदिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रखण्ड विकास पदाधिकारी संतोष कुमार व संचालन प्रखण्ड कार्यक्रम पदाधिकारी विनय कुमार ने किया। मनरेगा के माध्यम से जल संरक्षण सम्बंधित योजनाओं के बारे में जानकारी देने के लिए जिला कोऑर्डिनेटर मौजूद थे। कार्यक्रम में 14 पंचायत के मुखिया व पंचायत सेवक,रोजगार सेवक, कनीय अभियंता, अथवा मनरेगा मेठ मौजूद थे। कार्यक्रम में मुखिया पुतुल देवी, मुखिया पुष्पा खलखो, मलका मुंडा, रोजगार सेवक लालमोहन राम, विश्वरंजन कुमार सहित अन्य प्रखण्ड पदाधिकारी मौजूद थे।

### 'पोषित बचपन अभियान' के तहत कैंप लगाकर पोषण आहार का किया गया वितरण

**सिल्ली/मुरी।** सिल्ली प्रखंड अंतर्गत सोमवार को बड़ामुरी पंचायत में 'पोषित बचपन अभियान' के तहत दूसरा फॉलोअप आयोजित किया गया। इस दौरान मुरी पंचायत के 25 कुपोषित बच्चों का वजन और लंबाई मापी गई। साथ ही, उनके पोषण में सुधार के उद्देश्य से पोषण किट का वितरण किया गया।कार्यक्रम के दौरान पोषण वाटिका का उद्घाटन भी किया गया, जिसका उद्देश्य रसोई उद्यान (किचन गार्डन) को बढ़ावा देना है। इसके तहत उपस्थित परिवारों को विभिन्न प्रकार के बीज वितरित किए गए ताकि वे अपने घरों में पोषण वाटिका स्थापित कर सकें और संतुलित आहार सुनिश्चित कर सकें।यह पहल बच्चों के पोषण स्तर को सुधारने और स्वस्थ जीवनशैली को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। स्थानीय समुदाय ने इस कार्यक्रम को लेकर उत्साहपूर्वक भागीदारी दिखाई।

### पिकअप वैन से टकरायी बाइक, आरटीसी स्कूल के छात्र की मौत, दो साथी घायल

**अनगड़ा।** गोन्दली पोखर विकास सड़क पर सोमवार की सुबह लगभग सात बजे अनगड़ा थाना क्षेत्र के सालहन गांव के पास हुई सड़क दुर्घटना में रोहित महतो उम्र 15 वर्ष पिता महेश महतो नामक किशोर की घटना स्थल पर ही मौत हो गई जबकि दो लड़के गम्भीर रूप से जख्मी हो गए। मृतक किशोर आरटीसी पब्लिक स्कूल अनगड़ा का दसवीं कक्षा का छात्र था। वह बेड़वारी झटनी टूंगरी गांव का रहने वाला था। घटना के सम्बंध में बताया गया कि बाईक संख्यां JH01DM में मृतक सहित तीनो लड़के सवार होकर साल्हन मैदान पतरा टाड़ से वापस लौट रहे थे। इसी बीच विपरीत दिशा से आ रही एक पिकप मैक्स वैन JH01M2725 ने तीनों को अपने चपेट में ले लिया। जिससे किशोर रोहित महतो की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। जबकि अन्य दो लड़के गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनो घायलों को ईलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतू रिम्स भेज दिया। वहीं इस दर्दनाक घटना से गुस्साये ग्रामीणों ने नराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि सड़क काफी संक्रीण है और कई जगहों पर तीखे मोड़ भी हैं। जिसके कारण आये दिन इस प्रकार की दूर्घटना होने की संभावना बनी रहती है। बताया गया कि इस सड़क का चौड़ीकरण के लिए सर्वे हो चुका है। परन्तु अब तक चौड़ीकरण का कार्य शुरू नहीं किया गया है। ग्रामीणों ने मांग की है संबंधित विभाग संज्ञान में लेकर यथाशीघ्र सड़क चौड़ीकरण का काम शुरू करे।

### वृद्ध महिला के साथ छेडखानी, मामला दर्ज

**नामकुम।** थनाक्षेत्र के जोरार में 65 वर्षीय वृद्धा के साथ छेडखानी करने का मामला प्रकाश में आया है। मामले में वृद्धा के दामाद अशोक कुमार साव ने मरियम कोचा के रहने वाले क्लाम साकिम पर वृद्धा से छेडखानी करने का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज कराया है। थाने में दिए आवेदन में अशोक ने बताया है कि वह अपनी पत्नी के साथ अनगडा में रहता है। उसकी सास गांगी देवी 65 वर्ष जोरार में अकेले रहती है। गत तीन दिसंबर को अशोक की मौसी का बेटा दिलीप ने उसे फोन कर कहा कि आपकी सास बहुत हडियां पी रखी है। आप लोग आकर उसे यहां से ले जाईए। हडिंया पीने के दौरान किसी युवक ने उनके साथ छेडखानी भी की है। जिसके बाद वे लोग छह दिसंबर को जोरार पहुंचे और पुछताछ की तो उनकी सास ने बताया कि उनके साथ प्रदीप पाहन के किराएदार कलाम सकिम ने छेडखानी की थी। अशोक ने पुलिस को बताया कि गांगी पढी लिखी नही है इसलिए उसकी ओर से वह आवेदन दे रहा है। थानेदर ब्रहमदेव प्रसाद ने बताया कि मामले में पुलिस ने अशोक के ब्यान पर मामला दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

# केडीएच परियोजना की खान सुरक्षा की खुली पोल
# हॉलपेक वाहन से गिरकर मैकेनिक घायल

▸▸ खान सुरक्षा का नियम कानून की होती है अहवेलना

खबर मन्त्र संवाददाता

**खास बातें :** बीती रात्रि केडीएच कारगिल पिट ऑफिस के पास दुर्घटना के मद्देनजर रात्रि पाली में सीसीएल के तरफ से शिफ्ट बोलेरो वाहन होनी चाहिए। लेकिन घटना के समय शिफ्ट वाहन नही थी। खान सुरक्षा के नियम के अनुसार प्रत्येक पिट ऑफिस के पास एक एम्बुलेंस,चिकित्सक मेडिकल किट होना अतिआवश्यक है। इन मुद्दों पर सीसीएल एनके प्रबंधन से यूनियन नेताओ व मजदूरों ने कई बार मांग किया है। लेकिन प्रबंधन आश्वासन के अलावे और कुछ नही करती।

**खलारी।** केडीएच परियोजना का खान सुरक्षा सप्ताह एक दिखावा अथवा रंगारंग कार्यकम के अलावे और कुछ नही यह सच साबित हुआ। क्योंकि केडीएच परियोजना में ऑटो इलेक्ट्रिशियन पद पर कार्यरत प्रकाश मोहंती हॉलपेक वाहन से गिरकर घायल हो गए। घटना बीती रात्रि पाली 10:25 बजे की बताया जाता है। जानकरी के अनुसार केडीएच परियोजना के पिट ऑफिस में कार्यरत ऑटो इलेक्ट्रिशियन एक हॉलपेक में कार्य करने के लिए चढ़े थे। हॉलपेक का कार्य खत्म होने के बाद उतरने के क्रम में हॉलपेक मशीन से नीचे गिर गए। बताया जाता है कि जिस हॉलपेक का कार्य करने गए थे। उस हॉलपेक का चढ़ने व उतरने की सीढ़ी आधी टूटी हुई थी। जिसके कारण ऑटो इलेक्ट्रिशियन का पैर फिसल कर सीधे जमीन पर गिर गए। जिससे मैकेनिक को गंभीर चोट लगी। पिट ऑफिस में कार्यरत अन्य कर्मचारियों ने आनन फानन में निजी वाहन से डकरा हॉस्पिटल लाया गया। जिसके बाद चिकित्सकों के अनुसार सीसीएल कर्मी को कंधे में गंभीर चोट बतायी गयी। सेंट्रल अस्पताल से सीसीएल कर्मी को बेहतर इलाज के लिए चिकित्सकों ने राँची गांधी नगर

# 100 मीटर फरार्टा दौड़ में सुदेश को स्वर्ण और 200 मीटर में अंश ने जीता स्वर्ण

**सिकिदिरी।** जनकल्याण समर्पण संस्थान सिकिदिरी महोत्सव में सोमवार को फुटबॉल के क्वार्टर फाइनल के पेनाल्टी शूटआउट में जेकेएसएस एफसी ने जूनियर स्टार रांची को 3-2 से पराजीत किया और सेमी फाइनल में प्रवेश कर लिया है। मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार अनमोल तिर्की को दिया गया। 100 मीटर जूनियर बालक वर्ग में सुदेश कुमार महतो को स्वर्ण, श्रवण मुंडा को रजत और अंश महतो को कांस्य पदक मिला। वहीं 200 मीटर जूनियर बालक वर्ग में अंश महतो को स्वर्ण, संदीप मुंडा को रजत, श्रवण मुंडा को कांस्य पदक, मुख्य अतिथि जसपुरिया बीएड कॉलेज के अध्यक्ष सह भाजपा नेता जैलेंद्र कुमार ने सब्जी विजेता खिलाड़ी को पदक, ट्रॉफी सर्टिफिकेट एवं नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया। विशिष्ठ अतिथि पूर्व पंसस महेश गंझू, विधायक प्रतिनिधि अजगुत करमाली उपस्थित थे।

## झारखण्ड सरकार, गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग
## झारखण्ड आन्दोलनकारी चिन्हितीकरण आयोग।

छठी औपबंधिक सूची
जिला–राँची (पार्ट–2)

| क्र0 | आवेदनकर्त्ता की विवरणी | गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग, झारखण्ड, राँची के संकल्प संख्या–1108, दिनांक–20.04.2021 के आलोक में प्राप्त कंडिका |
|---|---|---|
| | विवरण :–चिन्हित झारखण्ड आन्दोलनकारी सुबोध कुमार लकड़ा एवं पुष्कर महतो द्वारा आयोग के माननीय सदस्य श्री नरसिंह मुर्मू के समक्ष आवेदन पर दर्ज बयान एवं पहचान के आधार पर। | |
| 66. | 1. आवेदन क्र0–24/2003<br>2. आवेदक–प्रसनी तिर्की, पिता–स्व0 मान्दू तिर्की<br>3. ग्राम–कोराम्बी, पोस्ट–कोराम्बी, थाना–मान्डर, प्रखण्ड–मान्डर<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–76 वर्ष, पहचान चिन्ह–बायीं तरफ कमर में तिल का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 67. | 1. आवेदन क्र0–24/2004<br>2. आवेदक–चमरू मिंज, पिता–बुधवा मिंज<br>3. ग्राम–कोराम्बी, पोस्ट–कोराम्बी, थाना–मान्डर, प्रखण्ड–मान्डर<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–61 वर्ष, पहचान चिन्ह–दाहिने हाथ के हथेली में जला हुआ निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 68. | 1. आवेदन क्र0–24/2005<br>2. आवेदक–बान्दे तिर्की, पिता–बीरसिंग तिर्की<br>3. ग्राम–कोराम्बी, पोस्ट–कोराम्बी, थाना–मान्डर, प्रखण्ड–मान्डर<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–66 वर्ष, पहचान चिन्ह–बायें पैर के घुटना नीचे घाव का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 69. | 1. आवेदन क्र0–24/2006<br>2. आवेदक–झिंगा तिर्की, पिता–मंगरा तिर्की<br>3. ग्राम–पतरा टोली, पोस्ट–झिंझरी, थाना–मान्डर, प्रखण्ड–मान्डर<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–69 वर्ष, पहचान चिन्ह–बायें पैर में दाग का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 70. | 1. आवेदन क्र0–24/2007<br>2. आवेदक–चारो उराँव, पिता–फगुवा उराँव<br>3. ग्राम–झिंझरी, पोस्ट–झिंझरी, थाना–मान्डर, प्रखण्ड–मान्डर<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–67 वर्ष, पहचान चिन्ह–बायें पैर के घुटना के पास घाव का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 71. | 1. आवेदन क्र0–24/2008<br>2. आवेदक–चन्दा उराँव, पिता–महादेव उराँव<br>3. ग्राम–झिंझरी, पोस्ट–झिंझरी, थाना–मान्डर, प्रखण्ड–मान्डर<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–65 वर्ष, पहचान चिन्ह–बायें पैर में घाव का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 72. | 1. आवेदन क्र0–24/2009<br>2. आवेदक–रघुवीर भगत, पिता–माघा भगत<br>3. ग्राम–गुदू टोली, पोस्ट–झिंझरी, थाना–मान्डर, प्रखण्ड–मान्डर<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–69 वर्ष, पहचान चिन्ह–बायें पैर में घाव का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 73. | 1. आवेदन क्र0–24/2010<br>2. आवेदक–इलिया मिंज, पिता–कोंगलू मिंज<br>3. ग्राम–झिंझरी, पोस्ट–कोराम्बे, थाना–मान्डर, प्रखण्ड–मान्डर<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–66 वर्ष, पहचान चिन्ह–दाहिने हाथ के बीच अंगुली टेढा | कंडिका–2(ix) |
| 74. | 1. आवेदन क्र0–24/2011<br>2. आवेदक–सोमा उराँव, पिता–स्व0 एतवा उराँव<br>3. ग्राम–टोटाम्बी, पोस्ट–टोटाम्बी, थाना–मान्डर, प्रखण्ड–मान्डर<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–68 वर्ष, पहचान चिन्ह–बायें पैर में तिल का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 75. | 1. आवेदन क्र0–24/2012<br>2. आवेदक–बीना कच्छप, पति–घुमनू उराँव<br>3. ग्राम–टोटाम्बी, पोस्ट–नगड़ा, थाना–मान्डर, प्रखण्ड–मान्डर<br>4. लिंग–महिला, आयु–64 वर्ष, पहचान चिन्ह–बायें हाथ में तिल का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 76. | 1. आवेदन क्र0–24/2013<br>2. आवेदक–रामचरवा उराँव, पिता–स्व0 लोहरा उराँव<br>3. ग्राम–टोटाम्बी, पोस्ट–नगड़ा, थाना–मान्डर, प्रखण्ड–मान्डर<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–69 वर्ष, पहचान चिन्ह–दाहिने पैर में घाव का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 77. | 1. आवेदन क्र0–24/2014<br>2. आवेदक–बिनोद उराँव, पिता–बिरसा उराँव<br>3. ग्राम–टोटाम्बी, पोस्ट–नगड़ा, थाना–मान्डर, प्रखण्ड–मान्डर<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–66 वर्ष, पहचान चिन्ह–बायें हाथ में सिक्का का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 78. | 1. आवेदन क्र0–24/2015<br>2. आवेदक–झरिया तिर्की, पति–बोदा तिर्की<br>3. ग्राम–सकरपदा, पोस्ट–कोराम्बी, थाना–मान्डर, प्रखण्ड–मान्डर<br>4. लिंग–महिला, आयु–64 वर्ष, पहचान चिन्ह–दाहिने हाथ में तिल का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 79. | 1. आवेदन क्र0–24/2016<br>2. आवेदक–जलही उराईन, पति–मंगरा उराँव<br>3. ग्राम–बसारी, पोस्ट–मुड़मा, थाना–मान्डर, प्रखण्ड–मान्डर<br>4. लिंग–महिला, आयु–48 वर्ष, पहचान चिन्ह–दाहिने कपाल में तिल एवं घाव का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 80. | 1. आवेदन क्र0–24/2017<br>2. आवेदक–बिरसी खलखो, पति–ब्रह्मदेव खलखो<br>3. ग्राम–सुरसा, पोस्ट–मुड़मा, थाना–मान्डर, प्रखण्ड–मान्डर<br>4. लिंग–महिला, आयु–64 वर्ष, पहचान चिन्ह–बायें पैर में घाव का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 81. | 1. आवेदन क्र0–24/2018<br>2. आवेदक–सौनी उराईन, पति–सका उराँव<br>3. ग्राम–सुरसा, मुड़मा, पोस्ट–मुड़मा, थाना–मान्डर, प्रखण्ड–मान्डर<br>4. लिंग–महिला, आयु–45 वर्ष, पहचान चिन्ह–बायें हाथ के रिंग फिंगर में कटे का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 82. | 1. आवेदन क्र0–24/2019<br>2. आवेदक–परबतिया टोप्पो, पति–देवनन्दन खलखो<br>3. ग्राम–कंजिया, पोस्ट–मान्डर, थाना–मान्डर, प्रखण्ड–मान्डर<br>4. लिंग–महिला, आयु–56 वर्ष, पहचान चिन्ह–बायें कलाई में घाव का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 83. | 1. आवेदन क्र0–24/2020<br>2. आवेदक–फुगनी उराईन, पिता–सोमे तिर्की<br>3. ग्राम–बंधिला पोकाटोली, पोस्ट–बुढ़ा खुखरा, थाना–मान्डर, प्रखण्ड–मान्डर<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–70 वर्ष, पहचान चिन्ह–दाहिने हाथ में टैटू का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 84. | 1. आवेदन क्र0–24/2021<br>2. आवेदक–बिरसा उराँव, पिता–स्व0 मंगरा उराँव<br>3. ग्राम–हातिंग जोन्हा टोली, पोस्ट–बिसाहाखटंगा, थाना–मान्डर, प्रखण्ड–मान्डर<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–53 वर्ष, पहचान चिन्ह–बायें पैर में घाव का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 85. | 1. आवेदन क्र0–24/2022<br>2. आवेदक–सुरज देव तिवारी, पिता–स्व0 सत्यदेव तिवारी<br>3. ग्राम–हातिंग जोन्हा टोली, पोस्ट–बिसाहाखटंगा, थाना–मान्डर, प्रखण्ड–मान्डर<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–43 वर्ष, पहचान चिन्ह–बायें आंख के नीचे तिल का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 86. | 1. आवेदन क्र0–24/2023<br>2. आवेदक–जलहा उराँव, पिता–स्व0 शिव उराँव<br>3. ग्राम–डीम्बो, पोस्ट–डीम्बो, थाना–मान्डर, प्रखण्ड–मान्डर<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–57 वर्ष, पहचान चिन्ह–बायें हाथ में सिक्का का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 87. | 1. आवेदन क्र0–24/2024<br>2. आवेदक–दिलीप उराँव, पिता–स्व0 बिरसा उराँव<br>3. ग्राम–डीम्बो, पोस्ट–डीम्बो, थाना–मान्डर, प्रखण्ड–मान्डर<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–56 वर्ष, पहचान चिन्ह–दाहिने अंगुठा में तिल का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 88. | 1. आवेदन क्र0–24/2025<br>2. आवेदक–बुधा उराँव, पिता–स्व0 बिरसा उराँव<br>3. ग्राम–डीम्बो, पोस्ट–डीम्बो, थाना–मान्डर, प्रखण्ड–मान्डर<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–51 वर्ष, पहचान चिन्ह–दाहिने बांह में घाव का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 89. | 1. आवेदन क्र0–24/2026<br>2. आवेदक–बुनी उराँव, पिता–स्व0 लेला उराँव<br>3. ग्राम–गुड़गुड़जाडी, पोस्ट–डीम्बो, थाना–मान्डर, प्रखण्ड–मान्डर<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–51 वर्ष, पहचान चिन्ह–पीठ में तिल का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 90. | 1. आवेदन क्र0–24/2027<br>2. आवेदक–मंगरा उराँव, पिता–बैने उराँव<br>3. ग्राम–गुड़गुड़जाडी, पोस्ट–डीम्बो, थाना–मान्डर, प्रखण्ड–मान्डर<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–58 वर्ष, पहचान चिन्ह–बायें हाथ के तर्जनी में घाव का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 91. | 1. आवेदन क्र0–24/2028<br>2. आवेदक–छिटु उराँव, पिता–जटाई उराँव<br>3. ग्राम–गुड़गुड़जाडी, पोस्ट–डीम्बो, थाना–मान्डर, प्रखण्ड–मान्डर<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–63 वर्ष, पहचान चिन्ह–छाती में तिल का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 92. | 1. आवेदन क्र0–24/2029<br>2. आवेदक–आनन्द उराँव, पिता–जावा उराँव<br>3. ग्राम–गुड़गुड़जाडी, पोस्ट–डीम्बो, थाना–मान्डर, प्रखण्ड–मान्डर<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–40 वर्ष, पहचान चिन्ह–दाहिने हाथ में जोनेया का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 93. | 1. आवेदन क्र0–24/2030<br>2. आवेदक–सोमा उराँव, पिता–बान्दे उराँव<br>3. ग्राम–लोधो, नवाटोली, पोस्ट–सकरा, थाना–मान्डर, प्रखण्ड–मान्डर<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–58 वर्ष, पहचान चिन्ह–दाहिने हाथ के कनिष्ट अंगुली में घाव का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 94. | 1. आवेदन क्र0–24/2031<br>2. आवेदक–बुधा उराँव, पिता–स्व0 बीगा उराँव<br>3. ग्राम–लोधो, उपरटोली, पोस्ट–सकरा, थाना–मान्डर, प्रखण्ड–मान्डर<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–51 वर्ष, पहचान चिन्ह–बायें हाथ में घाव का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 95. | 1. आवेदन क्र0–24/2032<br>2. आवेदक–बुका उराँव, पिता–स्व0 बुधवा उराँव<br>3. ग्राम–लोधो, उपरटोली, पोस्ट–सकरा, थाना–मान्डर, प्रखण्ड–मान्डर<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–61 वर्ष, पहचान चिन्ह–छाती में सफेद दाग। | कंडिका–2(ix) |
| 96. | 1. आवेदन क्र0–24/2033<br>2. आवेदक–रवीन्द्र उराँव, पिता–स्व0 मधु उराँव<br>3. ग्राम–लोधो, उपरटोली, पोस्ट–सकरा, थाना–मान्डर, प्रखण्ड–मान्डर<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–48 वर्ष, पहचान चिन्ह–चेहरे में घाव का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 97. | 1. आवेदन क्र0–24/2034<br>2. आवेदक–मानिन उराँव, पति–बुधा उराँव<br>3. ग्राम–लोधो, उपरटोली, पोस्ट–सकरा, थाना–मान्डर, प्रखण्ड–मान्डर<br>4. लिंग–महिला, आयु–43 वर्ष, पहचान चिन्ह–बायें पंजा में घाव का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 98. | 1. आवेदन क्र0–24/2035<br>2. आवेदक–जतरू उराँव, पिता–बान्दे उराँव<br>3. ग्राम–लोधो, चंपाटोली, पोस्ट–सकरा, थाना–मान्डर, प्रखण्ड–मान्डर<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–59 वर्ष, पहचान चिन्ह–कपाल में कटे का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 99. | 1. आवेदन क्र0–24/2036<br>2. आवेदक–खुशी उराँव, पति–टूना उराँव<br>3. ग्राम–चितर कोटा, छोटीटोली, पोस्ट–पाली (रातू), थाना–रातू, प्रखण्ड–रातू<br>4. लिंग–महिला, आयु–54 वर्ष, पहचान चिन्ह–बायें घुटने में घाव का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 100. | 1. आवेदन क्र0–24/2037<br>2. आवेदक–मेरी कुमारी टोप्पो, पति–स्व0 करमा कुजूर<br>3. ग्राम–लहना, पोस्ट–रातू, थाना–रातू, प्रखण्ड–रातू<br>4. लिंग–महिला, आयु–59 वर्ष, पहचान चिन्ह–दाहिने चेहरे पर काला दाग का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 101. | 1. आवेदन क्र0–24/2038<br>2. आवेदक–स्टीफन खलखो, पिता–सहदेव उराँव<br>3. ग्राम–चितरकोटा, बड़काटोली, पोस्ट–पाली, थाना–रातू, प्रखण्ड–रातू<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–40 वर्ष, पहचान चिन्ह–दाहिने गाल में तिल का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 102. | 1. आवेदन क्र0–24/2039<br>2. आवेदक–बिमला देवी, पति–मदरा उराँव<br>3. ग्राम–चितरकोटा, बड़काटोली, पोस्ट–पाली, थाना–रातू, प्रखण्ड–रातू<br>4. लिंग–महिला, आयु–59 वर्ष, पहचान चिन्ह–बायें हाथ में जोनेया का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 103. | 1. आवेदन क्र0–24/2040<br>2. आवेदक–जीवन उराँव, पिता–स्व0 गंगा उराँव<br>3. ग्राम–महुआ टोली, पोस्ट–पतरातू, थाना–चान्हो, प्रखण्ड–चान्हो<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–54 वर्ष, पहचान चिन्ह–बायें हाथ में घाव का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 104. | 1. आवेदन क्र0–24/2041<br>2. आवेदक–सोहराई उराँव, पिता–स्व0 लाला उराँव<br>3. ग्राम–महुआ टोली, पोस्ट–पतरातू, थाना–चान्हो, प्रखण्ड–चान्हो<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–57 वर्ष, पहचान चिन्ह–दायें पैर में घाव का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 105. | 1. आवेदन क्र0–24/2042<br>2. आवेदक–खदरी उराँव, पिता–स्व0 गंगा उराँव<br>3. ग्राम–महुआ टोली, पोस्ट–पतरातू, थाना–चान्हो, प्रखण्ड–चान्हो<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–65 वर्ष, पहचान चिन्ह–दायें हाथ में घाव का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 106. | 1. आवेदन क्र0–24/2043<br>2. आवेदक–मेहदी देवी, पति–जीवन उराँव<br>3. ग्राम–महुआ टोली, पोस्ट–पतरातू, थाना–चान्हो, प्रखण्ड–चान्हो<br>4. लिंग–महिला, आयु–48 वर्ष, पहचान चिन्ह–दाहिना घुटना में घाव का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 107. | 1. आवेदन क्र0–24/2044<br>2. आवेदक–सुरजी देवी उर्फ सोमरी उराईन, पति–स्व0 सनि उराँव<br>3. ग्राम–महुआ टोली, पोस्ट–पतरातू, थाना–चान्हो, प्रखण्ड–चान्हो<br>4. लिंग–महिला, आयु–51 वर्ष, पहचान चिन्ह–दायें हाथ में जला का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 108. | 1. आवेदन क्र0–24/2045<br>2. आवेदक–एतवरिया उराँव, पति–स्व0 सोमरा उराँव<br>3. ग्राम–महुआ टोली, पोस्ट–पतरातू, थाना–चान्हो, प्रखण्ड–चान्हो<br>4. लिंग–महिला, आयु–67 वर्ष, पहचान चिन्ह–दाहिने घुटना में कटे घाव का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 109. | 1. आवेदन क्र0–24/2046<br>2. आवेदक–कोईली उराँव, पति–हालगी उराँव<br>3. ग्राम–महुआ टोली, पोस्ट–पतरातू, थाना–चान्हो, प्रखण्ड–चान्हो<br>4. लिंग–महिला, आयु–48 वर्ष, पहचान चिन्ह–बायें हाथ में घाव का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 110. | 1. आवेदन क्र0–24/2047<br>2. आवेदक–सुरेश उराँव, पिता–स्व0 लिटु उराँव<br>3. ग्राम–करमटोली (बलसोकरा), पोस्ट–पन्डरी, थाना–चान्हो, प्रखण्ड–चान्हो<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–49 वर्ष, पहचान चिन्ह–बायें हाथ के बीच अंगुली में घाव जले का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 111. | 1. आवेदन क्र0–24/2048<br>2. आवेदक–रामसेवक उराँव, पिता–धर्मा उराँव<br>3. ग्राम–करमटोली (बलसोकरा), पोस्ट–पन्डरी, थाना–चान्हो, प्रखण्ड–चान्हो<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–50 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नहीं। | कंडिका–2(ix) |
| 112. | 1. आवेदन क्र0–24/2049<br>2. आवेदक–रोपाईन भगताईन, पति–होलने भगत<br>3. ग्राम–करमटोली (बलसोकरा), पोस्ट–पन्डरी, थाना–चान्हो, प्रखण्ड–चान्हो<br>4. लिंग–महिला, आयु–55 वर्ष, पहचान चिन्ह–बायें घुटना में घाव का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 113. | 1. आवेदन क्र0–24/2050<br>2. आवेदक–सनमनी मिंज, पति–सुरेश उराँव<br>3. ग्राम–करमटोली, पोस्ट–पन्डरी, थाना–चान्हो, प्रखण्ड–चान्हो<br>4. लिंग–महिला, आयु–48 वर्ष, पहचान चिन्ह–दाहिने कलाई में घाव का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 114. | 1. आवेदन क्र0–24/2051<br>2. आवेदक–प्रदीप तिर्की, पिता–स्व0 कंचन तिर्की<br>3. ग्राम–तेतरी नामकुम, पोस्ट–तेतरी, थाना–नामकुम, प्रखण्ड–नामकुम<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–46 वर्ष, पहचान चिन्ह–बायें आंख के भौं में घाव का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 115. | 1. आवेदन क्र0–24/2052<br>2. आवेदक–जुलीन केरकेट्टा, पिता–स्व0 कलादियुस केरकेट्टा<br>3. ग्राम–आनन्द नगर चौरसा टोली, पोस्ट–जी0पी0ओ0 सदर, थाना–सदर, प्रखण्ड–बोरेया<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–58 वर्ष, पहचान चिन्ह–बायें हाथ में घाव का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 116. | 1. आवेदन क्र0–24/2053<br>2. आवेदक–राजकुमार महली, पिता–स्व0 गनेश महली<br>3. ग्राम–पारी बधिया टोली, पोस्ट–ईटका टोकरा टोली, थाना–ईटकी, प्रखण्ड–ईटकी<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–50 वर्ष, पहचान चिन्ह–होंठ में तिल का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 117. | 1. आवेदन क्र0–24/2054<br>2. आवेदक–जरगा उराँव, पिता–स्व0 दुब्बो उराँव<br>3. ग्राम–कोसाकानी कुम्बाटोली, पोस्ट–बरगाड़ी, थाना–मंडर, प्रखण्ड–मंडर<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–56 वर्ष, पहचान चिन्ह–दाहिने आँख के पास घाव का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 118. | 1. आवेदन क्र0–24/2055<br>2. आवेदक–प्रतिमा तिग्गा, पिता–स्व0 चन्द्रप्रकाश तिग्गा<br>3. ग्राम–मान्डर (शिव मंदिर के पास), पोस्ट–मान्डर, थाना–मान्डर, प्रखण्ड–मान्डर<br>4. लिंग–महिला, आयु–50 वर्ष, पहचान चिन्ह–बाये पैर के घुटने में घाव का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 119. | 1. आवेदन क्र0–24/2056<br>2. आवेदक–भवनी कुजूर, पति–बुद्धदेव कुजूर<br>3. ग्राम–कोसाकानी कुम्बाटोली, पोस्ट–बरगाड़ी, थाना–मान्डर, प्रखण्ड–मान्डर<br>4. लिंग–महिला, आयु–54 वर्ष, पहचान चिन्ह–बाया आँख में तील का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 120. | 1. आवेदन क्र0–24/2057<br>2. आवेदक–प्यारी लकड़ा, पति–स्व0 लच्छु लकड़ा<br>3. ग्राम–सकरपदा, पोस्ट–कोराम्बे, थाना–मान्डर, प्रखण्ड–मान्डर<br>4. लिंग–महिला, आयु–45 वर्ष, पहचान चिन्ह–आँख के नीचे घाव का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 121. | 1. आवेदन क्र0–24/2058<br>2. आवेदक–बिनोद उराँव, पिता–स्व0 बुनी उराँव<br>3. ग्राम–गुड़गुड़जाडी, पोस्ट–डीम्बो, थाना–मान्डर, प्रखण्ड–मान्डर<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–45 वर्ष, पहचान चिन्ह–बाये हाथ में तील का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 122. | 1. आवेदन क्र0–24/2059<br>2. आवेदक–शांति देवी, पति–निर्मल भगत<br>3. ग्राम–कोसाकानी कुम्बा टोली, पोस्ट–बरगाड़ी, थाना–मान्डर, प्रखण्ड–मान्डर<br>4. लिंग–महिला, आयु–45 वर्ष, पहचान चिन्ह–बाये हाथ में तील का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 123. | 1. आवेदन क्र0–24/2060<br>2. आवेदक–बिमला देवी, पति–बुन्दा उराँव<br>3. ग्राम–कुम्हरिया, पोस्ट–कुम्हरिया, थाना–पिठौरिया, प्रखण्ड–कांके<br>4. लिंग–महिला, आयु–57 वर्ष, पहचान चिन्ह–दाहिने हाथ में तील का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 124. | 1. आवेदन क्र0–24/2061<br>2. आवेदक–अन्नु उराँव, पिता–स्व0 राम उराँव<br>3. ग्राम–कुम्हरिया, पोस्ट–कुम्हरिया, थाना–पिठौरिया, प्रखण्ड–कांके<br>4. लिंग–महिला, आयु–41 वर्ष, पहचान चिन्ह–बाये पैर में कटा का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 125. | 1. आवेदन क्र0–24/2062<br>2. आवेदक–अनिता देवी, पिता–बिगु उराँव<br>3. ग्राम–कुम्हरिया, पोस्ट–कुम्हरिया, थाना–पिठौरिया, प्रखण्ड–कांके<br>4. लिंग–महिला, आयु–47 वर्ष, पहचान चिन्ह–दाहिने अंगुली में तील का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 126. | 1. आवेदन क्र0–24/2063<br>2. आवेदक–प्रकाश मिंज, पिता–स्व0 सिकोदिन मिंज<br>3. ग्राम–[illegible], पोस्ट–बरियातु, थाना–बरियातु, प्रखण्ड–कांके<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–55 वर्ष, पहचान चिन्ह–कपाल में घाव का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 127. | 1. आवेदन क्र0–24/2064<br>2. आवेदक–पलका उराँव, पिता–स्व0 चरवा उराँव<br>3. ग्राम–डीम्बो, पोस्ट–डीम्बो, थाना–मान्डर, प्रखण्ड–मान्डर<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–64 वर्ष, पहचान चिन्ह–दाहिने हाथ में तील का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 128. | 1. आवेदन क्र0–24/2065<br>2. आवेदक–अगस्तुस नोवेल तिर्की, पिता–स्व0 आलबिनुस तिर्की<br>3. ग्राम–सोसाई भरिया टोली, पोस्ट–सोसाई आश्रम, थाना–मान्डर, प्रखण्ड–मान्डर<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–52 वर्ष, पहचान चिन्ह–दाहिने पैर में घुटने के नीचे घाव का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 129. | 1. आवेदन क्र0–24/2066<br>2. आवेदक–पंकज उराँव, पिता–नरेन्द्र उराँव<br>3. ग्राम–कटचाचो, पोस्ट–मान्डर, थाना–मान्डर, प्रखण्ड–मान्डर<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–43 वर्ष, पहचान चिन्ह–दाये हाथ में तील का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 130. | 1. आवेदन क्र0–24/2067<br>2. आवेदक–बुद्धदेव कुजूर, पिता–स्व0 लच्छु उराँव<br>3. ग्राम–कोसाकानी कुम्बा टोली, पोस्ट–बरगाड़ी, थाना–मान्डर, प्रखण्ड–मान्डर<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–64 वर्ष, पहचान चिन्ह–दाहिने कलाई में घाव का निशान। | कंडिका–2(ix) |

नोट :–
1. यह सूची पूर्णतया औपबंधिक है।
2. यह सूची आयोग के द्वारा [illegible] आवेदन पर दर्ज बयान के आधार [illegible] में प्रकाशित की गयी है।
3. इस सूची में किसी प्रकार की त्रुटि पाये जाने पर दस (10) दिनों के अन्दर आयोग को आपत्ति कर सकते हैं।
4. [illegible]

(भुवनेश्वर महतो) सदस्य | (नरसिंह मुर्मू) सदस्य | (दुर्गा उराँव) अध्यक्ष

PR 341554 Home(24-25)D

खबर मन्त्र

रांची. मंगलवार. 10 दिसंबर 2024

# अभिव्यक्ति

epaper.khabarmantra.net

## बांग्ला देश बना चुनौती

जिस प्रकार भारत में वामपंथी संगठन सनातन पर हमला करने वालों को समर्थन देते हैं, उसी प्रकार बांग्लादेश में सक्रिय कथित वामपंथी संगठन और साम्यवादी चीन भी इन कट्टरपंथियों का खुल कर समर्थन कर रहा है। पिछले दिनों बांग्लादेश में चीनी राजदूत याओ वेन ने ढाका में एक स्वागत समारोह का आयोजन किया इसमें बंगलादेश के सभी इस्लामिक संगठनों को आमंत्रित किया। इनमें अधिकांश वे थे, जिनके हिन्दुओं पर हमला करने के लिये उकसाने वाले वीडियो वायरल हो रहे हैं। इनमें एक प्रमुख नाम बांग्लादेश के जमात-ए-इस्लामी प्रमुख शफिकुर्रहमान का है। हिन्दुओं पर हो रहे हमलों को जमात-ए-इस्लामी जुड़े लोगों का हाथ भी माना जाता है। यह संगठन पाकिस्तान समर्थक है। शेख हसीना की सरकार ने इसपर बैन लगा दिया था। यूनुस सरकार ने पदभार संभालते ही जमात-ए-इस्लामी सहित मुस्लिम ब्रदरहुड जैसे उन सभी कट्टरपंथी संगठनों से प्रतिबंध हटा लिया जिनपर पिछली सरकार ने प्रतिबंध लगाया था। बांग्लादेश में चीनी राजदूत याओ वेन द्वारा ढाका में बुलाये गये सम्मान समारोह में इन सभी संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित थे। इसी बैठक में इन सभी संगठनों के प्रतिनिधियों को चीन यात्रा का निमंत्रण दिया गया। यह निमंत्रण चीन की सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी की ओर से था। यह निमंत्रण पर बांग्लादेश से इस्लामिक संगठनों का चौदह सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल चीन यात्रा पर रवाना हो गया। जो इसी सप्ताह लौटने वाला है। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व जमात-ए-इस्लामी के केंद्रीय नायब-ए-अमीर और पूर्व संसद सदस्य सैयद अब्दुल्ला मोहम्मद ताहिर कर रहे हैं। खलीफा मूवमेंट, खलीफा काउंसिल, इस्लामिक ऑर्डर पार्टी के प्रमुख सदस्य भी शामिल हैं। बांग्लादेश में जमात-ए-इस्लामी तथा इस्लामिक संगठनों के प्रतिनिधियों को पहली बार चीनी कम्युनिस्ट पार्टी ने आमंत्रित किया है।

### कार्टून वर्ल्ड

### आज का राशिफल

मेष : दाम्पत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने में सफल होंगे। व्यापार में स्थिति ठीक रहेगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। शुभांक-1-3-6

वृष : संतोष से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। शुभांक-4-6-8

मिथुन : मनोरथ सिद्ध होंगे, पूरे मनोयोग से काम में लगे रहे। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-2-5-7

कर्क : स्वास्थ्य में ताजगी बनने से नई ऊर्जा का संचार होगा। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। शुभांक-5-7-8

सिंह : सुनियोजित तरीके से कार्य आरम्भ करें, सफल होंगे। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-1-2-5

कन्या : अध्ययन-अध्यापन में समय गुजरेगा। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-3-5-7

तुला : महत्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। रूकावटें आएंगी। कोष में कमी व व्यय की अधिकता से परेशान होंगे। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। कार्य भार बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। वैचारिक उत्तेजना पर नियत्रंण रखें। शुभांक-5-6-8

वृश्चिक : परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। खान-पान में सावधानी रखें। अच्छे समय का इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। नैतिक दायरे में रहें। शुभांक-2-5-7

धनु : सामाजिक मान-सम्मान बढ़ेगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें। रुपये पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। राजकीय कार्यों से लाभ। मनोबल ऊंचा रखें। शुभांक-5-6-7

मकर : अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। साक्षात्कार के लिए दिन शुभ रहेगा। शुभांक-5-7-8

कुंभ : कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। निकट जनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु जोड़-तोड़ करना पड़ेगा। अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। बुरी संगति से बचें। सुविधाओं में शनैः-शनैः बाधा आएगी। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। शुभांक-5-7-8

मीन : पूर्व में किये कार्यों से लाभ मिलेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। शांतिपूर्वक कार्य करें। शुभांक-1-4-5

## मोदी सरकार के कार्यकाल में निर्यात परिदृश्य में वृद्धि बेहतर

**आत्मनिर्भर** भारत और स्व आधारित अर्थव्यवस्था ने केंद्र में मोदी सरकार का मार्गदर्शन किया है। अर्थव्यवस्था को बढ़ाने के लिए समय-समय पर लागू की गई नीतियों के अब सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। निरंतर प्रयासों से भविष्य में सभी उद्योगों में मजबूत सकारात्मक आर्थिक परिणाम मिलेंगे। भारतीयों और मोदी सरकार के प्रति अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विश्वास, भरोसा और सम्मान में वृद्धि के परिणामस्वरूप भारतीय व्यवसायों और उद्योगों के लिए पूरी दुनिया यानी 800 करोड़ ग्राहक सामने आए हैं। आने वाले वर्षों में वैश्विक अर्थव्यवस्था में प्रतिस्पर्धा करने के लिए युवाओं को अपने ज्ञान, कौशल और शोध योग्यता में सुधार करना चाहिए।

भारत के वैश्विक आर्थिक महाशक्ति बनने की राह निर्यात वातावरण में असाधारण सफलताओं द्वारा परिभाषित की गई है। देश ने पेट्रोलियम तेल, कृषि रसायन, अर्धचालक (सेमीकंडक्टर) और कीमती जवाहरात (जेम्स ) सहित विभिन्न उद्योगों में बड़ी प्रगति की है। यह वृद्धि बेहतर तकनीक, नवीन तकनीकों और प्रतिस्पर्धी विनिर्माण के माध्यम से वैश्विक मांग को पूरा करने की भारत की क्षमता को दशार्ती है। मजबूत सरकारी पहलों के समर्थन से देश न केवल अपने निर्यात आधार का विस्तार कर रहा है बल्कि भरोसेमंद विश्वव्यापी आपूर्तिकर्ता के रूप में अपनी स्थिति को भी बढ़ा रहा है। 4-अंकीय एचएस स्तर पर कई महत्वपूर्ण उत्पाद श्रेणियों में भारत का निर्यात प्रदर्शन प्रभावशाली रहा है, देश ने शीर्ष दस वैश्विक आपूर्तिकताओं के बीच अपनी स्थिति को बरकरार रखा है या इसमें सुधार किया है, सभी का निर्यात मूल्य 2023 में 1 बिलियन डॉलर से अधिक है।

**पेट्रोलियम क्षेत्र**

पेट्रोलियम क्षेत्र (पेट्रोलियम तेल और बिटुमिनस खनिजों से प्राप्त तेल) ने तेजी से विकास किया है, निर्यात मूल्य 2014 में $60.84 बिलियन से बढ़कर 2023 में $84.96 बिलियन हो गया है, जो वैश्विक बाजार का 12.59% है। इस जबरदस्त उछाल ने भारत को दूसरे सबसे बड़े वैश्विक निर्यातक के स्थान पर पहुंचा दिया है, जो बढ़ी हुई रिफाइनिंग सुविधाओं, अधिक उत्पादन क्षमता और अंतरराष्ट्रीय मानकों के पालन के कारण है, जिसने दुनिया भर में एक विश्वसनीय ऊर्जा आपूर्तिकर्ता के रूप में अपनी स्थिति मजबूत की है। इसके अलावा, भारत का कोल टार डिस्टिलेशन उत्पादों का निर्यात 2023 में $1.71 बिलियन तक पहुंच गया, जो वैश्विक बाजार का 5.48% हिस्सा है और कुल मिलाकर चौथे स्थान पर है, जो औद्योगिक मूल्य श्रृंखलाओं में इसकी प्रासंगिकता को दशार्ता है।

**- पंकज जयस्वाल**

> निरंतर प्रयासों से भविष्य में सभी उद्योगों में मजबूत सकारात्मक आर्थिक परिणाम मिलेंगे। भारतीयों और मोदी सरकार के प्रति अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विश्वास, भरोसा और सम्मान में वृद्धि के परिणामस्वरूप भारतीय व्यवसायों और उद्योगों के लिए पूरी दुनिया यानी 800 करोड़ ग्राहक सामने आए हैं। आने वाले वर्षों में वैश्विक अर्थव्यवस्था में प्रतिस्पर्धा करने के लिए युवाओं को अपने ज्ञान, कौशल और शोध योग्यता में सुधार करना चाहिए।

**कृषि रसायन क्षेत्र**

भारत को कृषि रसायन क्षेत्र में विशेष रूप से कीटनाशकों, कृंतकनाशकों और कवकनाशकों के मामले में बड़ी सफलता मिली है। 2023 में निर्यात 4.32 बिलियन डॉलर तक पहुँच गया, जो विश्वव्यापी बाजार का 10.85% है, यह 2014 में 5.89% था। अनुसंधान और विकास में निवेश, साथ ही अंतरराष्ट्रीय कृषि मानकों के पालन ने भारत को दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा निर्यातक बनने में मदद की है। यह वृद्धि स्थायी कृषि को बढ़ावा देने में भारत की महत्वपूर्ण भूमिका को दशार्ती है।

भारत के चीनी निर्यात में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, देश की गन्ना या चुकंदर चीनी के वैश्विक बाजार में हिस्सेदारी 2014 में 4.31% से बढ़ कर 2023 में 12.21% हो गई है। 2023 में निर्यात कुल 3.72 बिलियन डॉलर रहा, जिसने दुनिया के दूसरे सबसे बड़े चीनी निर्यातक के रूप में भारत की स्थिति को मजबूत किया। मजबूत उत्पादन आधार और लाभकारी कृषि नीतियों ने भारत को विशेष रूप से दक्षिण-पूर्व एशिया और अफ्रीका में बढ़ती मांग को पूरा करने में सक्षम बनाया है, जिससे उसका कृषि क्षेत्र मजबूत हुआ है।

**इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक क्षेत्र**

इलेक्ट्रिकल ट्रांसफॉर्मर और संबंधित घटकों के निर्यात से देखा जा सकता है, जो 2014 में 1.08 बिलियन डॉलर से बढ़कर 2023 तक 2.85 बिलियन डॉलर हो गया है। भारत की वैश्विक बाजार हिस्सेदारी 2023 में 2.11% हो गई, जो इसे 2014 में सत्रहवें स्थान से दसवें स्थान पर ले गई। ₹मेक इन इंडिया₹ और उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजनाओं जैसे सरकारी योजनाओं ने इस प्रगति को गति दी है, जिसके परिणामस्वरूप एक मजबूत विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र बना है।

इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हुई है, जैसा कि इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर पर देश के रणनीतिक फोकस ने जबरदस्त परिणाम दिए हैं। निर्यात 2014 में 0.23 बिलियन डॉलर से बढ़ कर 2023 में 1.91 बिलियन डॉलर हो गया, जो 1.40% की वैश्विक बाजार हिस्सेदारी तक पहुँच गया और नौवें स्थान पर पहुँच गया, जो 2014 में 20वें स्थान से उल्लेखनीय सुधार है। यह उपलब्धि वैश्विक सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला में भारत की बढ़ती भागीदारी को दशार्ती है, जिसे घरेलू उत्पादन और नवाचार में सुधार की पहलों द्वारा बल मिला है। इलेक्ट्रिक मोटरों और जनरेटरों के लिए भागों का निर्यात भी काफी बढ़ गया है, जो 2023 में 4.86% की वैश्विक हिस्सेदारी के साथ 1.15 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया है, जिससे भारत 2014 में 21वें स्थान से छठे स्थान पर पहुंच गया है। यह वृद्धि नवीकरणीय ऊर्जा और इलेक्ट्रिक वाहन घटकों की दुनिया भर में बढ़ती मांग के अनुरूप है, जिसने भारत को इस परिवर्तनकारी उद्योग में एक प्रमुख आपूर्तिकर्ता के रूप में स्थापित किया है।

**रबर न्यूमेटिक टायर और अन्य औद्योगिक उत्पाद**

भारत ने रबर न्यूमेटिक टायर निर्यात में बहुत प्रगति की है, जो 2023 में 2.66 बिलियन डॉलर तक पहुँच गया। इसका वैश्विक बाजार हिस्सा बढ़कर 3.31% हो गया, जिससे यह 2014 में चौदहवें स्थान से आठवें स्थान पर पहुँच गया। यह विस्तार भारत की गुणवत्ता, लागत प्रतिस्पर्धात्मकता और विभिन्न ग्राहकों, विशेष रूप से उभरती अर्थव्यवस्थाओं में सेवा करने की क्षमता पर जोर देता है। इसी तरह, नल, वाल्व और ऐसे ही औद्योगिक उत्पादों का निर्यात 2023 में 2.12 बिलियन डॉलर था, जो दुनिया भर के बाजार का 2.16% था और भारत को वैश्विक स्तर पर 10वें स्थान पर रखता है। यह सफलता काफी हद तक उन्नत उत्पादन विधियों और अंतरराष्ट्रीय मानकों के पालन के कारण है।

### लेटर टू एडिटर

#### एक नई शुरूआत

**लद्दाख** सीमा पर 2020 के बाद से भारत और चीन की सेनाएं पीछे हटी हैं, और पेट्रोलिंग भी शुरू हो गई है। दीपावली पर मिठाई वितरण हुआ, और प्रधानमंत्री मोदी तथा राष्ट्रपति शी जिनपिंग की सकारात्मक मुलाकात से तनाव कम हुआ है। विदेश मंत्री जयशंकर शांति प्रयासों में लगे रहे हैं। हालांकि, हमें चीन के साथ रुको, देखो और आगे बढ़ो की नीति बनाए रखनी चाहिए, क्योंकि अतीत में हम धोखा खा चुके हैं।

**- शकुंतला महेश, रांची**

#### और बढ़ा प्रदूषण

**दीपावली** पर पटाखों की सुनामी से देश में गंभीर समस्याएं उत्पन्न की हैं। अस्पतालों में जलने, आंखों में जलन और अस्थमा के मरीजों की संख्या बढ़ गई है। इस वर्ष प्रदूषण तीन सालों में सबसे अधिक रहा, और आग की 318 घटनाएं दर्ज हुईं, जो पिछले 13 वर्षों में सबसे ज्यादा हैं। यह साल दर साल बढ़ता जा रहा है जो अच्छा संकेत नहीं है। **-रवि, रांची**

### ट्वीट

स्कूली शिक्षा को ज्यादा से ज्यादा सुलभ बनाने के लिए हमारी सरकार ने एक और बड़ा फैसला लिया है। इसके तहत देशभर में 85 नए केंद्रीय विद्यालय खोले जाएंगे। इस कदम से जहां बड़ी संख्या में विद्यार्थियों को लाभ होगा। **-नरेन्द्र मोदी, पीएम**

**हमारे** आवास पर राज्य के विभिन्न जिलों से आईं पोषण सखी दीदियों से मिलकर खुशी हुई। आप सभी के स्नेह और आशीर्वाद ने हमें नई ऊर्जा दी है।

जब केंद्र सरकार ने हजारों पोषण सखियों की योजना को बंद कर दिया और हिस्सा राशि देने से इंकार कर दिया, तब आपका भाई, आपका बेटा हेमन्त सोरेन ही आपके लिए खड़ा था। हजारों पोषण सखी बहनों को पुनर्बहाल किया। **- कल्पना मुर्मू सोरेन**

## वाहनों की पार्किंग की बड़ी समस्या से जूझते शहर और परेशान व्यापारी

**-डॉ. सत्यवान सौरभ**

### समस्या

भारत में वाहन पार्किंग की समस्या महत्त्वपूर्ण शहरी चुनौती है, जो न केवल यातायात के प्रवाह को प्रभावित करती है, बल्कि शहरी जीवन के मूल ढांचे को भी प्रभावित करती है। यह समस्या तेजी से बढ़ते शहरीकरण, बढ़ते वाहन स्वामित्व और पुराने शहरी नियोजन के घालमेल से पैदा होती है, जो महानगरीय क्षेत्रों में यातायात प्रबंधन के लिए जटिल दुविधा पैदा करती है। शहरों के विस्तार और वाहनों के स्वामित्व के अधिक सुलभ होने के साथ भारतीय शहरी केन्द्रों को वाहनों की बढ़ती संख्या को समायोजित करने में संघर्ष करना पड़ रहा है। पर्याप्त पार्किंग इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी और आज के समय में वाहनों की संख्या के हिसाब से शहरों को डिजाइन न किए जाने के कारण बड़े पैमाने पर अवैध पार्किंग होती है। इससे न केवल सड़कें जाम होती हैं बल्कि पैदल चलने वालों के लिए बनी जगह भी कम पड़ जाती है। कई भारतीय शहरों की स्थापना प्राचीन या औपनिवेशिक काल में हुई थी और उनकी योजना आधुनिक यातायात की मांग को ध्यान में रखकर नहीं बनाई गई थी। संकरी गलियाँ और मिश्रित भूमि उपयोग के कारण पार्क किए गए और चलते वाहनों के भार से दबाव पड़ता है। इसके अतिरिक्त, पार्किंग नियमों का ढीला-ढाला क्रियान्वयन तथा गैर-अनुपालन के प्रति सांस्कृतिक प्रवृत्ति स्थिति को और बिगाड़ देती है, जिससे शहरी स्थान अव्यवस्थित हो जाते हैं।

पार्किंग की समस्या का सीधा कई क्षेत्रों पर पड़ता है। बेशुमार गाड़ियों के जाम से यात्रा का समय बढ़ जाता है, प्रदूषण स्तर बढ़ता है तथा शहरी जीवन की गुणवत्ता में गिरावट आती है। पैदल चलने वालों को विशेष रूप से परेशानी होती है क्योंकि पार्क किए गए वाहन अक्सर पैदल चलने के रास्तों पर अतिक्रमण कर लेते हैं। उन्हें मजबूरन सड़कों पर आना पड़ता है और उनकी सुरक्षा से समझौता होता है। आर्थिक दृष्टि से पार्किंग की कमी स्थानीय व्यवसायों को भी प्रभावित करती है क्योंकि भीड़भाड़ वाली सड़कें ग्राहकों को आकर्षित नहीं करती। पार्किंग स्थल की उच्च मांग से अचल संपत्ति की लागत भी बढ़ जाती है, जिससे हरित स्थलों की कीमत पर पार्किंग अवसंरचना के विकास को बढ़ावा मिलने से शहरी विस्तार और पर्यावरण क्षरण को बढ़ावा मिलता है। भारत में मोटर वाहनों से सम्बंधित मामले केंद्र और राज्य दोनों के अधिकार क्षेत्र में आते हैं। हालांकि भारत के शहरों के लिए वाहनों की बढ़ती भीड़ एक बड़ी समस्या है लेकिन ऑटोमोबाइल उद्योग पर प्रतिबंध लगने की कोई संभावना नहीं है, क्योंकि इसकी आर्थिक और रोजगार देने की क्षमता काफी ठीक है जो भारत के लिए महत्त्वपूर्ण है। सभी पांच शहरों की पार्किंग नीतियाँ कुछ महत्त्वपूर्ण पहलुओं पर सहमत होती दिखती हैं। वे इस बात पर एकमत हैं कि पार्किंग मुफ़्त नहीं हो सकती और जहाँ भी सार्वजनिक स्थान का उपयोग किया जाता है, वहाँ शुल्क लिया जाना चाहिए क्योंकि 'मुफ़्त पार्किंग' की अवधारणा टिकाऊ नहीं है।

पर्याप्त पार्किंग अवसंरचना का विकास, स्मार्ट पार्किंग प्रौद्योगिकियों को अपनाना और पार्किंग विनियमों का प्रवर्तन शामिल हो। उदाहरण के लिए, पार्किंग क्षेत्रों को परिभाषित करना और वाहन पहचान सेंसर और स्वचालित लाइसेंस प्लेट पहचान जैसी तकनीक का उपयोग करके पार्किंग प्रबंधन को सुव्यवस्थित किया जा सकता है। इसके अलावा, भूमि मूल्य और भीड़भाड़ के आधार पर पार्किंग शुल्क को समायोजित करके भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में अनावश्यक वाहन उपयोग को हतोत्साहित किया जा सकता है। बुनियादी ढांचे के समाधान के अलावा, सार्वजनिक परिवहन और टिकाऊ शहरी गतिशीलता प्रथाओं को बढ़ावा देने से पार्किंग दबाव कम हो सकता है। सार्वजनिक परिवहन, साइकिल और पैदल चलने के उपयोग को प्रोत्साहित करने से निजी वाहनों पर निर्भरता कम हो सकती है, जिससे पार्किंग स्थलों की मांग कम हो सकती है।

यह जरूरी नहीं है कि अच्छा सार्वजनिक परिवहन यातायात की भीड़ को काफी कम कर दे। भीड़भाड़ की स्थिति में सुधार करने के लिए, शहरों को निजी कारों के स्वामित्व और उपयोग के कार्यात्मक, मनोवैज्ञानिक और सांस्कृतिक मूल्यों को लक्षित करने वाली गतिविधियों के साथ ही अपनी सार्वजनिक परिवहन प्रणालियों को बेहतर बनाने के प्रयासों को मिलाकर काम करना होगा। भारत में वाहन पार्किंग की समस्या जटिल मुद्दा है जिसके लिए बहुआयामी दृष्टिकोण की आवश्यकता है। इसमें शहरी नियोजन, नीति सुधार, तकनीकी नवाचार और सांस्कृतिक परिवर्तन शामिल हैं। इस चुनौती से सीधे निबटकर भारत अपनी शहरी गतिशीलता को बढ़ा सकता है, अपने नागरिकों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार कर सकता है और टिकाऊ शहरी विकास के लिए एक मिसाल कायम कर सकता है।

## बांग्लादेश में हिन्दुओं के खिलाफ एकजुट आतंकी व कट्टरपंथी संगठन

**- रमेश शर्मा**

### सामयिक

बांग्लादेश में हिन्दुओं के खिलाफ आतंकवादी और कट्टरवादी संगठन एकजुट हो गये हैं। हिन्दुओं पर धर्मान्तरण का दबाब बनाया जा रहा है। चटगाँव में तो एक हिन्दु परिवार को अंतिम संस्कार करने से भी रोका गया। इन कट्टरपंथी संगठनों के सिर पर पाकिस्तान का हाथ है। जबकि चीन ने कट्टरपंथ इस्लामिक प्रतिनिधियों को अपने यहाँ दावत पर बुलाया है।

बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के तख्तापलट के साथ हिन्दुओं पर हमले आरंभ हो गये थे जो अब चार महीने बाद भी रुकने का नाम नहीं ले रहे। हिन्दुओं के धर्मस्थलों पर लगातार हो रहे हमलों में बांग्लादेश में सक्रिय आतंकवादी संगठन, इस्लामिक धर्मगुरु और मुस्लिम कट्टरपंथी एकजुट हैं। इन्हें कथित साम्यवादी शक्तियों का भी समर्थन है। बांग्लादेश में हिन्दुओं के विरुद्ध यह गठबंधन ठीक उसी प्रकार है जैसे अगस्त 1946 मुस्लिम लीग के डायरेक्ट एक्शन के समय देखा गया था। हिन्दुओं पर हमलों का वह दौर भी लंबा चला था और बंगाल व पंजाब में हिंसा भारत विभाजन तक जारी रही थी। वैसी ही हिंसा अब दिख रही है। गाँव-बस्ती की बात नहीं बांग्लादेश की जेलों में बंद हिंदू भी सुरक्षित नहीं रहे। जेल के भीतर भी हिंदुओं को निशाना बनाने की खबरें आ रहीं हैं।

हसीना सरकार के कार्यकाल में बांग्लादेश की विभिन्न जेलों में लगभग 700 आतंकवादी बंद थे, जो रिहा कर दिये गये। लगता है हिन्दुओं पर हमलों की यह तैयारी बहुत पहले से कर ली गई थी। इसकी किसी को भनक तक न लगी। बंगलादेश में सत्ता परिवर्तन का अभियान छात्र आंदोलन के नाम पर आरंभ हुआ था जिसमें हिन्दू छात्र भी सम्मिलित थे। लेकिन जैसे ही शेख हसीना ने बांग्लादेश देश छोड़ कर भारत में शरण ली, उसी दिन से हिंदुओं पर हमले शुरू हो गये। सबसे पहले भीड़ ने उन हिन्दू छात्रों को निशाना बनाया था जो आंदोलन में शामिल थे। उसके बाद नगरों और गांवों में हिन्दुओं पर हमले शुरू हुये। इन चार महीनों में हमलों की कितनी घटनाएँ हुईं इसका सही आंकड़ा नहीं है, चूंकि अधिकांश स्थानों पर स्थानीय पुलिस हमलावरों से मिली होती है। मीडिया में ढाका से कुछ वीडियो तो ऐसे भी आये जिनमें पुलिस की ड्रेस पहने व्यक्ति भी लूटपाट करते और महिलाओं को घसीटते दिखाई दे रहे हैं। वहीं, चटगाँव के एक वीडियो में भीड़ ने हिन्दुओं को मृतक का अंतिम संस्कार करने से रोका और हिन्दू परिवार को अपने परिजन का अग्निदाह के बजाय उन्हें धरती में दफ्न करना पड़ा। बांग्लादेश में हिन्दुओं पर हो रहे ऐसे अमानवीय और क्रूरतम हमलों की कहानी बयान करने वाले कई वीडियो सामने आये हैं। इनमें से कुछ तो भारत के राष्ट्रीय चैनलों ने दिखाये भी गए हैं। इससे भारत में विरोध के स्वर उभरे तो अब बांग्लादेश सरकार ने ऐसी वीडियो पर रोक लगा दी है। पिछले तीन-चार दिनों से ऐसे वीडियो भारत नहीं आ पा रहे लेकिन हिन्दुओं पर हमलों घटनाएँ निरंतर घट रही हैं।

**कट्टरपंथी संगठन**

बांग्लादेश में जिस प्रकार हिन्दुओं और उनके धार्मिक स्थलों को निशाना बनाया जा रहा है, यह सामान्य नहीं है। यह सबकुछ आतंकी और कट्टरपंथी संगठनों की योजना से हो रहा है। हमलों से स्पष्ट है कि बांग्लादेश में मोहम्मद यूनुस की सरकार नाममात्र की है। परदे के पीछे इसका संचालन कट्टरपंथी संगठन कर रहे हैं। इसकी झलक उसी दिन मिल गई थी जब सरकार संभालते ही मोहम्मद युनुस ने कुछ आतंकी संगठनों से प्रतिबंध हटाया था। इन सभी आतंकी संगठनों के सिर पर पाकिस्तान और चीन, दोनों का हाथ है इसीलिए युनूस सरकार आंखें मूंदकर बैठी है। इन कट्टरपंथी संगठनों में जमात-ए-इस्लामी, जमात-उल-मुजाहिदीन, मुस्लिम ब्रदरहुड और हिफाजत-ए-इस्लाम शामिल हैं। मीडिया की खबरों के अनुसार ढाका के इस्कान मंदिर पर हमले का आदेश हिफाजत-ए-इस्लाम ने दिया था। वहीं, जमात-ए-इस्लामी ने बांग्लादेश के हिन्दू मंदिरों को तोड़ने की खुली घोषणा कर रखी है। जमात-ए-इस्लामी के बारे में माना जाता है कि यह पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के इशारे पर काम करता है और इसका नेटवर्क भारत में भी है। जबकि जमात-उल-मुजाहिदीन पूरे बांग्लादेश में फैला है। बताया जाता है कि इस संगठन में दस हजार लड़ाके और एक लाख से अधिक कट्टरपंथी जुड़े हैं इस संगठन के बारे में यह भी कहा जाता है भारत की अर्थव्यवस्था कमजोर करने के लिये भारत में ड्रग्स और नकली नोटों का कारोबार भी करता है। इन सभी संगठनों के लोग खुलेआम सड़कों पर देखे जा रहे हैं और हिन्दुओं पर हमलों के लिये उकसा रहे हैं।

**कट्टरपंथियों को चीन का भी समर्थन**

इससे पहले पिछले बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी का चार सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल चीन यात्रा करके लौटा है। इस प्रतिनिधिमंडल को भी चीन की सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी ने ही आमंत्रित किया था ।

**भारत के लिये नई चुनौती**

बांग्लादेश में हिन्दुओं पर हो रहे ये हमले केवल बांग्लादेश तक सीमित नहीं रहने वाले। ये भारत के लिये नई चुनौती की दस्तक दे रहे हैं।

जिन आतंकी संगठनों के इशारे पर बांग्लादेश में हिन्दुओं को निशाना बनाया जा रहा है उनमें से कुछ का गुप्त नेटवर्क भारत में भी है, दूसरा इन संगठनों को चीन का भी समर्थन है। बांग्लादेश के कथित छात्र आंदोलन की तरह भारत में शासन व्यवस्था को भीड़ तंत्र में बदलने के प्रयास होने लगे हैं। जिस प्रकार बांग्लादेश पाकिस्तान और चीन से हथियार एकत्र कर रहा है, वह भी साधारण नहीं है। इसे देखकर न केवल भारत सरकार अपितु भारत के प्रत्येक सामान्य जन को अतिरिक्त सतर्कता की आवश्यकता है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

## स्पीड न्यूज

### कोहरे के आगोश में सिमटा रहा चरही और कोयलांचल

**चरही।** चरही और कोयलांचल क्षेत्र में सोमवार को एक घण्टे तक झमाझम बारिश होने के कारण ठंढ बढ़ गयी है। ग्रामीण अपने-अपने घरों में दुबक कर रह गए। यहां तक कि बच्चे स्कूल भी नहीं जा सके। अहले सुबह से लेकर लेकर शाम तक पूरा क्षेत्र कोहरे के आगोश में सिमटा रहा। चरही एनएच-33 के रांची-पटना मार्ग समेत पूरा कोयलांचल क्षेत्र में कोहरे के सफेद चादर के आगोश में सिमटा रहा। सुबह में पूरी तरह कुहासे के कारण एनएच-33 के रांची-पटना मुख्य मार्ग में कुछ समय तक आवागमन करीब लगभग तीन घण्टे तक रुक सा गया था। कई वाहन चालक कोहरे को देखते हुए अपने वाहनों को सड़क किनारे खड़े कर दिए। कई वाहनों को देखा गया कि हेड लाइट जलाकर आवागमन करते रहे। धीरे-धीरे कोहरे के छंटते ही आवागमन चालू हो पाया। वहीं कोहरे को लेकर सीसीएल हजारीबाग कोयलांचल क्षेत्र में भी कुहासे का प्रभाव रहा। इस कुहासे से आमजन जीवन भी अस्त- व्यस्त रहा। अहले सुबह से ही सर्द सनसनी हवाएं चलने से लोग घरों में सिमट कर रह गये। शाम तक कोहरा छाए रहे। आसमान में बादल छाए हुए हैं। कभी भी पुनः बारिश हो सकती है।

### सड़क दुर्घटना में छात्र की मौत

**हजारीबाग।** जिला के केरेडारी थाना क्षेत्र के लोयसुकुवार के पुरनी पेटो गांव में ट्रैक्टर की चपेट में आने से आयुष कुमार (16) की मौत घटना स्थल पर ही हो गई। मिली जानकारी के मुताबिक आयुष के घर पर उसकी चचेरी बहन की शादी मंगलवार को थी। इसलिए वह सामान लेने सोमवार को दुकान जा रहा था। इसी दौरान तेज रफ्तार से आ रहे बालू लदा ट्रैक्टर ने उसे अपने चपेट में ले लिया और उसकी मौत घटना स्थल पर ही हो गई। घटना के बाद टंडवा हजारीबाग मार्ग को ग्रामीणों ने जाम कर दिया है। ग्रामीणों का कहना है कि बालू इस इलाके से अवैध रूप से निकलता है और वाहन चालक ज्यादा बालू ले जाने के चक्कर में तेजी से वाहन को भगाते हैं। फिर भी पुलिस इन पर कोई कार्रवाई नहीं करती। ऐसा लगता है कि पुलिस प्रशासन की मिलीभगत के कारण ऐसा हो रहा है। सड़क जाम होने के कारण वाहनों की लंबी कतार लग गई है। घटना की सूचना मिलते ही केरेडारी पुलिस घटना स्थल पर पहुंच गई है। उल्लेखनीय है कि इस सड़क पर एनटीपीसी के हाइवा भी भारी संख्या में चलते हैं।

### साइकिल यात्रा से सम्पूर्ण भारत भ्रमण पर निकले युवक का स्वागत

**विष्णुगढ़।** बनासो स्थित दौलत महतो मेमोरियल शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय में पर्यावरण संरक्षण हेतु जागरूकता के लिए साइकिल यात्रा पर निकले 32 वर्षीय युवक सूर्यकान्त मिश्रा जो उत्तरप्रदेश के निवासी हैं, का भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ सुनील कुमार चतुर्वेदी ने अपने सम्बोधन में कहा कि ' हर मनुष्य का मूल कर्तव्य है कि वह पर्यावरण संरक्षण की ओर ध्यान दे और उसे संवारे क्योंकि पर्यावरण और प्राणी एक दूसरे पर आश्रित हैं।' इस अवसर पर सर्वणा मिश्रा, बबली कुमारी, ओमकार नाथ शर्मा, अशोक कुमार झा, वीरेन्द्र देव, शशि भूषण देव, राघवेंद्र प्रताप, सरोज श्रीवास्तव, राजेश कुमार बर्मा, प्रवीण कु. जायसवाल, विपिन कुमार, जितेंद्र कुमार, अदृश्य मुखर्जी, डॉ सतीश चंद्र यादव, जयपाल राणा, डॉ अम्बरीश कु. दुबे, डॉ विजयकांत चक्रवर्ती, दिलीप कु. पाठक, सीमा, छवि राम सिंह, अजीत कुमार, भुवनेश्वर कुमार महतो, संतोष कुमार, विनोद कुमार, हीरानाथ महतो, सौरभ सुमन, प्रकाश कुमार, आजाद , नाजरा, सुनीता एवं सभी सत्रों के प्रशिक्षु उपस्थित थे।

### एसआरयू की ओर से सर्वे रास्ता को बंद किये जाने से ग्रामीणों ने किया विरोध

**रामगढ़।** मरार वासियों के प्रतिनिधिमंडल ने एसआरयू इफिको के महाप्रबंधक प्रभारी से मुलाकात कर उन्हें आवेदन दिया। महाप्रबंधक प्रभारी को दिए आवेदन में मरार वासियों ने बताया कि जब प्लांट की स्थापना की गई थी उसी समय से प्लांट के बगल से सर्वे का रास्ता गुजर रहा है। लोगों ने बताया कि इसी रास्ते से हेसला, मनुवा और फुलसराय के लोग आते-जाते हैं। मरार वासियों ने आवेदन में बताया कि यह रास्ता सर्वे का है। लोगों ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से मेन गेट को बंद कर दिये जाने से लोगों को आने-जाने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

### इफिको परिसर में चोरों ने की पत्थरबाजी

**रामगढ़।** शनिवार की शाम 6 बजे के लगभग एसआरयू इफिको परिसर में चोरों के घुसने की सूचना के बाद अफरा-तफरी मच गई। चोरों ने परिसर में घुसने के बाद पत्थरबाजी की। जिसमें वहां कार्यरत एक ठेकाकर्मी नवल किशोर को चोट लगी। जिसके बाद उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। मामले की सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। मामले के संबंध में पूछताछ कर पुलिस चली गई। इधर, सूत्रों ने बताया कि इफिको परिसर में आए दिन चोर घुस जाते हैं और पत्थरबाजी करते रहते हैं। बावजूद इसके प्रबंधन इसको लेकर कोई ठोस कार्य अबतक नहीं कर पाया है।

### पूर्व राजद विधायक दीनानाथ सिंह ने मां छिन्नमस्तिके में की पूजा-अर्चना

**रजरप्पा।** पालीगंज (पटना) के पूर्व विधायक दीनानाथ सिंह यादव सोमवार को मां छिन्नमस्तिके मंदिर रजरप्पा पंहुचे। यहां पर उन्होंने विधिवत रूप से मां छिन्नमस्तिके की पूजा-अर्चना कर मां भगवती के आगे माथा टेककर उनका आशीर्वाद लिया। उसके बाद नारियल बलि देकर पंडित द्वारा रक्षा सूत्र भी बंधवाया। पूजा अर्चना कर माता से राज्य (बिहार-झारखण्ड) की जनता की सुख और समृद्धि की कामना की। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने उनका भव्य स्वागत किया। मौके पर राजद पटना जिला उपाध्यक्ष मंटू यादव सहित जगत नारायण शाह, धीरज सिन्हा, अशोक महतो, दशरथ यादव, रमेश प्रसाद, रवि यादव, मुकेश कृपाली आदि मौजूद थे।

# मांगुर मछली लदा पिकअप वैन कंटेनर से टकराया, चालक की मौत

खबर मन्त्र संवाददाता

**बरही।** बरही थाना क्षेत्र के गडलाही मोड़ पर राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक दर्दनाक सड़क हादसे में पिकअप वैन और कंटेनर संख्या एचआर 38 एसी 8210 के बीच जोरदार टक्कर हो गई। इस हादसे में पिकअप वैन संख्या डब्ल्यूबी 23 एफ 7498 के चालक की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान मो. मनिरुल हक (पिता मो. कबिरुल हक), निवासी कंदापुकुर, शिवदासपुर, जिला उत्तर परगना, पश्चिम बंगाल के रूप में हुई है।

### प्रतिबंधित मांगुर मछली के परिवहन पर उठे सवाल

घटना के बाद यह बात सामने आई है कि दुर्घटनाग्रस्त पिकअप वैन में प्रतिबंधित मांगुर मछली लदी हुई थी। देश में मांगुर मछली के उत्पादन और परिवहन पर प्रतिबंध है, लेकिन इसके बावजूद खुलेआम इसे सड़कों पर ले जाया जा रहा है। इस मामले ने पुलिस और संबंधित विभागों की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

### पुलिस की कार्रवाई सवालों के घेरे में

मांगुर मछली पर पूर्ण प्रतिबंध के बावजूद इसका परिवहन पुलिस और प्रशासन की मिलीभगत की ओर इशारा करता है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि इस प्रकार की गतिविधियों पर लगाम लगाने में पुलिस की नाकामी स्पष्ट है।

### घटनास्थल पर अफरा-तफरी

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार पिकअप वैन तेज रफ्तार में था और नियंत्रण खोने के कारण कंटेनर से जा टकराया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि पिकअप वैन का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और चालक को बचाया नहीं जा सका।

### स्थानीय निवासियों ने की सख्त कार्रवाई की मांग

घटना के बाद स्थानीय लोगों ने प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि यदि इस तरह की गैरकानूनी गतिविधियां रोकी नहीं गईं तो और भी बड़ी दुर्घटनाएं हो सकती हैं। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और बताया है कि दुर्घटना के कारणों का पता लगाया जा रहा है। हालांकि, मांगुर मछली के परिवहन को लेकर अभी तक प्रशासन की ओर से कोई स्पष्ट बयान नहीं आया है। यह घटना केवल सड़क दुर्घटना तक सीमित नहीं है, बल्कि यह प्रतिबंधित गतिविधियों और प्रशासनिक लापरवाही का भी खुलासा करती है।

# समाज कल्याण पदाधिकारी ने की योजनाओं की समीक्षा

खबर मन्त्र संवाददाता

**हजारीबाग।** समाज कल्याण की समीक्षा बैठक जिला समाज कल्याण पदाधिकारी शिप्रा सिन्हा की अध्यक्षता में की गई। बैठक में मुख्य रूप से समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की समीक्षा की गई। समीक्षा के क्रम में सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना में लक्ष्य के अनुरूप शत-प्रतिशत पायी गयी। मुख्यमंत्री कन्यादान योजना की समीक्षा में केरेडारी, चैपारण, बरही, विष्णुगढ़, बरकट्ठा की उपलब्धि 50 प्रतिशत एवं प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना में पदमा, ईचाक, डाड़ी, विष्णुगढ़ एवं बरकट्ठा की उपलब्धि 70 प्रतिशत से कम पायी गई। उन्हें अविलंब शत-प्रतिशत करने का निदेश दिया गया। पोषण ट्रैकर एप्प में सभी वास्तविक लाभुकों को शत-प्रतिशत पोर्टल पर प्रविष्टि करने, लाभार्थियों का वजन, टीएचआर, वीएचएसएनडी, सीबीई गतिविधि आयोजित करते हुए पोर्टल पर अपलोड करने का निर्देश दिया गया। जिलांतर्गत सभी उत्क्रमण 76 मिनी आंगनबाड़ी केन्द्रों में एक पखवाड़ा के अंदर चयन करने एवं साथ ही दो दिनों के संबंधित केन्द्रों में चयन की तिथि निर्धारित जिला कार्यालय को उपलब्ध कराने का निदेश दिया गया है। पोषाहार का अभिश्रव एवं सेविकाओं, सहायिकाओं के मानदेय उपस्थिति विवरणी प्रत्येक माह के 5वीं तारीख तक उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया। साथ ही 0-5 वर्ष के बच्चों का आधार पंजीयन हेतु सभी महिला पर्यवेक्षिकाओं को आपरेटर आईडी के लिए आनलाइन आवेदन करते हुए परीक्षा में शामिल होने का निदेश दिया गया। मौके पर जिला निर्वाचन पदाधिकारी मां देव प्रिया, बाल विकास परियोजना पदाधिकारी राखी चन्द्रा, प्रतिमा कुमारी व पर्यवेक्षिकाएँ उपस्थित थीं।

# हजारीबाग विधायक प्रदीप प्रसाद ने ली शपथ, क्षेत्र के विकास की जतायी प्रतिबद्धता

खबर मन्त्र संवाददाता

**हजारीबाग।** विधानसभा में विधायकों का शपथ ग्रहण विधानसभा के प्रथम सत्र के शुरूआती दिन सोमवार को हुआ। जिसमें सबसे पहले मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और फिर उनके मंत्रिमंडल में शामिल सदस्यों ने शपथ ली। इसके बाद अलग-अलग विधानसभा के विधायकों ने शपथ ली।

जिसके बाद हजारीबाग विधानसभा क्षेत्र से नवनिर्वाचित विधायक प्रदीप प्रसाद ने सोमवार को झारखंड विधानसभा के प्रथम सत्र में शपथ ग्रहण किया। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के टिकट पर पहली बार चुनाव जीतने वाले प्रदीप प्रसाद ने ईश्वर की शपथ लेता हूं ... के साथ शपथ ली और क्षेत्र की जनता के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को निभाने का संकल्प लिया। शपथ ग्रहण के दौरान प्रदीप प्रसाद अपने सादगीपूर्ण व्यक्तित्व और विनम्रता के साथ नजर आए।

पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि हजारीबाग की जनता ने मुझे जो विश्वास और समर्थन दिया है, उसके लिए मैं हृदय से आभारी हूं। मेरा यह दायित्व है कि मैं क्षेत्र के हर

नागरिक की उम्मीदों पर खरा उतरूं। मेरा उद्देश्य केवल जनता का प्रतिनिधित्व करना नहीं है, बल्कि उनकी समस्याओं का समाधान करना और हजारीबाग को विकास का मॉडल बनाना है। मैं अपने क्षेत्र में शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और आधारभूत संरचना में सुधार के लिए हरसंभव प्रयास करूंगा।

विधायक प्रदीप प्रसाद ने क्षेत्र में बेरोजगारी और कृषि क्षेत्र की समस्याओं का समाधान करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करना, किसानों को तकनीकी और आर्थिक सहायता उपलब्ध कराना और हजारीबाग में औद्योगिक विकास को गति देना उनकी प्राथमिकताओं में शामिल रहेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में 'विकसित भारत' के विजन को साकार करते हुए मैं हजारीबाग को एक सशक्त और आत्मनिर्भर विधानसभा क्षेत्र बनाने के लिए कृतसंकल्पित हूं। क्षेत्र के नागरिकों ने विधायक के प्रति विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में हजारीबाग को विकास की नई ऊंचाइयों पर पहुंचने की उम्मीद है।

प्रदीप प्रसाद ने यह भी कहा कि वह अपने कार्यकाल के दौरान एक पारदर्शी और जवाबदेह प्रशासन सुनिश्चित करेंगे। क्षेत्र में शिक्षा के प्रसार, बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं, सड़कों और पुलों का निर्माण और डिजिटल कनेक्टिविटी बढ़ाने पर जोर दिया जाएगा। मैं हजारीबाग के हर नागरिक की आकांक्षाओं को पूरा करने और उनकी समस्याओं को हल करने के लिए हर संभव प्रयास करूंगा। यह मेरा वादा है कि मेरे कार्यकाल में कोई भी नागरिक खुद को उपेक्षित महसूस नहीं करेगा।

जनता से संवाद और विश्वास के साथ विधायक प्रदीप प्रसाद ने यह स्पष्ट कर दिया है कि उनका मुख्य उद्देश्य आज हजारीबाग को झारखंड के सबसे प्रगतिशील और समृद्ध क्षेत्रों में शामिल करना है।

# बरही विधायक मनोज यादव ने ली शपथ, क्षेत्र की जनता के प्रति जिम्मेदारी निभाने का किया वादा

खबर मन्त्र संवाददाता

**बरही।** झारखंड विधानसभा के पहले सत्र के पहले दिन सोमवार को विधायकों का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न हुआ। इस दौरान मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और उनके मंत्रिमंडल के सदस्यों ने सबसे पहले शपथ ली। इसके बाद विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों के नवनिर्वाचित विधायकों ने शपथ ग्रहण किया।

बरही विधानसभा क्षेत्र से नवनिर्वाचित विधायक मनोज कुमार यादव ने भी विधानसभा में शपथ ली। शपथ ग्रहण समारोह के दौरान उनका सादगीपूर्ण व्यक्तित्व और विनम्रता स्पष्ट रूप से झलक रही थी। भारतीय जनता पार्टी के टिकट पर चुनाव जीतने वाले मनोज यादव ने क्षेत्र की जनता के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को पूरी ईमानदारी और निष्ठा से निभाने का वादा किया।

**जनता का आभार और विकास का संकल्प :** शपथ के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए विधायक मनोज यादव ने बरही की जनता को उनके समर्थन और विश्वास के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, बरही की जनता ने मुझ पर जो विश्वास जताया है, उसे मैं पूरी ईमानदारी और निष्ठा से निभाऊंगा। मेरा उद्देश्य न केवल जनता का प्रतिनिधित्व करना है, बल्कि उनकी समस्याओं का समाधान कर बरही को विकास का मॉडल बनाना है। उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और आधारभूत संरचना में सुधार को अपनी प्राथमिकताओं में शामिल किया। साथ ही, क्षेत्र में बेरोजगारी और कृषि क्षेत्र की समस्याओं के समाधान के लिए ठोस कदम उठाने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि किसानों को तकनीकी और आर्थिक सहायता प्रदान करना और युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकताओं में शामिल रहेगा।

**बरही को आत्मनिर्भर बनाने का संकल्प :** विधायक मनोज यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत के विजन को साकार करने के लिए वह बरही को एक आत्मनिर्भर और सशक्त विधानसभा क्षेत्र बनाएंगे। उन्होंने औद्योगिक विकास को गति देने, बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने, सड़कों और पुलों का निर्माण, और डिजिटल कनेक्टिविटी बढ़ाने जैसे मुद्दों पर काम करने का वादा किया।

**प्रशासन में पारदर्शिता और जवाबदेही का वादा :** विधायक मनोज यादव ने अपने कार्यकाल के दौरान पारदर्शी और जवाबदेह प्रशासन सुनिश्चित करने की बात कही। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि वह हर नागरिक की आकांक्षाओं को पूरा करने और उनकी समस्याओं को हल करने के लिए हरसंभव प्रयास करेंगे।

# बड़कागांव विधायक रौशनलाल चौधरी ने ली शपथ

खबर मन्त्र संवाददाता

**बड़कागांव।** विधायक रोशन लाल चौधरी ने शपथ ली और क्षेत्र के विकास के लिए प्रतिबद्धता जतायी। इस दौरान उन्होंने बिरसा भगवान की धरती, विधानसभा को नमन किया। बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र के सर्वांगीण विकास और क्षेत्र को नये पटल पर लाने के लक्ष्य के साथ आज झारखंड विधानसभा पहुंचकर लोकतंत्र के मंदिर को नमन किया। झारखंड विधानसभा के मंदिर में

पहुंचने का अवसर प्रदान करने के लिए बड़कागांव विधानसभा के सभी देवतुल्य जनता का आभार जताया। यह पल मेरे लिए गर्व, ऐतिहासिक, स्मरणीय और कृतज्ञता से भरा हुआ है, मैं आपका सेवक था, हूं और हमेशा बनकर क्षेत्र की आवाज को बुलंद करूंगा। क्षेत्र की जनता के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को निभाने का संकल्प लिया। मेरा यह दायित्व है कि मैं क्षेत्र के हर नागरिक की उमीदों पर खरा उतरूं, मेरा उद्देश्य केवल जनता का प्रतिनिधित्व करना नहीं है, बल्कि उनकी समस्याओं का समाधान करना भी है।

# पंसस जीतू ठाकुर ने की ठंड से राहत के लिए लकड़ी और कंबल की व्यवस्था की मांग

**बरही।** बरही पश्चिमी के पंचायत समिति सदस्य जीतू ठाकुर ने ठंड से प्रभावित लोगों की मदद के लिए प्रशासन और स्थानीय अधिकारियों से विशेष आग्रह किया है। उन्होंने बरही प्रखंड, अंचलाधिकारी और प्रखंड विकास पदाधिकारी से निवेदन किया है कि इस ठंड के मौसम को देखते हुए पिछली बार की तरह इस बार भी विभिन्न स्थानों पर अलाव जलाने के लिए लकड़ी की व्यवस्था

की जाए। जीतू ठाकुर ने प्रशासन से यह भी आग्रह किया है कि ठंड से राहत के लिए कंबल वितरण का कार्य जल्द से जल्द शुरू किया जाए। उन्होंने कहा कि ठंड के इस मौसम में गरीब और जरूरतमंद लोगों को सबसे अधिक समस्याओं का सामना करना पड़ता है। ऐसे में सरकार और प्रशासन की ओर से समय पर मदद पहुंचाना बेहद जरूरी है। पंचायत समिति सदस्य ने यह भी कहा कि स्थानीय लोगों ने ठंड से बचने के लिए अलाव और कंबल की मांग की है।

# मुखिया राजेन्द्र प्रसाद ने आंगनबाड़ी केंद्रों में किया स्वेटर वितरण

- कहा- बच्चे देश का भविष्य, उनकी शिक्षा और पोषण में कोई कमी नहीं होगी

**बरही।** बरही प्रखंड अंतर्गत कोरियाडीह के विभिन्न आंगनबाड़ी केंद्र में ठंड को देखते हुए सोमवार को छोटे बच्चों और बच्चियों के बीच धनवार पंचायत के स्थानीय मुखिया राजेंद्र प्रसाद ने स्वेटर का वितरण किया। इस अवसर पर मुखिया राजेन्द्र प्रसाद ने बच्चों से कहा कि यह सरकार की बहुत ही अच्छी पहल है। आंगनबाड़ी केंद्र में पढ़ने वाले बच्चों को ठंड के मौसम में स्वेटर दिया जा रहा है। बच्चे एक जैसा स्वेटर पहन कर आएंगे तो काफी अच्छे लगेंगे। साथ ही ठंड में इन्हें राहत मिलेगी। स्वेटर पाकर बच्चे बेहद उत्साहित नजर आए। सभी अभिभावकों को प्रतिदिन अपने बच्चों को आंगनबाड़ी केंद्र भेजने की अपील की। कहा आंगनबाड़ी केंद्र में पढ़ाई के साथ-साथ बच्चों को कई अन्य चीजें भी सिखाई जाती है, आंगनबाड़ी केंद्र में खेल-खेल में ही बच्चे कई चीज सीख जाते हैं। उन्होंने कहा कि बच्चों की प्रारंभिक शिक्षा आंगनबाड़ी केंद्र पर ही दी जाती है। मुखिया राजेन्द्र प्रसाद ने सेविका और सहायिका को केंद्र का संचालन सही तरीके से करने का भी दिशा निर्देश दिया गया।

इस मौके पर आंगनबाड़ी केंद्र की सेविका किरण कुमारी, अनिता कुमारी सहायिका मंजू देवी, आंगनबाड़ी केंद्र में पढ़ने वाले बच्चे बच्चियों सहित अन्य ग्रामीण मौजूद थे।


## कार्यालय जिला परिषद्, चतरा।

(अतिअल्पकालिक ई-निविदा आमंत्रण सूचना)

ई-निविदा सूचना संख्या – 18/2024-25

1. कार्य की विस्तृत विवरणीः डी०एम०एफ०टी० (501/विकास, दिनांक 08.10.24)

| क्र. | प्रखण्ड | पंचायत | ग्राम | योजना | प्राक्कलित राशि | परिमाण विपत्र का मूल्य | अग्रधन की राशि | कार्य पूर्ण करने की अवधि |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 |
| 01 | चतरा | चतरा | सिमा | हफुआ उच्च विद्यालय के प्रथम तल पर 04 वर्ग कक्ष निर्माण। | 3789600 | 5000 | 76000 | 06 माह |

1. वेबसाइट में निविदा प्रकाशन की तिथि – 14 / 12 / 2024
2. ई–निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय – 16.12.2024 से 23.12.2024 के अपराह्न 5:00 बजे तक
3. निविदा खोलने की तिथि एवं समय – 26.12.2024 पूर्वाह्न 11:00 बजे।
4. सरकार द्वारा लिए गए निर्णय के आलोक में सभी कागजात के साथ निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि online Mode द्वारा स्वीकार्य होगा।
5. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो उसकी सारी जवाबदेही संबंधित निविदाकार की होगी।
6. निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता – जिला अभियंता जिला परिषद चतरा।
7. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं० – 9835777636
10. विस्तृत जानकारी के लिये वेबसाइट www.jharkhandtenders.gov.in एवं कार्यालय की सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

जिला अभियंता, जिला परिषद, चतरा।

PR 341569 District(24-25)D


# हर छात्र की यूनिक पहचान के लिए है अपार आईडी : प्राचार्य

- अपार आईडी पर श्री अग्रसेन स्कूल में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

खबर मन्त्र संवाददाता

**भुरकुंडा (रामगढ़)।** श्री अग्रसेन स्कूल भुरकुंडा में सोमवार को 'क्या और क्यों है अपार आईडी' विषय पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन हुआ। जिसमें विद्यालय और आसपास स्कूलों के अभिभावकों को अपार आईडी के संबंध में जागरूक किया गया। प्राचार्य विवेक प्रधान ने बताया कि अपार यानी ऑटोमेटिक परमानेंट एकेडमिक अकाउंट रजिस्ट्री आधार की तरह ही 12 अंकों की एक

विशिष्ट आईडी है। नई शिक्षा नीति 2020 की सिफारिशों के अनुसार भारत सरकार की 'वन नेशन वन स्टूडेंट आईडी' योजना के तहत सभी स्कूलों में बच्चों की अपार आईडी बनाई जा रही है। यह आईडी हर छात्र की यूनिक पहचान के लिए है। उन्होंने कहा कि आधार और अपार आईडी को लेकर अधिकतर अभिभावकों में भ्रम की स्थिति बनी हुई है। लोग दोनों को एक समझ रहे हैं, जबकि ऐसा नहीं है। दोनों अलग-अलग आईडी है। आधार किसी व्यक्ति की पहचान और पते का प्रमाण होता है। जबकि अपार आईडी में छात्र के प्री-प्राइमरी से लेकर हायर एजुकेशन तक के परीक्षा परिणाम, स्कॉलरशिप, प्रतियोगिता, एक्स्ट्रा करिकुलर, स्किल और शैक्षणिक सफर की पूरी डिटेल दर्ज रहेगी। यह छात्रों के लिए एक प्रकार का डिजिटल लॉकर होगा। निदेशक एकाडमिक एसके चौधरी ने कहा कि अपार आईडी का सबसे बड़ा फायदा होगा कि इससे फर्जी एजुकेशनल डॉक्यूमेंट और मार्कशीट जैसे मामलों पर नकेल कसेगी। अपार आईडी के जरिए ही नियोक्ता नौकरी के मामले में उम्मीदवार की सारी जानकारी को एक क्लिक पर वेरीफाई कर सकेंगे। विभिन्न प्रवेश परीक्षाओं, एडमिशन, छात्रवृत्ति, इंटर्नशिप, सर्टिफिकेशन, सरकारी योजनाओं आदि के ऑथेंटिकेशन का काम अपार आईडी के माध्यम से होगा। विद्यालय में अपार आईडी कैंप को लीड कर रहीं नाजिया तौहिद ने अभिभावकों द्वारा पूछे गए सवालों का जवाब दिया। बताया कि अपार आईडी छात्र के आधार कार्ड से जुड़ा रहेगा। अगर छात्र नाबालिग है, तो अपार आईडी बनाने के लिए उसके माता-पिता से अनुमति पत्र लेना जरूरी है। नौकरी करने वाले अभिभावकों के मामले में एक राज्य से दूसरे राज्य में तबादला की स्थिति में अपार आईडी बच्चे से जुड़ी उनकी कई तरह की परेशानियों को कम करेगा।

इस अवसर पर अभिभावक चंदन कुमार सिंह, रामनवमी मांझी, सीमा देवी, आरती सिन्हा, विनोद शाह, श्रवण कुमार, विकास वर्मा, दिलीप प्रसाद साव, होमियो इस्लाम, बसंत कुमार, रंजीत कुमार, आयशा खातून, विजय कुमार गुप्ता उपस्थित थे।


## Jharkhand Industrial Infrastructure Development Corporation Limited (JIIDCO)

(A Govt. of Jharkhand Undertaking)

5th Floor, Udyog Bhawan, Ratu road, Ranchi – 834001 (Jharkhand)

e-mail- jiidcoltd@gmail.com www.jiidco.co.in Phone no. 0651-3512851

CIN U45208JH2004GOI011078

Letter no: -744 Dated:09.12.2024

**SHORT NOTICE INVITING TENDER**

**NIT NO/TENDER REF.NO. JIIDCO/20/2024-25**

Sealed tenders are invited, on Item rate basis from the registered contractors in appropriate class in Building Construction Department (BCD) or any Department, Government of Jharkhand and similar nature of work for the work as given below:

| Sl. no. | Name of work | Estimated cost (Rs.) | Earnest money @ 2% of Estimated cost (approx) (Rs.) | Cost of tender fee (Non refundable) Including 18% GST | Class of Contractor | Time of completion (In month) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| 01 | हजारीबाग में जिला परिषद् के नव निर्मित भ. झारखण्ड इन्टीरियर निर्माण कार्य। | 29,54,154.00 | 59,100.00 | 5,900.00 | III | 04 Months |

a. Tender documents can be purchased from the office of M. D., JIIDCO, 5th Floor, Udyog Bhawan, Ratu Road, Ranchi-834001on payment of requisite cost of documents in shape of D.D. in favour of JIIDCO, payable at Ranchi during working hours on dated 24.12.2024
b. Tender will be received on 26.12.2024 till 3:00 P.M.
c. Tender will be opened on 26.12.2024 at 3:30 P.M. in presence of tenderer or his authorized representative.
d. The estimated cost mentioned above in sl. No.1 column no. 3 is approximate which may be increased or decreased.

Note: For any information/complaints the department helpline no/ Mobile no. 7004785102 may be contacted.

Sd/- Executive Engineer JIIDCO, Ranchi

PR 341594 Jharkhand Industrial Infrastructure Dev Co Ltd(24-25).D

## स्पीड न्यूज

### दो दर्जन से अधिक वाहनों को किया गया जब्त, चालान फाइन देकर छूटे

**मेदिनीनगर।** शहर के सदीक चौक कोयल पुल के पास ट्रैफिक प्रभारी समाल अहमद ने सघन जांच अभियान चलाया। इस दौरान चार पहिया एवं दोपहिया वाहनों की जांच की गयी। जिसमें दो पहिया वाहनों के कुछ चालक बगैर हेलमेट एवं ट्रिपल लोड और बिना लाइसेंस गाड़ी चला रहे थे। उनके वाहन जब्त कर शहर थाना परिसर में रखा गया है। सभी 22 बाइक को चालान हेतु व्यवहार न्यायालय पलामू भेजा गया है। ट्रैफिक प्रभारी ने बताया कि कुछ ई रिक्शा सवारी गाड़ी के चालक जबरदस्ती अपने निर्धारित रूट पर लिखवा कर नहीं चला रहे हैं और जबरदस्ती दूसरे रूट में अपनी गाड़ी को मनमौजी चला रहे थे। उनमें से 05 ई रिक्शा टेंपो सवारी गाड़ी को भी जप्त कर शहर थाना परिसर में रखा गया है। उसे चालान फाइन हेतु जिला परिवहन कार्यालय पलामू भेजा गया है। सोमवार को जिला परिवहन कार्यालय पलामू नो एंट्री में जब्त ट्रक का चालान फाइन राशि 6150 रुपये आया है।

### दलित कांग्रेस अध्यक्ष ने की लंबित कार्य शीघ्र शुरू कराने की मांग

**पाटन पलामू।** जिला दलित कांग्रेस अध्यक्ष अशोक पासवान छतरपुर विस की महिलाओं से मुलाकात कर कुशल छेम जाना। उन्होंने कहा कि जिले में जो भी गरीब लोगों का लंबित कार्य है। इसे तत्काल शुरू कराया जायेगा। यह कांग्रेस पार्टी की गारंटी है। मौके पर जिला मजदूर कांग्रेस अध्यक्ष अनिल सिंह, पाटन प्रखंड दलित कांग्रेस अध्यक्ष संजय पासवान भी थे।

### दुर्घटना रोकने के लिए सीओ सक्रिय

**छतरपुर, पलामू।** छतरपुर सीओ उपेंद्र कुमार की पहल पर छतरपुर एनएचआई फॉर लेन का रामशरण राय साइड इंजीनियर नवनीत आनंद, शिवालया कंपनी के अमित कुमार के साथ उदयगढ़ मोड़, बिरसा मुंडा मसीहानी जाने वाला रोड हेसला जाने वाली रोड जो तोड़ दिया गया था, उसे बंद किया जायेगा। एचपी पेट्रोल पंप क्रॉसिंग के पास बंद किया जायेगा इन सभी जगहों का निरीक्षण किया गया। एनएचआई के आरई रामशरण राय ने कहा कि उदयगढ़ मोड़ पर फोर लेन से दोनों तरह जाने वाली सड़क के पास ब्रेकर और पार्किंग लाइट, बिरसा मुंडा के पास फोर लेन से दोनों तरफ जाने वाली सड़क पर ब्रेकर (रमबल स्ट्रीट) बैरियाडीह मोड़ पर पार्किंग लाइट लगाया जायेगा। आये दिन काफी सड़क दुर्घटनाएं हो रही हैं। घटनाएं कम हो, उसे लेकर छतरपुर सीओ की पहल पर काम किया गया। इस निरीक्षण में कर्मचारी सह सीआई हरि कुमार, समाजसेवी अरबिंद गुप्ता चुनमुन और कई लोग इस निरक्षण में शामिल हुए।

### पिपरा थाना क्षेत्र से अज्ञात शव बरामद

**हरिहरगंज पलामू।** पीपरा थाना क्षेत्र के चपरवार स्थित मड़वा मौजा से पुलिस ने एक अज्ञात अधेड़ शव बरामद किया है। ग्रामीणों ने उक्त स्थान पर शव देख थाना को सूचना दी। जानकारी मिलने के बाद पीपरा थाना के एसआइ नकुल शर्मा दल बल के साथ पहुंच कर शव को कब्जे में लिया तथा पोस्टमार्टम हेतु हुसैनाबाद भेज दिया है। जहां शव को तीन दिनों तक शवगृह में रखा जायेगा। पुलिस मृतक की शिनाख्त करने का प्रयास कर रही है। हालांकि खबर लिखे जाने तक शिनाख्त नहीं हुई थी। मृतक खाकी रंग का स्वेटर पहना है। लाल रंग का गमछा है। एसआइ नकुल शर्मा ने बताया कि प्रथम दृष्टया विक्षिप्त बुजुर्ग की मौत ठंड का कारण हो सकता है। मौत के कारण की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट से ही हो सकेगी।

### सहकर्मी के निधन पर स्टांप वेंडरों में शोक

**मेदिनीनगर।** कचहरी परिसर में मुद्रांक विक्रेता संघ ने शोक सभा संघ के अध्यक्ष बृजमोहन प्रसाद की अध्यक्षता में की। इसमें संघ के सदस्य सह स्टांप वेंडर शत्रुघ्न अग्रवाल (48) का निधन हो जाने पर शोक व्यक्त किया गया। साथ ही संघ के सदस्यों ने दो मिनट मौन रख मृतक के आत्मा की शांति व दुख संतिप्त परिवार के साहस के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। विजय कुमार ने बताया कि शत्रुघ्न कैंसर पीड़ित थे। जिनका इलाज काफी दिनों से चल रहा था। : शत्रुघ्न का निधन रविवार को बेलवाटिका स्थित आवास पर हो गया। दाह संस्कार पंपू कल बेलवाटिका स्थित कोयल नदी तट पर किया गया। वे अपने पीछे पत्नी, एक पुत्र, एक पुत्री समेत भरा पूरा परिवार छोड़ गये हैं। स्टांप विक्रेता जगनारायण मेहता ने कहा कि इनकी कमी हम सबको खलेगी। मौके पर लव तिवारी, चंद्रमोहन प्रसाद, अमरेश कुमार, बसंत कुमार, सत्येंद्र सिंह, अशोक कुमार समेत अन्य स्टांप विक्रेता मौजूद थे।

### खास महाल की जमीन फ्री होल्ड करायी जाये : संजीव तिवारी

**मेदिनीनगर।** झारखंड राज्य हिंदू धार्मिक न्यास बोर्ड के सदस्य सह झामुमो नेता संजीव तिवारी ने विधानसभा सत्र के पहले दिन झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन से मुलाकात की। इस दौरान संजीव ने सीएम के नेतृत्व में 2024 के विधानसभा चुनाव में मिली प्रचंड जीत की बधाई दी। मुलाकात के दौरान संजीव ने सीएम को पलामू की समस्या से अवगत कराते हुए उसके निराकरण की मांग की। सीएम ने इस पर सकारात्मक कदम उठाने का भरोसा दिया है। संजीव ने बताया कि अधूरे पड़े काम पूर्ण कराने के साथ-साथ खास महल भूमि को फ्री होल्ड करने की मांग भी की है।

# पांकी विस क्षेत्र की जनता का आभार: डॉ शशिभूषण

खबर मन्त्र संवाददाता

**मेदिनीनगर।** पांकी विधानसभा क्षेत्र से नव निर्वाचित विधायक कुशवाहा शशिभूषण मेहता ने सोमवार को विधिवत रूप से विधानसभा में शपथ ली। विधायक डॉ मेहता ने कहा कि पांकी विधानसभा क्षेत्र की जनता का आभार, जिन्होंने मुझ पर अपना विश्वास जताया और लगातार दूसरी बार सेवा का यह मौका दिया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की जनता जनार्दन के समर्थन और सहयोग से पांकी का समग्र विकास और उज्जवल भविष्य सुनिश्चित करेंगे। कहा कि आज षष्ठम विधानसभा के प्रथम सत्र के पहले कार्यदिवस पर लोकतंत्र के मंदिर को सादर नमन। आशा है अपने पांकी विधानसभा क्षेत्र की देवतुल्य जनता की सच्चे दिल से सेवा कर सकूं।

# आरसीयू में फिट इंडिया यूनिवर्सिटी सप्ताह का रंगारंग आगाज, कई खेल प्रतियोगिता आयोजित

महेंद्र

**विश्रामपुर (पलामू)।** विश्रामपुर के नावाडीह कला स्थित आरसीयू में फिट इंडिया यूनिवर्सिटी सप्ताह का सोमवार को रंगारंग आगाज हुआ। आरसीयू के महाराज जरासंध स्टेडियम में आयोजित मुख्य कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन कुलाधिपत डॉ ईश्वर सागर चंद्रवंशी, उप निदेशक अनुराग चंद्रवंशी, कुलसचिव डॉ देवाशीष मंडल व खेल समिति अध्यक्ष डॉ अरविंद कुमार त्रिपाठी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। जिसके बाद अतिथियों व प्रतिभागियों ने मशाल रैली निकाल कर कार्यक्रम का विधिवत शुरुआत की। मौके पर कुल सचिव डॉ देवाशीष मंडल ने कहा कि विवि के सभी पदाधिकारी, कर्मी, छात्र-छात्रा एक सप्ताह तक बगैर किसी तनाव व बोझ के शारीरिक फिटनेस हेतु मनोरंजनात्मक खेलों में भाग लेंगे, ताकि उनकी शारीरिक क्षमता और दुरुस्त हो सके। डॉ अरविंद कुमार त्रिपाठी ने बताया कि आज से शुरू हुआ फिट इंडिया यूनिवर्सिटी वीक 14 दिसंबर तक चलेगा। इस दौरान कई खेल प्रतियोगिता आयोजित की गयी है जिसमें एथेलेक्टिस, योगा-मेडिटेसन, जुंबा, कबड्डी सहित कई भारतीय देशी मनोरंजनात्मक खेल शामिल है। मौके पर सुनील कुमार पटेल, छोटन प्रसाद, अमन कुमार यादव, सत्य प्रकाश, उपेन्द्र पाल,श्रेया कुमारी सहित आरसीयू से संबद्ध सभी महाविद्यालय के प्राचार्य, खेल समिति के सभी सदस्य व छात्र छात्रा मौजूद थे।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित प्रतिभागी और दीप जलाकर कार्यक्रम का उद्घाटन करते मुख्य अतिथि व अन्य।

**अबुआ आवास की सच्चाई :** बीएफटी संजय रवि ने बलहिया की महिला से लिये ₹10,000

# जिला प्रशासन मामले की जांच कराकर दोषी पर कार्रवाई करे

- बलहिया के लक्ष्मी यादव की पत्नी है रुकमणि देवी
- दूसरी किश्त देने के लिए भी फिर उच्चा अधिकारियों को देने के नाम पर मांग रहा पैसा
- अधिकारियों के पास शिकायत करने के बावजूद नहीं की गयी कोई कड़ी कार्रवाई

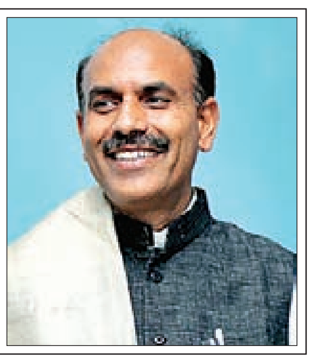

खबर मन्त्र संवाददाता

**मेदिनीनगर।** चैनपुर प्रखंड के बीएफटी संजय कुमार रवि के द्वारा सेमरा पंचायत के बलहिया निवासी रूकमणि देवी पति लक्ष्मी यादव से अबुआ आवास के प्रथम किस्त के नाम पर दस हजार रूपये रिश्वत लिया गया। इसके बाद दूसरे किस्त की राशि आने पर उच्च अधिकारियों को देने के नाम पर भी लाभुक से दबाव बनाकर दस हजार और रिश्वत मांग की गयी है।

इसके बाद लाभुक के द्वारा उच्च स्तर के पदाधिकारी से शिकायत की गई परंतु कोई कार्रवाई नहीं की गयी। जिसकी खबर दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित हुई। इसे लेकर पूर्व मंत्री केएन त्रिपाठी गंभीर हैं। उन्होंने कहा कि जब समाचार पत्र में खबर प्रकाशित हुआ तो प्रखंड आवास कोर्डिनेटर बिरबल राम को चैनपुर बीडीओ के मौखिक आदेश पर थाना में एफआईआर करने के लिए भेजा गया।

डीडीसी के द्वारा बिरबल राम को एफआइआर करने से रोक दिया गया है। दुबारा खबर प्रकाशित होने के बाद उपायुक्त ने मामले को संज्ञान में लिया और फिर एफआईआर दर्ज हुआ। श्री त्रिपाठी ने जिला प्रशासन से सरकार द्वारा चलायी जा रही महत्वकांक्षी योजना में संलिप्त दोषी पदाधिकारियों की जांच किसी भारतीय प्रशासनिक सेवा के पदाधिकारी से कराकर दोषी पर कड़ी कार्रवाई की बात कही है।

# अब जेंडर आधारित हिंसा के खिलाफ समाज को लड़ना होगा : जिला समाज कल्याण पदाधिकारी

- सामाजिक कुरीतियों का हो जड़ से उन्मूलन : डॉ ख्वाजा तबरेज

प्रतिभागियों को पुरस्कृत करते अतिथि व उपस्थित अन्य।

खबर मन्त्र संवाददाता

**मेदिनीनगर।** नयी संस्कृति सोसाइटी के तत्वावधान में महिलाओं के खिलाफ हिंसा, जेंडर आधारित हिंसा सहित बाल विवाह, कन्या भ्रूण हत्या एवं सेफ एंड अनसेफ टच आदि ज्वलंत मुद्दों पर अंतर विद्यालय चित्रकला प्रतियोगिता स्थानीय कोयल नदी के तट पर स्थित कोयल रिवर फ्रंट पर आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित जिला समाज कल्याण पदाधिकारी नीता चौहान ने कहा कि पूरे देश में जेंडर आधारित हिंसा को रोकने का व्यापक प्रयास किया जा रहा है इस कार्यक्रम के माध्यम से बच्चों में अपने जीवन को सही दिशा में डालने की प्रेरणा जागृत होगी और सामाजिक कुरीतियों से लड़ने की क्षमता का विकास होगा। विशिष्ट अतिथि प्रसिद्ध काष्ठ कला के कलाकार प्रेम भसीन ने बच्चों की चित्रकला से प्रभावित होकर अपनी ओर से भी एक विशिष्ट पुरस्कार की घोषणा कर दी। उन्होंने कहा कि बच्चों के अंदर नैसर्गिक कलाकार होते हैं उन्हें सिर्फ सही दिशा देने की आवश्यकता होती है। बतौर अतिथि उपस्थित यूनिसेफ के जिला समन्वयक डॉक्टर ख्वाजा तबरेज ने जिला प्रशासन एवं नयी संस्कृति सोसाइटी द्वारा किये जा रहे साझा प्रयास की प्रशंसा करते हुए कहा कि जेंडर आधारित हिंसा एक ऐसी समस्या है जो हर घर में आसानी से देखने को मिलती है और हमारा यह प्रयास होना चाहिए कि इन कुरीतियों का जड़ से उन्मूलन किया जा सके। गुरुकुलम इंटरनेशनल स्कूल जीपीएस जमुना ग्रीन वैली स्कूल कैंब्रिज पब्लिक स्कूल ओरिएंट पब्लिक स्कूल लोटस अकैडमी आरएन टैगोर विमला पांडे ज्ञान निकेतन आईटी हस हाई स्कूल आदि विद्यालयों ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभायी।

### विधिक सशक्तिकरण शिविर 14 को

**मेदिनीनगर।** पलामू के प्रधान जिला व सत्र न्यायाधीश नीरज कुमार श्रीवास्तव के निर्देशन में 14 दिसंबर को जिले के सभी प्रखंड में विधिक सशक्तिकरण शिविर का आयोजन किया जायेगा। वही ब्यवहार न्यायालय परिसर में इस बर्ष का अंतिम राष्ट्रीय लोक अदालत लगायी जायेगी। इसे सफल बनाने को ले तैयारी चल रहा है। राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक मामले निपटाने का प्रयास है। उक्त आशय की जानकारी जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव अर्पित श्रीवास्तव ने दी। उन्होंने बताया कि झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देश पर शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

### बोधी दिवस पर विचार गोष्ठी का आयोजन

**मेदिनीनगर।** बोधी दिवस पर बेरोजगार संघर्ष मोर्चा ने एक विचार गोष्ठी की। जिसकी अध्यक्षता मोर्चा अध्यक्ष उदय राम ने की। सर्वप्रथम गौतम बुद्ध की तस्वीर पर फूल माला चढ़ाकर कार्यक्रम की शुरुआत की गयी। मोर्चा अध्यक्ष उदय राम ने कहा कि दुनिया भर के बौद्ध धर्म के अनुयाइयों का खास दिन है। मान्यता है कि ढाई हजार वर्ष पूर्व बौद्ध गया स्थित पीपल ब्रिक्ष के नीचे गौतम बुद्ध का जीवन मरण का सही ज्ञान प्राप्त हुआ था तभी से उक्त पीपल वृक्ष व बौद्ध वृक्ष ओर 8 दिसंबर को बोधि वृक्ष और बोधी दिवस के रूप में विख्यात है। मौके पर सूरज कुमार पासवान, दीपक कुमार, जयपाल मोची, कृष्ण राम, सुधीर कुमार, आवश्यक कुमार, उत्तम कुमार, अरुण कुमार ने भगवान बुद्ध के जीवन दर्शन पर प्रकाश डाले। राम नरेश महतो ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

### बारिश से खेतों में खड़ी फसलों को नुकसान

**सतबरवा।** प्रखंड क्षेत्र मे धुंध के साथ बारिश होने से किसानों की परेशानी बढ़ गई है। रविवार और सोमवार की रात्रि में रुक-रुक कर हो रही बारिश से किसानों के खेतों में खड़ी धान के फसल को नुकसान उठाना पड़ा है। वही सब्जी की खेती पर भी पानी से असर पड़ा है। किसान जुम्मन मियां ने बताया कि करीब 90 प्रतिशत खेतों से धान की फसल की कटाई नहीं हुई है, बारिश से फसल को आंशिक रूप से क्षति पहुंची है। दूसरी ओर सब्जी की फसल का नुकसान होने की बात कहा है। ब्लॉक टेक्नीशियन मैनेजर (बीटीएम) वरुण सिंह यादव ने बताया कि फसल का आंकलन करने के बाद कुछ कहा जा सकता है। प्रखंड कृषि पदाधिकारी अरविंद कुमार ने बताया कि रवि फसल के लिए बारिश लाभदायक है, वही जिन खेतों में खड़ी धान फसल की कटाई नहीं हुई है उन्हें थोड़ी बहुत हानि उठानी पड़ सकती है। उन्होंने कहा कि चना, सरसों, मसूर के अलावे अरहर के फसल जिसमें में फूल-फल लग रहे हैं उसे फायदा होगा। इधर सुबह में बारिश के साथ धुंध के कारण अचानक सर्दी बढ़ गई है और तापमान में गिरावट दर्ज की गयी है।

## मुंबई में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय मिक्सिंग फाइट एमएमए में गुमला का गौरव दूसरे स्थान पर

खबर मंत्र संवाददाता

**गुमला।** अन्तर्राष्ट्रीय मिक्सिंग फाइट एमएमए फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा मुम्बई में आयोजित प्रतियोगिता में गुमला के फसिया पंचायत के पूर्व मुखिया राजन बड़ाई के पुत्र गौरव बड़ाईक ने शानदार प्रदर्शन करते हुए द्वितीय स्थान प्राप्त कर गुमला जिला का नाम रौशन किया।

मुंबई से वापस सोमवार को गुमला लौटने पर टावर चौक में गौरव का भव्य स्वागत किया गया। स्थानीय नेताओं व लोगों ने गौरव का माला पहनाकर स्वागत किया। इस अवसर पर भाजपा महामंत्री यशवंत सिंह, सिकन्दर कुमार सिंह, मुखिया फसिया नरेश उरांव, विकास सिंह, दिनेश चौधरी मंडल महामंत्री बीजेपी, शम्भू साहु ,दीपू ठाकुर, लक्ष्मी बड़ाईक उपस्थित थे।

## शॉर्ट सर्किट से घर में लग गयी आग नकद समेत लाखों की संपत्ति खाक

खबर मन्त्र संवाददाता

**पांकी पलामू।** प्रखंड के रतनपुर पंचायत के कुशहा जीरो (सालमदीरी) गांव में बीती रात करीब 11 बजे बिजली के शॉर्ट सर्किट से कन्हाई भुइयां के घर में अचानक आग लग गया। इस घटना में शादी के लिए घर में रखे 40 हजार रुपए नगद समेत 4 से 5 लख रुपये का संपत्ति जलकर खाक हो गया। अगलगी की घटना के बाद पीड़ित परिवार पूरी तरह से बेघर हो गये और सड़क पर आ गये हैं। घर में बिजली के शॉर्ट सर्किट से आग लगने से पूरा घर जलकर राख हो गया। घर से सटा पुआल भी आग की चपेट में आ गया, जिससे आग ने तेजी से पूरे घर को अपने चपेट में ले लिया। इस घटना में तीन बकरियां जिंदा जल गयी। इसके अलावा घर में रखे तीन साइकिल, डीजल पंप, 5 से 6 क्विंटल धान, 10 12 क्विंटल मक्का समेत 30 से 40 हजार रुपए नगद, कपड़े, खाने-पीने का सामान और आधार कार्ड जैसे महत्वपूर्ण दस्तावेज जलकर पूरी तरह से राख हो गया है।

## पांडू के दलित रामाशीष की पिटाई निंदनीय घटना: शत्रुघ्न कुमार शत्रु

खबर मन्त्र संवाददाता

- पांडू के कजरुकला में दलित रामाशीष राम की पांडू थाना प्रभारी ने की है पिटाई

**मेदिनीनगर।** झारखंड क्रांति मंच के संस्थापक सह केंद्रीय अध्यक्ष शत्रुघ्न कुमार शत्रु ने कहा कि पांडू थाना प्रभारी सौरभ कुमार व अन्य पुलिसकर्मियों द्वारा कजरुकला ग्राम में एक निर्दोष अनुसूचित जाति के रामाशीष राम की बर्बरतापूर्ण पिटाई की कड़े शब्दों में निंदा की है। उन्होंने पांडू थाना प्रभारी सौरभ कुमार व अन्य जिम्मेदार पुलिस कर्मियों के खिलाफ एससी, एसटी एट्रोसिटी एक्ट की धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार करने व सेवा से बर्खास्त करने की मांग की है। कहा कि सरकारी पदाधिकारी भी अब आतंकवादी तानाशाह की भूमिका में आ गये हैं। ठंड में ललन राम व उनके भाईयों के घर पर बिना समय दिए हुए कथित कोर्ट के आदेशानुसार बुलडोजर चलवाकर घर जमींदोज करना मानवाधिकारों का भीषण उल्लंघन है।

## भाजपा नेता सह पूर्व पंसस को भ्रातृशोक

**पाटन पलामू।** पाटन भाजपा नेता एवं उताकी पंचायत के पुर्व पंचायत समिति सदस्य कामता सिंह के भाई कमी सिंह की मौत अचानक तबीयत खराब होने से हो गयी। जानकारी के अनुसार उताकी के कमी सिंह (50) की रविवार की रात अचानक तबीयत ज्यादा खराब हो गयी। परिजनों ने उन्हें तत्काल ईलाज के लिए सदर अस्पताल मेदिनीनगर ले गये परंतु रास्ते में ही कमी सिंह की मौत हो गयी। सदर अस्पताल में डॉक्टरों ने कमी सिंह को मृत घोषित कर दिया। मौत से उताकी गांव के लोगों में गम का माहौल है।

## डालटनगंज के विधायक आलोक चौरसिया ने लगातार तीसरी बार ली विधानसभा की सदस्यता

खबर मन्त्र संवाददाता

- लोगों ने पुष्प गुच्छ देकर किया जोरदार स्वागत

**मेदिनीनगर।** डालटनगंज चैनपुर भंडरिया विधानसभा क्षेत्र से नवनिर्वाचित विधायक आलोक चौरसिया ने झारखंड विधानसभा में लगातार तीसरी बार विधायक पद का सदस्यता ग्रहण किया। सदस्यता ग्रहण करने के बाद भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश मंत्री लुडू खान, रमण श्रीवास्तव, रंजीत सिंह, जिप सदस्य प्रमोद सिंह, उंटारी रोड जिला परिषद सदस्य अरबिंद सिंह व अन्य ने उन्हें अंग वस्त्र व पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। इस मौके पर लुडू खान ने कहा कि आनेवाले समय में श्री चौरसिया डालटनगंज विधानसभा क्षेत्र के आवाज बनकर विधानसभा में गुंजेंगे। आलोक चौरसिया लगातार तीसरी बार विधानसभा चुनाव में हैट्रिक लगाकर लोगों को चौंकाने का काम किया है।

**मिक्सड मार्शल आर्ट्स द्वारा सम्मान समारोह आयोजित**

# मुख्य प्रशिक्षकों को मिला पलामू रतन अवार्ड

- मिक्सड मार्शल आर्ट्स ने मनाया सम्मान समारोह
- मुख्य प्रशिक्षकों को पलामू रतन अवार्ड से नवाजा गया

खबर मन्त्र संवाददाता

अवार्ड के साथ विजेता प्रतिभागी व उपस्थित अतिथि।

**मेदिनीनगर।** मार्शल- आर्ट्स के महागुरू ब्रुसली के 84 वाँ जन्मदिन के अवसर पर द मिक्सड मार्शल- आर्ट्स काउंसिल (युके) के तत्वावधान में प्रथम पलामू जिला मार्शल- आर्ट्स ब्रुसली महोत्सव का आयोजन संत मरियम विद्यालय कजरी के प्रागंण में किया गया। जिसमें बतौर मुख्य अतिथि अविनाश देव उपस्थित थे। पलामू के विभिन्न क्षेत्रों के मुख्य प्रशिक्षकों को पलामू रतन अवार्ड से नवाजा गया। अवार्ड पाने वालों में रंजन प्रसाद (स्केटिंग), अशुतोष कुमार (मास्टर ऑफ फिजिकल एजुकेशन), सकेंदर प्रजापति (कराटे), नटवर पांडेय, प्रितम चैधरी (ताईक्वांडो), अनुपम तिवारी (बॉक्सिंग), श्याम किशोर पाण्डेय (संगीत), सनतन सोनी (नृत्य) इत्यादि शामिल हैं। मुख्य अतिथि ने कहा कि पलामू में प्रतिभा की कमी नहीं है, बस समय पर प्रशिक्षकों को मान-सम्मान मिलते रहनी चाहिए; क्योंकि प्रशिक्षक है जो बच्चों को बेहतर प्रशिक्षण देकर ऊंचाई तक पहुंचा सकते हैं, इसलिए बच्चों को प्रशिक्षकों का हमेशा आदर करना चाहिए। यह कार्यक्रम मुख्य प्रशिक्षक शिहान संतोष कुमार के नेतृत्व में किया गया। मौके पर सैकड़ों कराटेकार उपस्थित थे।

# आनंदमार्ग रेनेसां आर्टिस्ट राइटर एसोसिएशन के मेगा ऑडिशन में 15 प्रतिभागी चयनित

- उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मौका मिलेगा

खबर मन्त्र संवादाता

**मेदिनीनगर।** आनंद मार्ग की इकाई रेनेसां आर्टिस्ट राइटर एसोसिएशन (रावा) के तत्वावधान में मेगा ऑडिशन आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम आनंदमार्ग स्कूल, नई मोहल्ला, मेदिनीनगर में हुआ, जिसमें गायन, नृत्य, योगा और अभिनय जैसी विविध प्रतिभाओं का मूल्यांकन किया गया। ऑडिशन में 150 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, जिनमें से 50 बच्चों को सेकंड राउंड के लिए तैयार किया गया और 15 प्रतिभागियों का अंतिम चयन किया गया।

**खास बातें :** ये प्रतिभागी पलामू, गढ़वा, और लातेहार के विभिन्न क्षेत्रों से आए थे। चयनित प्रतिभागियों को 24 से 28 दिसंबर तक रामगढ़, रांची में आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लेने का अवसर मिलेगा, जहां अनुभवी शिक्षकों से उन्हें मार्गदर्शन मिलेगा। राष्ट्रीय कार्यशाला में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिलेगा। रावा द्वारा प्रतिभागियों के निशुल्क आवास, भोजन और प्रशिक्षण की पूरी व्यवस्था की गयी है। मेदिनीनगर ऑडिशन का मूल्यांकन रांची के बीआईटी मेसरा के बिजया पाठक, मृणाल पाठक, तबला वादक कामेश्वर सिंह, शास्त्रीय गायक सुमन मिश्रा और केंद्रीय विद्यालय के सौरभ मिश्रा व सौरभ दुबे द्वारा किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में रावा के अनुभवी सदस्य राजन देव, नवनीत देव, नैना चंद्र, आरती चंद्र, काजल पांडे, उर्वशी गुप्ता, सृष्टि लारा, संदीप कुमार, देवेंद्र कुमार, सोनू डी, पूजा कुमारी, आकाश प्रताप, निखिल गुप्ता, जूली सिंह आदि का अहम योगदान रहा। रावा के कोऑर्डिनेटर चंदन देव ने कहा कि यह कार्यक्रम प्रतिभाशाली युवाओं को अपनी कला का प्रदर्शन करने और राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी पहचान बनाने का अनूठा अवसर प्रदान करता है।

स्पीड न्यूज

## एसएसपी से मिले डॉ दिनेशानंद गोस्वामी

**जमशेदपुर।** भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ दिनेशानंद गोस्वामी भाजपा नेताओं के साथ वरीय आरक्षी अधीक्षक किशोर कौशल से उनके कार्यालय में में मिले तथा बहरागोड़ा विधानसभा क्षेत्र में झामुमो नेताओं के संरक्षण में असामाजिक तत्वों के द्वारा भाजपा कार्यकर्ताओं पर किये गये उत्पात की जानकारी दी। भाजपा नेताओं ने कहा कि विस चुनाव के बाद झामुमो कार्यकर्ता भाजपा कार्यकर्ताओं पर प्रताड़ित किया जा रहा है।

## राजेश मार्डी ने किया रिकॉर्ड 76 बार रक्तदान

**जमशेदुर।** आदिवासी मार्शल समिति निश्चितपुर और नयी जिंदगी परिवार के संयुक्त प्रयास से पहली बार मंझारी प्रखंड के पिलका गांव में रक्तदान शिविर लगाया गया। यह शिविर जमशेदपुर ब्लड सेंटर के सहयोग से पीएम अपग्रेडेड उच्च विद्यालय परिसर में आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि मझगांव विधायक निरल पूर्ती ने शिविर का उद्घाटन किया। इसमें कुल 40 युवाओं ने पंजीयन कराया मगर सिर्फ 20 लोग ही रक्तदान के योग्य पाये गये। सभी रक्तदाताओं को विधायक ने प्रशस्ति सम्मान पत्र के साथ साथ अंग वस्त्र एवं विशेष रूप से उपहार देकर सम्मानित किया।

## सड़क दुर्घटना में बाइक सवार युवक की मौत

**गम्हरिया।** टाटा-कांड्रा मुख्य मार्ग पर उत्कल ऑटो के समीप बीते रविवार की देर रात हुई एक सड़क दुर्घटना में बाइक सवार एक युवक की मौत हो गयी। मृतक की पहचान कदमा भाटिया बस्ती निवासी अजय भूमिज (30) के रूप में हुई है। दुर्घटना के बाद स्थानीय लोगों की मदद से उसे इलाज के लिए एमजीएम अस्पताल पहुंचाया गया जहां चिकित्सकों ने जांचोपरांत उसे मृत घोषित कर दिया।

## साधना ही माया के साथ एक संग्राम है : गोपाल

**गम्हरिया।** आनंदमार्ग प्रचारक संघ की ओर से आनन्दमार्ग स्कूल कांड्रा में संकीर्तन सह सत्संग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मौके पर भुक्ति प्रधान गोपाल बर्मन ने कहा कि साधना माया के साथ एक संग्राम है। इस संग्राम का तात्पर्य है जिस प्रकार से भी हो माया की शक्ति को उसे प्रतिहत करना। बताया कि यह संग्राम तीन पद्धतियों से किया जा सकता है।

## जेएफसी-पंजाब एफसी मुकाबले के लिए बिके 10,000 टिकट

जमशेदपुर। 13 दिसंबर को शाम 7:30 बजे जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में पंजाब के खिलाफ जमशेदपुर एफसी के मैच के लिए 10,000 से अधिक टिकट बिक चुके हैं। जमशेदपुर एफसी आईएसएल तालिका में सातवें स्थान पर है, जबकि पंजाब एफसी पांचवें स्थान पर है। पिछली जीत के साथ मेन ऑफ स्टील अपनी जीत की लय जारी रखना चाहेगी और अंक तालिका में ऊपर चढ़ना चाहेगी।

संस्थापक
स्व. डॉ अभय कुमार सिंह
स्वामित्व वृन्दा मीडिया पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक, प्रकाशक
मंजू सिंह
द्वारा चिरौंदी, बोड़ेया रोड, रांची (झारखंड) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
संपादक
अविनाश ठाकुर*
फोन : 95708-48433
पिन: -834006
e-mail
khabarmantra.city@gmail.com
R.N.I No.
JHAHIN/2013/51797
*पीआरबी एक्ट के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी। प्रकाशित खबरों से संबंधित किसी भी विवाद का निपटारा रांची न्यायालय में ही होगा।

# ना भीख चाही ना कर्जा चाही, भोजपुरी के दर्जा चाही...

खबर मन्त्र ब्यूरो

**जमशेदपुर।** भोजपुरी भाषा को भारतीय संविधान के आठवीं अनुसूची में शामिल कराने हेतु भोजपुरी जन जागरण अभियान का तेइसवां धरना राष्ट्रीय अध्यक्ष डा संतोष पटेल के नेतृत्व में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। धरना समाप्ति के बाद प्रधानमंत्री एवं गृहमंत्री के नाम ज्ञापन और मांग पत्र सौंपा गया।

विदित हो कि भोजपुरी जन जागरण अभियान जो कि पुरवैया (रजि०) द्वारा संचालित संस्था है जो विगत 2015 से लगातार भोजपुरी भाषा को भारतीय संविधान के आठवीं अनुसूची में शामिल कराने हेतु देश व्यापी आंदोलन चला रहा है। संगठन के अध्यक्ष डॉ संतोष पटेल के नेतृत्व में यह संगठन इससे पहले बाईस बार धरना प्रदर्शन कर चुकी है तथा सरकार से निरंतर मांग कर रही है। इसके बावजूद सरकार द्वारा सिर्फ आश्वासन मिलता है।

भोजपुरी को दर्जा दिलाने के लिए जनजागरूकता अभियान चलाते समर्थक।

रविवार को दिल्ली के जंतर मंतर पर आयोजित धरना का अध्यक्षता पूर्व सांसद महाबल मिश्रा ने किया। धरना मे उपस्थित सासाराम के सांसद मनोज कुमार ने कहा कि हम भोजपुरी के साथ हैं तथा इस जन जागरण अभियान के उद्देश्य के साथ हैं। मैं विपक्ष में हूं उसके बावजूद कोशिश होगी सदन में सवाल उठाऊं।

महाबल मिश्रा ने कहा कि हम पूर्वांचल के लोग हमेशा संघर्षशील रहे हैं। भोजपुरी को संवैधानिक मान्यता सरकार को देना ही होगा। हम सदन में नहीं हैं पर हर संभव प्रयास करेंगे कि सरकार इसे जल्द आठवीं अनुसूची में शामिल करे। वहीं वरिष्ठ रंगकर्मी महेन्द्र प्रसाद सिंह ने कहा कि भोजपुरी हम सबकी मातृभाषा है जिसके सम्मान में निरंतर वर्षों से हम सब संवैधानिक दर्जा का मांग करते आ रहे हैं। संगठन के अध्यक्ष डॉ संतोष पटेल ने कहा कि सरकार हर बार आश्वासन देती है पर शामिल नहीं करती। हम सरकार से आश लगाए बैठे हैं और जब तक भोजपुरी को संवैधानिक मान्यता नहीं मिल जाती तब तक संघर्ष करते रहेंगे। जदयू के पूर्व एम एल सी रामेश्वर महतो ने भोजपुरी भाषा को भारतीय संविधान में शीघ्र शामिल करने की बात कही। धरना में डॉ मनोज कुमार, डॉ पुष्कर, धनंजय कुमार सिंह, नागेंद्र सिंह पटेल, रामेश्वर महतो कुशवाहा, रितेश सिंह राणा, विजय लक्ष्मी उपाध्याय, अंजली शिवाय, लोकगायिका सोनी चौहान, एडवोकेट आर्यन, धर्मेंद्र साह, सीके भट्ट, संतोष यादव,शालिनी कपूर के अलावा देश के विभिन्न प्रांतों से आए सैकड़ों भोजपुरी भाषी उपस्थित रहे। धरना का संचालन डॉ संतोष पटेल कर रहे थे।

### जमशेदपुर पूर्वी विधायक पूर्णिमा ने झारखंड विधानसभा में ली पद और गोपनीयता की शपथ, कहा

# जनता की आवाज बन विधानसभा में उठाऊंगी उनके मुद्दे और समस्याएं

खबर मन्त्र ब्यूरो

**जमशेदपुर।** जमशेदपुर पूर्वी विधानसभा क्षेत्र की नवनिर्वाचित विधायक पूर्णिमा साहू ने सोमवार को झारखंड विधानसभा में पद और गोपनीयता की शपथ ली। शपथ ग्रहण से पहले उन्होंने विधानसभा भवन की सीढ़ियों पर नतमस्तक होकर प्रणाम किया। इस भावुक क्षण को अपने जीवन का यादगार पल बताते हुए विधायक पूर्णिमा साहू ने कहा कि यह मेरे लिए गर्व और हर्ष का विषय है कि मैं उस विधानसभा में प्रवेश कर रही हूं, जिसे मेरे ससुर और पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ने बनवाया था।

## जमशेदपुर पूर्वी क्षेत्र के विकास का लिया संकल्प

विधानसभा की सीढ़ियों पर नतमस्तक विधायक।

### 86 बस्ती के मालिकाना हक की लड़ाई होगी प्राथमिकता, सुलझाने की कोशिश

पूर्णिमा साहू ने जमशेदपुर पूर्वी की जनता का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे क्षेत्र के जनता की आवाज बनकर विधानसभा में उनके हितों और समस्याओं को मजबूती से उठायेंगी। उन्होंने 86 बस्ती के मालिकाना हक की लड़ाई को प्राथमिकता देते हुए इसे कानून के दायरे में लाने की दिशा में काम करने का वादा किया। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास के नेतृत्व में भाजपा सरकार ने इस मुद्दे पर ऐतिहासिक पहल की थी। मेरा प्रयास रहेगा कि राज्य सरकार इस पर गंभीरता से संज्ञान ले और कानून बनाकर इसे अमल में लाये। उन्होंने जमशेदपुर पूर्वी विधानसभा क्षेत्र के विकास और जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने के प्रति समर्पण का संकल्प दोहराते हुए कहा कि जमशेदपुर पूर्वी की देवतुल्य जनता के आशीर्वाद और विश्वास की बदौलत ही मैं आज लोकतंत्र के इस सबसे बड़े मंदिर में प्रवेश कर रही हूं। मेरा वादा है कि मैं उन्हें कभी निराश नहीं करूंगी।

## मईया थारी चुदड़ी में कुछ तो बात है... जैसे भजनों पर झूमे श्रद्धालु

- बिष्टुपुर सत्यनारायण मारवाड़ी मंदिर में धूमधाम से मना कालका माता का जन्मोत्सव

खबर मन्त्र ब्यूरो

**जमशेदपुर।** सोमवार की शाम को बिष्टुपुर स्थित सत्यनारायण मारवाड़ी मंदिर में श्री महाकाली शक्तिपीठ अमरसर धाम वाली कुलदेवी श्री कालका माता रानी का जन्मोत्सव (प्रकट दिवस) धूमधाम से मनाया गया। श्री कालका माता परिवार टाटानगर द्वारा आयोजित हुए इस धार्मिक महोत्सव में श्री गणेश वंदना के साथ मंगल पाठ एवं भजनों का कार्यक्रम शुरू हुआ जो देर रात तक चलते रहा। इससे पहले संध्या 4.30 बजे से कालका माता की पूजा अर्चना शुरू हुई। निशा-कमल सिंघल ने पूजा की और मुन्ना पंडित (साकची) ने

पूजा करायी तथा सबको रक्षा सूत्र बांधा। आमंत्रित भजन गायिका शीतल काटरूका (पुरूलिया) ने भजनों और मंगल पाठ से माता रानी को रिझाया। माता के चरणों में मंगलपाठ का वाचन के साथ ही भजनों की प्रस्तुति के दौरान माता परिवार के बच्चों द्वारा पारंपरिक वेशभूषा में भजनों पर नृत्य की शानदार प्रस्तुति दी गयी, जिसने सबका मन मोहा।

## आरवीएस अकादमी ने मनाया 24वां वार्षिक खेल दिवस

खबर मन्त्र ब्यूरो

**जमशेदपुर।** आरवीएस अकादमी, डिमना रोड, मानगो ने रविवार, 8 दिसंबर 2024 को अपना भव्य 24वां वार्षिक खेल दिवस धूमधाम से मनाया। यह आयोजन खेल कौशल, अनुशासन और सांस्कृतिक विविधता का उत्सव था, जिसमें स्कूल प्रबंधन के सदस्य, चेयरमैन बिंदा सिंह, कोषाध्यक्ष शत्रुघ्न सिंह, प्रधानाचार्य वीशा मोहिंद्रा, अभिभावक, छात्र, स्टाफ और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। दिन की शुरुआत प्रतिष्ठित मुख्य अतिथि, डॉ हसन इमाम मलिक, अंतरराष्ट्रीय हैंडबॉल कोच, भारतीय हैंडबॉल संघ के संयुक्त सचिव, और टाटा

स्टील के स्वास्थ्य और खेल कल्याण विभाग के कार्यकारी के उद्घाटन भाषण से हुई। अपने प्रेरणादायक संबोधन में डॉ मलिक ने टीमवर्क, अनुशासन और खेलों के माध्यम से व्यक्तित्व निर्माण के महत्व पर जोर दिया।

उदघाटन के बाद चेयरमैन बिन्दा सिंह, कोषाध्यक्ष शत्रुघ्न सिंह, मुख्य अतिथि डॉ हसन इमाम मलिक और प्रधानाचार्य वीशा मोहिंद्रा ने गुब्बारे उड़ाकर स्वतंत्रता, आकांक्षा और खेल भावना के अडिग प्रतीक का प्रदर्शन किया। चेयरमैन बिन्दा सिंह ने खेलों के शैक्षणिक महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि खेल विद्यार्थियों में सहनशीलता, अनुशासन और टीम वर्क की भावना का विकास करते हैं, जो उन्हें भविष्य के नेतृत्व के लिए तैयार करता है। प्रधानाचार्य वीशा मोहिंद्रा ने अपने संदेश में मेहमानों का धन्यवाद व्यक्त किया और विद्यार्थियों के समग्र विकास के प्रति स्कूल की प्रतिबद्धता दोहरायी।

## पांच सेवानिवृत्त कर्मचारियों को टाटा मोटर्स वर्कर्स यूनियन ने किया सम्मानित

खबर मन्त्र ब्यूरो

**जमशेदपुर।** सोमवार को टाटा मोटर्स वर्कर्स यूनियन ऑफिस में सेवानिवृत्त हुए पांच कर्मचारी को अध्यक्ष गुरमीत सिंह और महामंत्री आरके सिंह ने स्मृति चिह्न एवं शॉल देकर सम्मानित किया। सेवानिवृत्त अपने अर्धांगनी को भी साथ लेकर इस सम्मान समारोह में शामिल हुए। जिनके नाम निम्न हैं : जय प्रकाश शर्मा इंजिन डिवीजन, कुंदन मिंज गीयर बॉक्स असेंबली, के पी मनोहर वर्ल्ड ट्रक, मनोज कुमार

रॉय और मनोज कुमार सिंह कैब एंड कॉल फैक्टरी। अध्यक्ष गुरमीत सिंह ने अपने संबोधन में सभी के कुशलमंगल और समृद्धि की कामना की। कंपनी को दिये योगदान की सराहना की। महामंत्री आर के सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि आप सभी के सोच और सहयोग से ही कंपानी आज अपने बुलंदियों पर है। आगे भी अपने ऐसे विचार हम सभी से साझा करते हुए कंपनी को अपना साथ देते रहने की बात की। मंच संचालन प्रकाश विश्वकर्मा ने किया।

## फायरिंग के दो आरोपी गिरफ्तार, गये जेल

खबर मन्त्र ब्यूरो

**जमशेदपुर।** रविवार को कदमा थाना अंतर्गत रामजन्म नगर बस्ती में फायरिंग के मामले का उद्भेदन करते हुए कांड में संलिप्त 02 अपराधकर्मियों को कांड में प्रयुक्त 01 पिस्टल, 04 जिंदा कारतूस, 01 खोखा तथा 01 मोटरसाइकिल के साथ गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया।

# संजीवनी, गुलवीर और सावन बारला बने रिकॉर्ड धावक

### टाटा स्टील वर्ल्ड 25 हजार गोल्ड लेबल रेस

- 10000 मीटर और 5000 मीटर के राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक गुलवीर
- चैंपियन सावन बारला ने इंडियन एलीट फील्ड में सुर्खियां बटोरीं
- इन-फॉर्म संजीवनी जाधव भारतीय एलीट महिला क्षेत्र का नेतृत्व करेंगी

खबर मन्त्र ब्यूरो

**जमशेदपुर/ कोलकाता।** टाटा स्टील वर्ल्ड 25 हजार के साथ कोलकाता दुनिया का पहला विश्व एथलेटिक बन गया है। इस दूरी पर गोल्ड लेबल रेस में भारतीय अभिजात्य क्षेत्र 27 पुरुषों और 13 महिलाओं से भर गया है। रविवार, 15 दिसंबर को रेड रोड की सुरम्य सेटिंग में सम्मान के लिए प्रतिस्पर्धा करते हुए, 2024 #आमार कोलकाता शोनार कोलकाता में भारत के कुछ सर्वश्रेष्ठ एथलीट सेंटर स्टेज पर नजर आयेंगे।

यूएस $142,214 पुरस्कार राशि वाली दौड़। भारतीय संभ्रांत पुरुषों और महिलाओं के लिए समान पुरस्कार राशि के साथ विजेता, प्रत्येक दौड़ में पहले तीन को 2,75,000, 2,00,000 और 1,50,000/- रुपये मिलेंगे। भारतीय संभ्रांत पुरुष और महिला धावकों को भी इसके द्वारा प्रोत्साहित किया जायेगा। प्रत्येक 1,00,000/- रुपये का इवेंट रिकॉर्ड बोनस। अविनाश सेबल के पास भारतीय एलीट पुरुष वर्ग में एक समय के साथ वर्तमान इवेंट रिकॉर्ड है। 1:15:17, और एल. सूर्या ने 1:26:53 के समय के साथ भारतीय संभ्रांत महिला रिकॉर्ड अपने नाम किया। इस सुसज्जित पुरुष क्षेत्र का नेतृत्व वर्तमान सनसनी गुलवीर सिंह करेंगे, जो इसमें शामिल हैं। एक बैंगनी धब्बे के बीच में. वह वर्तमान में 5000 मीटर (13:11:82) और 10,000 मीटर (27:14:88) राष्ट्रीय हैं।

## एक नजर में

### मंईयां सम्मान योजना के लिए आज से लगेगा कैंप

**जमशेदपुर।** जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त अनन्य मित्तल के निर्देशानुसार झारखंड मुख्यमंत्री मईया सम्मान योजना से संबंधित त्रुटि निराकरण (जांच एवं सुधार) संबंधित कैंप 10 से 5 बजे तक 10.12.2024 से अगले आदेश तक अंचल कार्यालय, मानगो, मानगो अधिसूचित क्षेत्र समिति कार्यालय एंव अंचल कार्यालय, जमशेदपुर के साथ-साथ तरूण संघ, शास्त्रीनगर कदमा (रोड नंबर-4) तथा जोजोबेड़ा छठ घाट मैदान के पास स्थित सामुदायिक भवन में आयोजित किया जायेगा। आमजनों से अपील है कि अपने क्षेत्रांतर्गत आयोजित शिविर में निर्धारित समय अवधि में जांच तथा त्रुटि निराकरण के लिए अवश्य आयें। बता दें कि झारखंड मुख्यमंत्री मंइयां सम्मान योजना अन्तर्गत ऑनलाइन प्रविष्टि कि प्रक्रिया पूर्व कि भांति प्रज्ञा केंद्रों तथा संबंधित अंचल कार्यालय में किया जायेगा।

### उपायुक्त के निर्देश पर चला वाहन जांच अभियान

**जमशेदपुर।** जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त अनन्य मित्तल के निर्देशानुसार ओवर लोडिंग बसों के खिलाफ बहरागोड़ा, बरसोल में जांच अभियान चलाया गया। इस दौरान ओवरलोडिंग और वाहनों के कागजातों की जांच की गयी। इस दौरान 28 वाहनों के कागजातों की जांच-पड़ताल में एक वाहन का टैक्स बकाया होने पर जब्त किया गया, जब्त बस को थाने को सौंप दिया गया। जबकि 6 बसों से लगभग ₹49, 500 जुर्माना वसूला गया। जांच के दौरान ओवरलोडिंग के अलावा वाहनों के फिटनेस परमिट, इंश्योरेंस, प्रदूषण, टैक्स आदि कागजातों की सघनता से जांच की गयी। जिला परिवहन पदाधिकारी धनंजय के नेतृत्व में जिला मोटर यान निरीक्षक सूरज हेंब्रम ने अभियान चलाया।

### जमशेदपुर महिला विवि के एनएसएस की छात्राओं ने ग्रामीणों को दी पौष्टिक आहार की जानकारी

**जमशेदपुर।** जमशेदपुर महिला विश्वविद्यालय के एनएसएस विभाग द्वारा कैंप के छठे दिन छात्राओं ने दामोंडीह ग्राम में ग्रामीणों के बीच स्वच्छता से संबंधित जागरूकता फैलाई और नुक्कड़ नाटक द्वारा नशा से होने वाले नुकसान से लोगों को अवगत कराया। साथ ही ग्रामीणों को सरकार द्वारा चलायी जाने वाले कल्याणकारी कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए ग्रामीण महिलाओं को पौष्टिक आहार के विषय में बताया। कार्यक्रम को सफल बनाने में एनएसएस को-ऑर्डिनेटर डॉ ग्लोरिया पूर्ति एनएसएस ऑफिसर डॉ डी पुष्प लता, डॉ सुनीता कुमारी और डॉ छगनलाल अग्रवाल का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

### एसीसी चाईबासा में अदाणी फाउंडेशन कौशल विकास से बदल रहा ग्रामीण युवाओं का करियर

**जमशेदपुर।** विविधतापूर्ण अदाणी पोर्टफोलियो की सीमेंट और निर्माण सामग्री कंपनी एसीसी, पूरे देश में ग्रामीण युवाओं को उच्च गुणवत्ता वाले कौशल विकास प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। पैकरे ने वित्तीय कठिनाइयों पर काबू पाया और अपना जीवन बदल दिया। अदाणी फाउंडेशन के अदाणी कौशल विकास केंद्र (एएसडीसी) के साथ मिलकर कंपनी झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम के ग्रामीण कोंडवा के एक युवा, पैकरे हेस्सा की प्रेरक यात्रा को उजागर करने पर गर्व महसूस करती है।

### सरकार की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में मदद करेगा जन अधिकार मंच

**जमशेदपुर।** सोमवार को पटमदा प्रखंड के पटमदा ग्राम प्रधान भवन में जन अधिकार मंच पूर्वी सिंहभूम के बैनर तले पटमदा, बोड़ाम प्रखंड समिति की संयुक्त बैठक में दिवाकर टुडू की अध्यक्षता में बैठक हुई। जिसमें सलाहकार, सामाजिक कार्यकर्ता, मांझी ग्राम प्रधान एवं सक्रिय सदस्य शामिल रहे। संगठन में क्षेत्रीय जन मुद्दों को लेकर बात हुई तथा सरकार की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में संगठन की सुनिश्चित करने का निर्णय लिया गया। बैठक में जितू मुर्मू, मादाड़िया दिवाकर टुडू, कालिराम सिंह, कृष्णापद महतो, अमर सिंह सरदार, बंसत कुमार मुर्मू, नरेश चंद्र सोरेन, टिकाराम मुर्मू, हिरुपाल सिंह, सुखदेव हेंब्रम, सुनील हांसदा, हरिहर टुडु, जगदीश सिंह, सनत बेसरा, जीतेंद्र मुर्मू, राजु कर्मकार, समच मांडी, बिभूति हांसदा, सुभाष हेंब्रम आदि थे।

### राष्ट्रपति के नाम उपायुक्त को सौंपा गया स्मार पत्र

**जमशेदपुर।** मध्य प्रदेश के रतलाम जिले के सैलाना विधानसभा क्षेत्र से भारत आदिवासी पार्टी के विधायक कमलेश्वर डोडियार के साथ जिला अस्पताल रतलाम में पदस्थ डॉक्टर द्वारा जातिगत दुर्भावना स्वरूप अपमानित करने, गालियां देने एवं दुर्व्यवहार करने पर भारत आदिवासी पार्टी पूर्वी सिंहभूम के जिलाध्यक्ष मदन मोहन सोरेन के नेतृत्व में एक स्मार पत्र राष्ट्रपति द्रौपति मुर्मू को उपायुक्त पूर्वी सिंहभूम के माध्यम से सौपा गया। जिला अध्यक्ष मदन मोहन सोरेन ने मांग की है कि दोषी पर एसटी एससी अत्याचार निवारण कानून 1989 के तहत तत्काल कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाये। ताकि ऐसी घटना की पुनरावृत्ति न हो सके।

# मानवाधिकार सबसे बड़ा अधिकार

**मृत्युंजय प्रसाद**

द्वितीय विश्वयुद्ध की समाप्ति के बाद 1948 में 48 देशों के समूह ने समूची मानव-जाति के मूलभूत अधिकारों की व्याख्या करते हुए एक चार्टर पर हस्ताक्षर किये थे। इसमें माना गया था कि व्यक्ति के मानवाधिकारों की हर कीमत पर रक्षा की जानी चाहिये। भारत ने भी इस पर सहमति जताते हुए संयुक्त राष्ट्र के इस चार्टर पर हस्ताक्षर किये। हालाँकि देश में मानवाधिकारों से जुड़ी एक स्वतंत्र संस्था बनाने में 45 वर्ष लग गए और तब कहीं जाकर 1993 में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग अस्तित्व में आया जो समय-समय पर मानवाधिकारों के हनन के संदर्भ में केंद्र तथा राज्यों को अपनी अनुशंसाएँ भेजता है।

वर्तमान समय में देश में जिस तरह का माहौल आए दिन देखने को मिलता है ऐसे में मानवाधिकार और इससे जुड़े आयामों पर चर्चा महत्त्वपूर्ण हो जाती है। देश भर में मॉब लिंचिंग की घटनाएं, बिहार के मुजफ्फरपुर और उसके तुरंत बाद उत्तर प्रदेश के देवरिया में शेल्टर होम की बच्चियों के साथ हुए वीभत्स कृत्य देश में मानवाधिकारों की धज्जियाँ उड़ाते दिखते हैं।

कई विवादास्पद घटनाओं जैसे- ऑपरेशन ब्लू स्टार के बाद उत्पन्न दंगे, शाहबानो मामले के बाद मौलानाओं में भड़की विरोध की चिंगारी, बाबरी मस्जिद ध्वस्त होने के बाद देश भर में हुए दंगे, गुजरात में हुए हिन्दू-मुस्लिम दंगे, कश्मीर में आए दिन हो रहे दंगे इत्यादि के समय भी देश के नागरिकों के मानवाधिकारों का हनन किसी से छिपा नहीं है।

हालांकि ऐसे कई मसले हमें देखने को मिल जाते हैं जब मानवाधिकारों के उल्लंघन का गंभीर मुद्दा उठाते हुए ठलफउ अपने कर्त्तव्यों का बखूबी पालन करता है लेकिन फिर भी आयोग अन्य कई मामलों पर अपनी अनुशंसाएँ देने में खुद को लाचार पा रहा है। तो क्या इसे एक निष्प्रभावी संस्था मान लिया जाए? लिहाजा सवाल उठता है कि इस लाचारी के क्या कारण हैं और क्या इस लाचारी का कोई समाधान है? इस लेख के माध्यम से हम इन्हीं सवालों के जवाब तलाशने की कोशिश करेंगे।

एक वाक्य में कहें तो मानवाधिकार हर व्यक्ति का नैसर्गिक या प्राकृतिक अधिकार है। इसके दायरे में जीवन, आजादी, बराबरी और सम्मान का अधिकार आता है। इसके अलावा गरिमामय जीवन जीने का अधिकार, राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक अधिकार भी इसमें शामिल हैं।

संयुक्त राष्ट्र द्वारा अपनाए गए मानवाधिकार संबंधी घोषणापत्र में भी कहा गया था कि मानव के बुनियादी अधिकार किसी भी जाति, धर्म, लिंग, समुदाय, भाषा, समाज आदि से इतर होते हैं। रही बात मौलिक अधिकारों की तो ये देश के संविधान में उल्लिखित अधिकार है। ये अधिकार देश के नागरिकों को और किन्हीं परिस्थितियों में देश में निवास कर रहे सभी लोगों को प्राप्त होते हैं। यहाँ पर एक बात और स्पष्ट कर देना उचित है कि मौलिक अधिकार के कुछ तत्त्व मानवाधिकार के अंतर्गत भी आते हैं जैसे- जीवन और वैयक्तिक स्वतंत्रता का अधिकार। भारत ने मानवाधिकार संरक्षण अधिनियम, 1993 के तहत राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग का गठन और राज्य मानवाधिकार आयोगों के गठन की व्यवस्था करके मानवाधिकारों के उल्लंघनों से निपटने हेतु एक मंच प्रदान किया है।

भारत में मानवाधिकारों की रक्षा के संदर्भ में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग देश की सर्वोच्च संस्था के साथ-साथ मानवाधिकारों का लोकपाल भी है। उच्चतम न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश इसके अध्यक्ष होते हैं। यह राष्ट्रीय मानवाधिकारों के वैश्विक गठबंधन का हिस्सा है। साथ ही यह राष्ट्रीय मानवाधिकार संस्थानों के एशिया पेसिफिक फोरम का संस्थापक सदस्य भी है।

मानवाधिकार संरक्षण अधिनियम,1993 की धारा 12(ज) में यह परिकल्पना भी की गई है कि विकसित समाज के विभिन्न वर्गों के बीच मानवाधिकार साक्षरता का प्रसार करेगा और प्रकाशनों, मीडिया, सेमिनारों तथा अन्य उपलब्ध साधनों के जरिये इन अधिकारों का संरक्षण करने के लिये उपलब्ध सुरक्षोपायों के बारे में जागरूकता बढ़ाएगा।

इस आयोग ने देश में आम नागरिकों, बच्चों, महिलाओं, वृद्धजनों के मानवाधिकारों, अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों के अधिकारों की रक्षा के लिये समय-समय पर अपनी सिफारिशें सरकार तक पहुँचाई हैं और सरकार ने कई सिफारिशों पर अमल करते हुए संविधान में उपयुक्त संशोधन भी किये हैं।

शिकायतें प्राप्त करना तथा लोकसेवकों द्वारा हुई भूल-चूक अथवा लापरवाही से किये गए मानवाधिकारों के उल्लंघन की जाँच-पड़ताल शुरू करना इसमें शामिल हैं ताकि मानवाधिकारों के उल्लंघन को रोका जा सके।

एक आँकड़े के अनुसार, अप्रैल 2017 से लेकर दिसंबर 2017 की अवधि के दौरान लगभग 61,532 मामले विचार हेतु दर्ज किये गए और आयोग ने लगभग 66,532 मामलों का निपटारा किया। इस अवधि के दौरान आयोग द्वारा नागरिक और राजनीतिक अधिकारों, सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकारों के कथित उल्लंघन के 49 मामलों की मौके पर जाँच की गई।

कैदियों की जीवन-दशाओं का अध्ययन करना, न्यायिक हिरासत तथा पुलिस हिरासत में हुई मृत्यु की जाँच-पड़ताल करना भी आयोग के कार्य-क्षेत्र में शामिल है। भारत में मानवाधिकार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मानवाधिकार के क्षेत्र में शोध-कार्य करना भी मानवाधिकार के कार्यों के अंतर्गत आता है।

**इसके अलावा भी यह आयोग कई और कार्य करता है जैसे-**

समाज के विभिन्न वर्गों में मानवाधिकार से संबंधित जागरूकता बढ़ाना।

किसी लंबित वाद के मामले में न्यायालय की सहमति से उस वाद का निपटारा करवाना।

लोकसेवकों द्वारा किसी भी पीड़ित व्यक्ति या उसके सहायतार्थ किसी अन्य व्यक्ति के मानवाधिकारों के हनन के मामलों की शिकायत की सुनवाई करना।

मानसिक अस्पताल अथवा किसी अन्य संस्थान में कैदी के रूप में रह रहे व्यक्ति के जीवन की स्थिति की जाँच की व्यवस्था करना।

संविधान तथा अन्य कानूनों के संदर्भ में मानवाधिकारों के संरक्षण के प्रावधानों की समीक्षा करना तथा ऐसे प्रावधानों को प्रभावपूर्ण ढंग से लागू करने के लिये सिफारिश करना।

आतंकवाद या अन्य विध्वंसक कार्य के संदर्भ में मानवाधिकार को सीमित करने की जाँच करना।

गैर-सरकारी संगठनों तथा अन्य ऐसे संगठनों को बढ़ावा देना जो मानवाधिकार को प्रोत्साहित करने तथा संरक्षण देने के कार्य में शामिल हों इत्यादि।

इस तरह राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग हरसंभव भारत में मानवाधिकार की सुरक्षा के लिये आगे बढ़कर पहल करता है। इसके बावजूद कई दफा देखने को मिलता है कि जिस हिसाब से व्यक्ति के मानवाधिकार की रक्षा होनी चाहिये वह नहीं हो पाती। तो क्या इसके लिये मानवाधिकार आयोग को दोषी माना जाए या फिर हमारे यहाँ की व्यवस्था में ही खोट है?

## भारत में मानवाधिकारों की स्थिति

देश के विशाल आकार और विविधता, विकासशील तथा संप्रभुता संपन्न धर्मनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक गणतंत्र के रूप में इसकी प्रतिष्ठा तथा पूर्व में औपनिवेशिक राष्ट्र के रूप में इसके इतिहास के परिणामस्वरूप भारत में मानवाधिकारों की परिस्थिति एक प्रकार से जटिल हो गई है।

भारत का संविधान मौलिक अधिकार प्रदान करता है, जिसमें धर्म की स्वतंत्रता भी निहित है। इन्हीं स्वतंत्रताओं का फायदा उठाते हुए आए दिन सांप्रदायिक दंगे होते रहते हैं। इससे किसी एक धर्म के मौलिक अधिकारों का हनन नहीं होता है बल्कि उन सभी लोगों के मानवाधिकार आहत होते हैं जो इस घटना के शिकार होते हैं तथा जिनका घटना से कोई संबंध नहीं होता जैसे- मासूम बच्चे, गरीब पुरुष-महिलाएँ, वृद्धजन इत्यादि।

दूसरी तरफ, भारत के कुछ राज्यों से अफस्पा कानून इसलिये हटा दिये गए क्योंकि इस कानून के जरिये सैन्य-बलों को दिए गए विशेष अधिकारों का दुरूपयोग होने की वारदातें सामने आने लगीं। उदाहरण के तौर पर बिना वारंट किसी के घर की तलाशी लेना; किसी असंदिग्ध व्यक्ति को बिना किसी वारंट के गिरफ्तार करना; यदि कोई व्यक्ति कानून तोड़ता है, अशांति फैलाता है, तो उसे प्रताड़ित करना; महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार करना इत्यादि खबरें अक्सर अखबारों में रहती थीं।

लिहाजा यहाँ सवाल उठता है कि आजादी के इतने वर्षों बाद भी भारत में मानवाधिकार पल-पल किसी-न-किसी तरह की प्रताड़ना का दंश झेल रहा है। ऐसे में यह जानना जरूरी हो जाता है कि ऐसी कौन-सी चुनौतियाँ हैं

## भारत में मानवाधिकार आयोग के सामने मौजूदा चुनौतियाँ

केंद्र सरकार तथा राज्य सरकारें आयोग की सिफारिशें मानने के लिये बाध्य नहीं हैं। लिहाजा मानवाधिकारों के मजबूती से प्रभावी नहीं रहने का सबसे बड़ा कारण राजनीतिक इच्छाशक्ति का अभाव ही है। यही कारण है कि हर जिले में एक मानवाधिकार न्यायालय की स्थापना का प्रावधान कागजो पर ही रह गया।

वहीं दूसरी तरफ राज्य मानवाधिकार आयोग केंद्र से जवाब-तलब नहीं कर सकता है। इसका मतलब यह हुआ कि सशस्त्र बल उनके दायरे से बाहर हैं। यहाँ तक कि राष्ट्रीय आयोग भी सशस्त्र बलों पर मानवाधिकार के हनन के आरोप लगने पर केंद्र से महज रिपोर्ट मांग सकता है। जबकि गवाहों को बुला नहीं सकता, उनकी जाँच-पड़ताल, पूछताछ नहीं कर सकता। साथ ही आयोग के पास मुआवजा दिलाने के लिये सक्रियता तो है लेकिन आरोपियों को पकड़ने की दिशा में जाँच-पड़ताल करने का अधिकार नहीं है। सरल शब्दों में कहें तो आज भी मानवाधिकार आयोग के पास सीमित शक्तियाँ हैं।

मानवाधिकार संरक्षण कानून के तहत आयोग उन शिकायतों की जाँच नहीं कर सकता जो घटना होने के 1 साल बाद दर्ज कराई गई हों। लिहाजा अनेक शिकायतें बिना जाँच के ही रह जाती हैं।

पदों का खाली पड़े रहना, संसाधनों की कमी, मानवाधिकारों के प्रति जनजागरूकता की कमी, अत्यधिक शिकायतें प्राप्त होना और आयोगों के अंदर नौकरशाही ढर्रे की कार्यशैली इत्यादि इन आयोगों की समस्याएँ रही हैं।

ये सभी कारण जाने-पहचाने हैं लेकिन फिर भी इन्हें कभी गंभीरता से नहीं लिया गया। लिहाजा अपने उद्देश्यों को पूरा करने में ये आयोग खुद को लाचार पाते हैं। इस स्थिति में मानवाधिकार आयोग भी सवालों के घेरे में आ गया है। इसकी तुलना उस गाय से की जाने लगी है जो चारा भी खाती है, जिसकी देखभाल भी होती है परंतु दूध नहीं दे सकती। लोगों का मानना है कि अगर मानवाधिकार आयोग आम आदमियों के लिये है तो भारत के दूरदराज इलाकों में रह रहे लोग जहाँ अशिक्षा और गरीबी व्याप्त है; अपने मूलभूत अधिकारों के बारे में अनजान क्यों हैं? मानवाधिकार आयोग के सदस्य भी तभी सचेत होते हैं जब किसी क्षेत्र-विशेष में कोई बहुत बड़ा हादसा जैसे- बलात्कार, फेक एनकाउंटर, जातिगत अथवा सांप्रदायिक हिंसा आदि हो गया हो । इन परिस्थितियों में क्या ठलफउ या राज्य मानवाधिकार आयोगों को एक निष्प्रभावी संस्था मान लिया जाए? क्या इसका हल सुप्रीम कोर्ट तथा इन आयोगों के पास है?

## आगे की राह

द्वितीय प्रशासनिक सुधार आयोग (अफउ) ने अपनी रिपोर्ट में कुछ सिफारिशें की हैं जिससे कि मानवाधिकार आयोग को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके। प्रशासनिक सुधार आयोग का मानना है कि ठलफउ को विभिन्न सांविधिक आयोगों के समक्ष शिकायतें करने के लिये एकसमान प्रारूप तैयार किया जाए। इसके लिये पीड़ितों और शिकायतकर्त्ताओं का विवरण इस ढंग से दिया जाए जिससे विभिन्न आयोगों के बीच डेटा का तालमेल अच्छे से बैठ पाए।

मानवाधिकार आयोग को शिकायतों का निपटारा करने के लिये उपयोगी मानदंड निर्धारित करने चाहिये। ऐसे मुद्दों में कार्रवाई के निर्धारण तथा उसके समन्वयन के लिये आयोग में नोडल अधिकारी नियुक्त किये जाएँ और कार्यवाही को अधिक सफल बनाने के लिये प्रत्येक सांविधिक आयोग के अंदर एक आंतरिक पद्धति विकसित की जाए।

केंद्र तथा राज्य सरकारों को भी गंभीर अपराधों से निपटने के लिये सक्रियता के साथ कदम उठाने चाहिये। इसके लिये सरकारें मानवाधिकार आयोग की सहायता भी ले सकती हैं। भीड़तंत्र को लेकर भी सरकार को सख्त कानून अपनाने की जरूरत है। साथ ही सरकारों तथा मीडिया को गंभीर मसलों के साथ-साथ आम मसलों पर अपनी उदासीनता को त्यागने की दरकार है।स्वयं राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग सहित संबद्ध राज्य आयोगों का भी यह कर्त्तव्य होना चाहिये कि वह देश के संजीदा मसले पर अपनी मौजूदगी जताकर उन समस्यायों का समाधान खोजने में सरकार की सहायता करें जो उनके अधिकार क्षेत्र के अंदर नहीं आते। तभी सही मायनों में देश में मानवाधिकारों की रक्षा हो पाएगी जब सभी संस्थाएँ मिलजुल कर देश की एकता-अखंडता को बरकरार रखने में एक-दूसरे का सहयोग करेंगी। जरूरत है तो सिर्फ एक नेक पहल की।

(लेखक सिविल कोर्ट रांचीके अधिवक्ता हैं।)

## लोकतंत्र और मानवाधिकारों का हनन

**डॉ. लोकेश कुमार**

**मानवाधिकार** दिवस 10 दिसंबर को पूरे विश्व में मनाया जाता है। यह हमें याद दिलाता है कि व्यक्ति को कुछ प्राकृतिक अधिकार जन्म से मिले हुए हैं , उन्हें प्राप्त करने के लिए उसे संघर्ष करते रहना चाहिए। विश्व के कई विकसित देश लोकतंत्र का मुखौटा लगाकर जनता के अधिकारों को हनन करने से पीछे नहीं हैं। हाल ही दिनों में बांग्लादेश में कुछ संगठनों ने पूरे देश में विरोध कर लोकतांत्रिक सरकार को बेदखल कर दिया। इसके बाद बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिन्दुओं, ईसाई और सिखों पर लगातार बहुसंख्यक समाज हमला करके उनकी सम्पत्तियों पर कब्जा कर रहा है। विरोध करने पर उनको मौत के घाट उतारा जा रहा है। साथ ही उनकी बेटियों के साथ बलात्कार किया जा रहा है।

इस मामले को लेकर अमेरिकी विदेश विभाग की प्रवक्ता मार्गरेट मैक्लाउड ने कहा कि ₹अमेरिका, बांग्लादेश में एक स्वस्थ लोकतंत्र देखना चाहता है, वहां हर व्यक्ति के मानवाधिकारों की रक्षा होनी चाहिए।' बांग्लादेश से अभी जो खबरें आ रही हैं, वे चिंताजनक हैं, हम हालात पर नजर रख रहे हैं। हमें उम्मीद है कि बांग्लादेश में लोग अपने धर्म का पालन करते हुए मानवता का जीवन जी सकेंगे। अंतरराष्ट्रीय जगत में बांग्लादेश में हो रहे मानवाधिकारों के हनन को लेकर चिंता देखी जा सकती है।

बहरहाल, सबसे पहले 1948 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा को अपनाया था। इसकी औपचारिक शुरूआत 1950 से हुई। इस दिन मानवाधिकार के क्षेत्र में संयुक्त राष्ट्र पुरस्कार और नोबल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है। मानवाधिकार शब्द का प्रयोग सबसे पहले 1940 श्रीमती इलेनोर रूजवेल्ट ने किया। उन्होंने पाया कि पूर्व में प्रयोग होने वाले शब्द ह्य मनुष्य का अधिकार ह्न में कुछ लोग महिलाओं का अधिकार शामिल नहीं मानते। हालांकि, इस अवधारणा का अस्तित्व इसमें पहले भी रहा है।

प्राचीन काल में किसी न किसी रूप में इस अवधारणा ने अपना स्थान बना लिया। प्राचीन यूनान में अरस्तू का ह्य न्याय का सिद्धांतह्न सामने आया, जिसके अनुसार बंटवारा अनुपातिक रूप में होना चाहिए। रोम में सिसरो ने जिस प्राकृतिक कानून सिद्धांत का उल्लेख किया, उसके अनुसार कानून प्रकृति ने स्थापित किया। सिसरो ने ह्य जूस ने चुरालह्न का सिद्धांत दिया, जिसके अनुसार कानून को प्रकृति ने स्थापित किया है और कानून सब लोगों पर हर समय लागू है। प्राचीन काल में महाभारत के शांति पर्व में शासक के आचरण और राजत्व के सिद्धांत के बारे में कहा गया है। अर्थशास्त्र में प्रजा के कल्याण में राजा का कल्याण बताया गया है। सम्राट अशोक ने कलिंग अभिलेख में प्रजा को संतान की तरह माना और अधिकारियों को जनता पर अत्याचार नहीं करने की चेतावनी दी थी। राजनीतिक चिंतक जेएस मिल ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार पर जोर दिया। 1776 में अमेरिकी क्रांति के बाद स्वाधीनता की घोषणा की गई। इसमें कहा गया कि ह्य हमारे लिए यह स्वयं सिद्ध सत्य है कि सभी मनुष्य जन्म से समान हैं। ह्न

फ्रांस में 1789 में क्रांति हुई, जिसमें स्वतंत्रता, समानता और भाईचारे के नारे दिए गए। फ्रांस में संविधान बना, जिसमें मनुष्य के जन्मजात अधिकारों को मान्यता दी गई। अमेरिकन संविधान विश्व का प्रथम संविधान बना, जिसमें मानव अधिकारों को लिपिबद्ध किया गया और इनके संरक्षण की व्यवस्था की गई।

मानवाधिकारों की अनिवार्यता : मानवाधिकार सभ्य समाज की आधारशिला है। लोकतांत्रिक व्यवस्था के मजबूत होने के साथ-साथ इन अधिकारों को अधिक सम्मान देना अनिवार्य हो गया है। मानवाधिकारों की रक्षा और प्रवर्तन करना बहुत जरूरी है ताकि मानव की गरिमा को कायम रखा जा सके। मानवाधिकार व्यक्ति को जन्म से ही प्राप्त होते हैं और उसके सर्वांगीण विकास के लिए यह जरूरी है कि इनकी रक्षा की जानी चाहिए। मानवाधिकार मानव के जन्मसिद्ध अधिकार हैं और इन्हें मानव से अलग कर देने से व्यक्ति के व्यक्तित्व का विकास नहीं होगा। व्यक्ति का स्थान अन्य संस्थाओं से ऊंचा है इसलिए उसके अधिकारों की रक्षा को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। समाज, सरकार और अन्य संगठन तभी सफल माने जा सकते हैं जब वे व्यक्ति के अधिकारों की रक्षा कर सकें। मानवाधिकारों की रक्षा इसलिए भी जरूरी है कि इनकी रक्षा से राष्ट्रीय और अन्तरराष्ट्रीय सुरक्षा जुड़ी है। नाजी (जर्मनी), फासी (इटली) और कम्युनिष्ट सरकारों ने व्यक्ति के अधिकार की अवहेलना की, फलतः उन्हें जनता के विरोध और अन्य राष्ट्रों से युद्ध का सामना करना पड़ा और अंततः सरकारें नष्ट हो गई। कल्याणकारी राज्य सिद्धांत के अनुसार राज्य का पहला कर्त्तव्य है कि जनता के कल्याण और सुख की व्यवस्था करना। इसकी प्राप्ति के लिए मानवाधिकारों की रक्षा जरूरी है। आज के अन्तरराष्ट्रीयवाद के दौर में कोई भी देश इन अधिकारों को अनदेखा करके अपना अस्तित्व नहीं बचा सकता। संयुक्त राष्ट्र संघ के दबाव और अन्य राष्ट्रों के बहिष्कार के चलते प्रत्येक देश को इन अधिकारों को मान्यता देनी पड़ी है।

भारत में मानवाधिकार की स्थितिः भारत में दलितों को मानवाधिकार मिलना दूर की कोड़ी बनी हुई है। देश को आजाद हुए आज 75 वसंत से अधिक गुजर गए, लेकिन आज भी दलित के साथ हर समय भेदभाव को शिकार होना पड़ रहा है। सामाजिक समरसता के अनेक लोक लुभावने नारे और दलित विमर्श के बाद भी भारतीय समाज अनेक जातियों, वर्गों और श्रेणियों के छोटे-छोटे दायरों में बंटा हुआ है। ये दायरे अक्सर एक-दूसरे के सामने आक्रामक मुद्रा में खड़े दिखाई देते हैं। इसलिए आज भी हम एक भारतीय समाज नहीं बना पाए हैं, कभी हम धर्मों में बंट जाते हैं और कभी हम वर्गों में और कभी हम जातियों में। आज मानव जाति के सामने सबसे बड़ी चुनौती सम्मानपूर्वक जीवन यापन करने की है।

## मानवता के लिए सार्थक बने मानवाधिकार दिवस

**(मानवाधिकार दिवस/10 दिसंबर विशेष)**

**रमेश सर्राफ धमोरा**

संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 10 दिसम्बर 1948 को विश्व मानवाधिकार घोषणा पत्र जारी कर प्रथम बार मानवाधिकार व मानव की बुनियादी मुक्ति पर घोषणा की थी। वर्ष 1950 में संयुक्त राष्ट्र ने हर वर्ष की 10 दिसंबर को विश्व मानवाधिकार दिवस मनाना तय किया था। 73 वर्ष पहले पारित हुआ विश्व मानवाधिकार घोषणा पत्र एक मील का पत्थर है, जिसने समृद्धि, प्रतिष्ठा व शांतिपूर्ण सह अस्तित्व के प्रति मानव की आकांक्षा प्रतिबिंबित की है। आज यही घोषणा पत्र संयुक्त राष्ट्र संघ का एक बुनियादी भाग है। 10 दिसंबर, 2024 को दुनिया की सबसे महत्वपूर्ण वैश्विक प्रतिज्ञाओं में से एक मानव अधिकारों की सार्वभौम घोषणा की 76वीं वर्षगांठ है। 2024 में मानवाधिकार दिवस की थीम असमानताओं को कम करना और मानव अधिकारों को आगे बढ़ाना है।

कहने में मानवाधिकार शब्द बहुत बड़ा है, क्योंकि मानवाधिकारों से हर व्यक्ति का हित जुड़ा होता है। आज के दौर में कोई भी मानव को उनके वास्तविक अधिकार नहीं देना चाहता है। राजनेता मानव अधिकार की बात तो जोरशोर से करते हैं। मगर जब अधिकार देने की बारी आती है तो पीछे खिसकने लगते हैं। राजनेताओं को पता है कि यदि लोगों को उनके अधिकार मिल गये तो तो उनकी नेतागिरी बन्द हो जायेगी। हमारे देश के संविधान में मानव को बहुत सारे अधिकार दिये गये हैं। मगर उन पर अमल नहीं हो पाता है। मानव अधिकारों की रक्षा के लिये बनाये गये कानून महज कागजो में सिमट कर रह जाते हैं।

मानव अधिकार वे मूल अधिकार हैं जो इस धरती पर प्रत्येक व्यक्ति के पास हैं। मानवाधिकार मौलिक अधिकार और स्वतंत्रता हैं। मानवाधिकारों में जीवन और स्वतंत्रता का अधिकार, गुलामी और यातना से मुक्ति, राय और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, काम और शिक्षा का अधिकार और बहुत कुछ शामिल हैं। बिना किसी भेदभाव के हर कोई इन अधिकारों का हकदार है। भारत का स्वतंत्रता आंदोलन मानवाधिकारों के लिए प्रेरणा का एक बड़ा स्त्रोत रहा है। कुछ अधिकार ऐसे होते है जो व्यक्ति को जन्मजात मिलते है। उन अधिकारों का व्यक्ति के आयु, प्रजातीय मूल, निवास-स्थान, भाषा, धर्म पर कोई असर नहीं पड़ता।

भारत में 28 सितम्बर, 1993 से मानव अधिकार कानून अमल में आया। 12 अक्टूबर, 1993 में सरकार ने राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग का गठन किया। आयोग के कार्यक्षेत्र में नागरिक और राजनीतिक के साथ आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकार भी आते हैं। जैसे बाल मजदूरी, स्वास्थ्य, भोजन, बाल विवाह, महिला अधिकार, हिरासत और मुठभेड़ में होने वाली मौत, अल्पसंख्यकों और अनुसूचित जाति और जनजाति के अधिकार। पूरे विश्व में इस बात को अनुभव किया गया है और इसीलिए मानवीय मूल्यों की अवहेलना होने पर वे सक्रिय हो जाते हैं। इसके

लिए हमारे संविधान में भी उल्लेख किया गया है। संविधान के अनुच्छेद 14,15,16,17,19,20,21,23,24,39,43,45 देश में मानवाधिकारों की रक्षा करने के सुनिश्चित हैं।

देश के विशाल आकार व विविधता तथा सम्प्रभुता सम्पन्न धर्म-निरपेक्ष, लोकतांत्रिक गणतंत्र के रूप में इसकी प्रतिष्ठा, तथा एक भूतपूर्व औपनिवेशिक राष्ट्र के रूप में इसके इतिहास के परिणामस्वरूप भारत में मानवाधिकारों की परिस्थिति एक प्रकार से जटिल हो गई है। भारत का संविधान मौलिक अधिकार प्रदान करता है, जिसमें धर्म की स्वतंत्रता भी है। संविधान की धाराओं में बोलने की आजादी के साथ-साथ कार्यपालिका और न्यायपालिका का विभाजन तथा देश के अन्दर एवं बाहर आने-जाने की भी आजादी दी गई है। भारतीय परिदृश्य में यह समझ पाना थोड़ा मुश्किल है कि क्या वाकई में मनुष्य के लिए चिन्हित किये गए मानवाधिकारों की सार्थकता है।

इतिहास गवाह है की भारत ने कभी भी संस्कृति, धर्म या अन्य कारकों के आधार पर दूसरों को अपने अधीन करने की कोशिश नहीं की है। भारत एक ऐसा देश है जिसके मूल में मानवाधिकार की अवधारणा है। भारत के लोग मानवाधिकारों का सम्मान करते हैं और उनकी रक्षा करने का संकल्प भी लेते हैं। भारत विश्व स्तर पर आज भी मानवाधिकार का समर्थन करता रहा है। मानवाधिकार दिवस की नींव विश्व युद्ध की विभीषिका से झुलस रहे लोगों के दर्द को समझ कर और उसको महसूस कर रखी गई थी। किसी भी इंसान की जिन्दगी, आजादी, बराबरी और सम्मान के अधिकार का नाम ही मानवाधिकार है। भारतीय संविधान इन अधिकारों की न सिर्फ गारंटी देता है, बल्कि इसे तोडने वाले को अदालत सजा भी देती है।

पूरी दुनिया में मानवता के खिलाफ हो रहे जुल्मो-सितम को रोकने, उसके खिलाफ संघर्ष को नई परवाज देने में इस दिवस की महत्वपूर्ण भूमिका है। हर शख्स को बराबरी का अधिकार देना लोकतंत्र का अहम घटक है। यही वजह है कि आज ज्यादातर सरकार इस अधिकार को कायम करने की कोशिश कर रही है। इंसानी अधिकार हमारे अस्तित्व और दुनिया में आत्मसम्मान से रहने की गारंटी होते हैं। हमारी भौतिक और आत्मिक सुरक्षा बरकरार रखते हुए लगातार तरक्की में अहम होते हैं। इसके अंतर्गत भोजन का अधिकार, शिक्षा का अधिकार, शोषण से रक्षा का अधिकार, प्रवास का अधिकार, बाल शोषण, उत्पीड़न पर रोक, महिला हिंसा, असमानता, धार्मिक हिंसा पर रोक जैसे कई मजबूत कानून बनाए गए हैं। यही वजह है कि हर लोकतांत्रिक देश मानवाधिकार अधिकारों की सशक्त पैरवी करते नजर आते हैं।

इस दुनिया में जो भी मानव जन्म लेता है उसके साथ उसके कुछ अधिकार भी वजूद में आते हैं। कुछ अधिकार हमें परिवार देता है तो कुछ समाज, कुछ अधिकार हमारा मुल्क देता है, तो कुछ दुनिया। लेकिन आज भी दुनिया में बहुत से लोग ऐसे हैं जो या तो अपने अधिकारों से अंजान है या उनके अधिकारों का हनन किया जा रहा है। कभी जाति के नाम पर तो कभी धर्म के नाम पर, कभी लिंग भेदभाव के जरिए तो कभी रंग भेद नीति को अपनाकर लोगों के इन अधिकारों को कुचला जा रहा है। हर तबके, हर शहर और दुनिया के कोने-कोने में किसी न किसी वजह से लोगों को बराबरी के हक से महरूम रखने का सिलसिला बदस्तूर जारी है। इतिहास गवाह है कि दुनिया में हुई बड़ी से बड़ी क्रांति के पीछे अधिकारों का हनन ही

खबर एक नजर में

## डीएवी नेशनल स्पोर्ट्स में डीएवी के छात्रों ने लहराया परचम

जश्न मनाते डीएवी के छात्र

**खबर मन्त्र संवाददाता**

**गढ़वा।** शहर के बीपी डीएवी पब्लिक स्कूल के बच्चों ने दिल्ली में नेशनल लेवल पर आयोजित डीएवी नेशनल स्पोर्ट्स प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन गोल्ड मेडल तथा दो सिल्वर मेडल जीता। विभिन्न खेलों में क्लस्टर एवं राज्य स्तर पर शानदार प्रदर्शन करते हुए डीएवी के 14 छात्र नेशनल लेबल के लिए क्वालीफाई किया। ये सभी विद्यार्थी विद्यालय के खेल प्रभारी अमियो मुखर्जी एवं शिक्षिका शुभलता कुमारी के नेतृत्व में डीएवी गढ़वा की टीम ने दिल्ली और एनसीआर में नोएडा स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स, दिल्ली खेल गांव, ध्यानचंद स्टेडियम जैसे राजधानी के प्रमुख स्टेडियम में देश के हर एक राज्य से आए हुए 25 हजार छात्र-छात्राओं के साथ विभिन्न खेल प्रतियोगिता में भाग ली।

जिसमें बीपी डीएवी स्कूल से रोलर स्केटिंग, वेट लिफ्टिंग, एथलेटिक्स और स्पोर्ट्स एरोबिक्स के टीम शामिल थे। ज्ञात हो कि पूरे भारत में 1000 से अधिक डीएवी विद्यालय हैं जिनमें शिक्षा के साथ-साथ खेल पर भी बल दिया जाता है। प्रति वर्ष डीएवी नेशनल स्पोर्ट्स का आयोजन क्लस्टर, स्टेट, नेशनल लेबल पर होता है। सर्वप्रथम क्लस्टर लेबल पर एक ज़ोन के अंदर आने वाले विद्यालय के विद्यार्थी खेल में भाग लेते हैं। क्लस्टर लेबल में चयनित छात्र स्टेट लेबल खेलते हैं तथा स्टेट लेबल से विजेता खिलाड़ी नेशनल लेबल खेलने जाते हैं। नेशनल लेबल खेलों में असाधारण खेल का प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का छात्र आदर्श कुमार ने अंडर-14 में वेट लिफ्टिंग में गोल्ड मेडल जीता, जबकि शौर्य राज ने भी अंडर-14 में वेट लिफ्टिंग में गोल्ड मेडल जीता। यश राज ने अंडर-19 में वेट लिफ्टिंग में सिल्वर मेडल जीता, जबकि गुलब्सा परवीन ने अंडर-17 गर्ल्स वेट लिफ्टिंग में गोल्ड मेडल जीता। साथ ही, शशि चंचल ने स्पोर्ट्स एरोबिक्स में सिल्वर मेडल जीतकर अपने परिवार और स्कूल का नाम रौशन किया है।

एरोबिक्स अंडर 17 बालिका वर्ग आयत नाज तथा एरोबिक्स अंडर 19 बालिका वर्ग में तन्वी सिंह ने नेशनल लेबल पर चतुर्थ स्थान हासिल किया। स्केटिंग में विद्यालय की छात्रा सृजन सिन्हा ने नेशनल लेबल पर पंचम स्थान हासिल किया। दिल्ली से लौटने के बाद विजेता छात्रों को सम्मानित करने हुए विद्यालय में समारोह का आयोजन किया गया। मौके पर विद्यालय के प्राचार्य राकेश कुमार सिन्हा ने बच्चों को बधाई और आशीर्वाद देते हुए कहा यह उपलब्धि न सिर्फ बीपी डीएवी पब्लिक स्कूल की या इसके बच्चों की है अपितु यह गढ़वा जिले के लिए असाधारण उपलब्धि है।

## क्षेत्र भ्रमण कर पूर्व मंत्री ने लिया कार्यकर्ताओं का हाल-चाल

**गढ़वा।** झारखंड सरकार के पूर्व मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर ने सोमवार को विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न क्षेत्रों में भ्रमण कर कार्यकर्ताओं का हाल-चाल लिया। इस दौरान श्री ठाकुर रंका कला मुखिया सविता गुप्ता की निधन की खबर सुनकर मृतका के घर पहुंचे। उन्होंने परिजनों को सांत्वना दी।

## चौक चौराहे पर अलाव की व्यवस्था नहीं होने से राहगीर परेशान

**भवनाथपुर।** ठंड में अलाव की व्यवस्था न होने से मजदूर वर्ग परेशान है। भवनाथपुर प्रखंड में ठंड का प्रकोप बढ़ता जा रहा है, लेकिन चौक-चौराहों पर सरकारी स्तर पर अलाव की कोई व्यवस्था नहीं की गई है। मजदूर वर्ग और गरीब तबके के लोग रात में ठंड से ठिठुरने को मजबूर हैं। झामुमो प्रखण्ड अध्यक्ष मनोज प्रसाद यादव अंचलाधिकारी से मिलकर मांग की है कि ठंड से बचाव के लिए अलाव जलाने के साथ-साथ जरूरतमंदों को कंबल और अन्य सहायता प्रदान की जाए।

## उत्क्रमित प्लस टू उवि के अध्यक्ष बने प्रभुनाथ

**केतार।** उत्क्रमित प्लस टू उच्च विद्यालय छाताकुण्ड में सोमवार को विद्यालय प्रबंधन समिति का पुनर्गठन शिव शंकर प्रसाद की अध्यक्षता में किया गया। मौके पर पर्यवेक्षक के रूप में उपस्थित बिरेंद्र राम, प्रेम कुमार गुप्ता, नवीन प्रकाश व धर्मनाथ पासवान ने बताया कि प्रत्येक विद्यालय में विद्यालय प्रबंधन समिति का पुनर्गठन प्रत्येक तीन साल के अंतराल पर होता है। 19 सदस्यीय विद्यालय प्रबंधन समिति में 12 सदस्य छात्र-छात्राओं के माता-पिता होते हैं। जबकि सरकारी नियमानुसार सात अन्य सदस्य नामित होते हैं।

### बिहार अभियंत्रण विवि के प्रथम दीक्षांत समारोह में

# मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मेधावियों को किया सम्मानित

**एजेंसी**

**पटना।** मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को बिहार अभियंत्रण विश्वविद्यालय के प्रथम दीक्षांत समारोह का दीप प्रज्जवलित कर शुभारंभ किया। समारोह में मुख्यमंत्री ने अभियंत्रण परीक्षा में अव्वल आने वाले छात्र-छात्राओं को डिग्री, मेडल एवं लैपटॉप प्रदान कर उन्हें सम्मानित किया। विज्ञान प्रावैधिकी एवं तकनीकी शिक्षा विभाग द्वारा तैयार की गयी विभागीय उपलब्धियों पर आधारित लघु फिल्म मुख्यमंत्री के समक्ष प्रदर्शित की गयी। मुख्यमंत्री ने बिहार अभियंत्रण विश्वविद्यालय के पुस्तक का विमोचन किया। मुख्यमंत्री सचिवालय स्थित 'संवाद' में आयोजित दीक्षांत समारोह में विज्ञान प्रावैधिकी एवं तकनीकी शिक्षा विभाग की सचिव डॉ प्रतिमा ने मुख्यमंत्री को हरित पौधा एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर उनका अभिनंदन किया। कार्यक्रम के अंत में सम्मानित होनेवाले छात्र-छात्राओं ने मुख्यमंत्री के साथ सामूहिक तस्वीर खिंचवाई। मुख्यमंत्री ने सम्मानित होनेवाले छात्रों को बधाई एवं शुभकामनायें देते हुए उनके उज्वल भविष्य की कामना की। बिहार सरकार के सात निश्चय कार्यक्रम के तहत सभी जिलों में राजकीय अभियंत्रण महाविद्यालय की स्थापना करायी गयी है। मुख्यमंत्री की यह परिकल्पना थी कि राज्य में अलग से एक स्वतंत्र अभियंत्रण विश्वविद्यालय की स्थापना की जाय ताकि पठन-पाठन का सत्र नियमित रूप से होने के साथ-साथ तकनीकी शिक्षा की गुणवत्ता में भी सुधार हो सके। इसको ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री के नेतृत्व में बिहार अभियंत्रण विश्वविद्यालय की स्थापना की गयी है। विज्ञान प्रावैधिकी एवं तकनीकी शिक्षा विभाग द्वारा तकनीकी शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए हरसंभव प्रयास किया जा रहा है। प्रत्येक अभियंत्रण महाविद्यालय में उच्चस्तरीय आधारभूत संरचना, उच्च गुणवत्ता के प्रयोगशाला, वर्कशॉप एवं स्मार्ट क्लासरूम का निर्माण किया जा रहा है। मुख्यमंत्री की सोच के अनुरूप अभियंत्रण महाविद्यालय को पूर्ण रूप से आवासीय बनाया जा रहा है जहां छात्रावास एवं शिक्षकों के लिए आवास का निर्माण कराया जा रहा है। इस मौके पर उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा, जल संसाधन एवं संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी, शिक्षा मंत्री सुनील कुमार, विज्ञान, प्रावैधिकी एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री सुमित कुमार सिंह सहित बिहार अभियंत्रण विश्वविद्यालय से जुड़े शिक्षकगण-कर्मचारीगण, छात्र-छात्राएं एवं अभिभावकगण उपस्थित थे।

## बिहार में 12 जिलों में बारिश का अलर्ट

**एजेंसी**

**पटना।** बिहार में सर्द पछुआ हवा के साथ सुबह के समय अगले दो दिन यानी 11 दिसम्बर तक घने स्तर का कोहरा छाए रहने की संभावना है। इसके साथ आज बिहार के 12 जिलों में बारिश का भी अलर्ट जारी किया गया है। पटना मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक, सक्रिय मौसमी सिस्टम के प्रभाव से मौसम में बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है, जिससे ठंडी में बढ़ोतरी देखी जा रही है। एक चक्रवातीय परिसंचरण दक्षिण असम के आसपास समुंद्र तल से 1.5 किलोमीटर ऊपर बना हुआ है। उत्तर पश्चिमी भारत में समुद्र तल से 12.1 किलोमीटर ऊपर जेट स्ट्रीम की तेज हवाएं चल रही है। इन मौसमी गतिविधियों की वजह से बिहार में उत्तर-पूर्व और दक्षिण-पूर्व शहरों में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे जबकि 11 दिसम्बर तक 24 जिलों में घने स्तर का कोहरे छाए रहने की संभावना है। इसको लेकर येलो अलर्ट जारी किया गया है।

## कड़ाके की ठंड में ठिठुर रहे हैं मुसहर समाज के लोग

जानकारी देते मुसहर समाज के लोग

**खबर मन्त्र संवाददाता**

**डंडई।** प्रखंड क्षेत्र में कड़ाके की ठंड पड़ने लगी है, जिससे लोगों का हाल बेहाल है। प्रखंड कार्यालय के पीछे निवास करने वाले मुसहर समाज के लोग कड़ाके की ठंड से ठिठुर रहे हैं। प्लास्टिक नुमा झोपड़ी में रहने से उक्त परिवार के लोगों को सर्द हवा भी सता रही है। उनके पास ठंड से बचाव के लिए पर्याप्त गर्म कपड़े नहीं है। ठंड से परेशान मुसहर समाज के लोगों का कहना है कि इन दिनों कड़ाके की ठंड पड़ने लगी है। वहीं हल्की-फुल्की वर्षा भी हो रही है जिससे हम लोग और परेशान है। बताया कि हम लोगों को गर्म कंबल के बिना रहना मुश्किल हो रहा है। किसी तरह वनतुलसी व अन्य झाड़ी की सूखी झुरी के सहारे आग सुलगा कर ठंड को भगा रहें है। लोगों ने संबंधित विभाग के पदाधिकारी और स्थानीय जनप्रतिनिधियों से मांग किया है कि हम लोगों को ठंड से बचाव के लिए गर्म कंबल उपलब्ध कराया जाए। वहीं बढ़ती ठंड को लेकर स्थानीय ग्रामीणों ने कहा कि विभाग की ओर से प्रखंड क्षेत्र के चौक चौराहों पर अलाव की व्यवस्था नहीं हुई है। कड़ाके की ठंड से लोग ठिठुर रहे हैं। रोजमर्रा के जिंदगी से जूझ रहे ठेला, खुमचा, गुमटी वाले लोगों का भी कहना है कि अभी तक हम लोगों को कंबल नहीं मिला है और ना ही चौक चौराहा पर अलाव की व्यवस्था की गई है। इस संबंध में बीडीओ देवलाल करमाली ने बताया कि वरीय पदाधिकारी की ओर से अभी तक कंबल वितरण की कोई सूचना नहीं मिली है। सूचना मिलते ही गरीबों को अवगत कराया जाएगा और गर्म कपड़ा आते ही वितरण की जाएगी। अंचलाधिकारी राजकुमार प्रजापति ने कहा कि जल्द ही अंचल क्षेत्र में अलाव की व्यवस्था कराई जाएगी ताकि लोगों को ठंड से राहत मिल सके।

## झामुमो प्रखंड अध्यक्ष ने दी मृतक के परिवार को आर्थिक मदद

**भवनाथपुर।** प्रखंड के एक गरीब मुसहर परिवार में हुई एक व्यक्ति की मृत्यु के बाद उनके क्रियाक्रम में आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। ऐसे समय में झारखंड मुक्ति मोर्चा के प्रखंड अध्यक्ष मनोज प्रसाद यादव ने परिवार की मदद के लिए हाथ बढ़ाया। बीते 29 नवंबर को अनिल मुसहर की पेड़ से गिर कर मौत हो गई थी।

मृतक अनिल मुसहर के परिवार की आर्थिक स्थिति बेहद दयनीय थी, जिससे क्रियाक्रम की व्यवस्था करना भी उनके लिए मुश्किल हो रहा था।

## प्यार में धोखा खाई युवती का सहारा बना कन्या विवाह एंड विकास सोसाइटी

जानकारी देती रेखा कुमारी

**गढ़वा।** प्यार में धोखा खाकर बेसहारा बन चुकी युवती जिले के धुरकी थाना क्षेत्र के टाटीदीरी गांव निवासी 18 वर्षीय रेखा कुमारी का कन्या विवाह एंड विकास सोसाइटी सहारा बना। संस्था के सचिव विकास कुमार माली ने उसकी स्थिति से अवगत होने के बाद प्रशासन के प्रयास से रेखा और उसके बच्चे को सुरक्षा और आश्रय देने की जिम्मेदारी उठाई। संस्था के सचिव श्री माली ने कहा कि रेखा को कोर्ट के आदेश आने तक पूरी सुरक्षा और हर संभव मदद दी जाएगी। हमारी संस्था बेसहारों को हर संभव मदद करने को तत्पर है। बताया जाता है कि रेखा न्याय के लिए संघर्ष कर रही है। रेखा ने बताया कि मेराल थाना क्षेत्र के देवगाना गांव निवासी सुजीत प्रजापति ने उसे शादी का झांसा देकर करीब एक साल पहले शारीरिक संबंध बनाया। जब रेखा ने गर्भवती होने की बात सुजीत को बतायी तो उसने बच्चा होने के बाद शादी करने का वादा किया। एक अगस्त को रेखा ने एक बच्चे को जन्म दी। जब उसने सुजीत से शादी की बात की, तो उसने साफ इनकार कर दिया। सुजीत का दावा था कि बच्चा उसका नहीं है। इस धोखे से आहत रेखा ने धुरकी थाना में सुजीत के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई।

## पेज एक का शेष

### स्पीकर के नाम पर ...

सबसे पहले सीएम व मंत्रियों ने ली शपथ : षष्ठम झारखंड विधानसभा के विशेष सत्र के पहले दिन सोमवार को दिन के 11 बजकर 15 मिनट में सदन की कार्यवाही शुरू हुई। सत्र के पहले दिन प्रोटेम स्पीकर स्टीफन मरांडी ने सबसे पहले सीएम और बरहेट विधायक हेमंत सोरेन को शपथ दिलायी। फिर राधाकृष्ण किशोर, दीपक बिरुआ, चमरा लिंडा, संजय प्रसाद यादव, रामदास सोरेन, इरफान अंसारी, हफीजूल हसन, दीपिका पांडेय सिंह, योगेंद्र प्रसाद, सुदिव्य कुमार सोनू, शिल्पी नेहा तिर्की, मोहम्मद ताजुद्दीन, विधायक धनजंय सोरेन, हेमलाल मुर्मू, निसात आलम, आलोक कुमार सोरेन, रविंद्र नाथ महतो, कल्पना सोरेन, बसंत सोरेन, बाबूलाल मरांडी, सीपी सिंह सहित 80 विधायकों ने सदन के सदस्य के रूप में शपथ ली। प्रोटेम स्पीकर स्टीफन मरांडी ने शपथ ग्रहण के बाद सदन की कार्यवाही मंगलवार को दिन के 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी। वहीं, हेमलाल मुर्मू ने संताली, एमटी राजा ने उर्दू, जयराम महतो ने कुरमाली, अरूप चटर्जी ने बांग्ला और ममता देवी ने खोरठा भाषा में शपथ ली। इसके अलावा चंपई सोरेन, मथुरा महतो सहित कई विधायकों ने भी स्थानीय भाषा में शपथ ली। कांग्रेस विधायक कुमार जयमंगल और श्वेता सिंह ने हाथ में संविधान की प्रति लेकर शपथ ली। पूर्णिमा साहू ने दोनों हाथ जोड़कर विधानसभा के सदस्य के रूप में शपथ ली।

### विधायकों का दिखा ...

पूर्व सीएम चंपई सोरेन और सीपी सिंह लगातार सातवीं बार सदन पहुंचे। प्रदीप यादव लगातार छठी बार विधानसभा पहुंचने का रिकॉर्ड बनाया। दस ऐसे विधायक भी हैं, जिन्होंने जीत की हैट्रिक लगायी है। इनमें स्टीफन मरांडी, इरफान अंसारी, डॉ नीरा यादव, राज सिन्हा, सरयू राय, विकास सिंह मुंडा, आलोक कुमार चौरसिया, रवींद्रनाथ महतो, निरल पूर्ति व दशरथ गगराई शामिल हैं। स्टीफन मरांडी सबसे सीनियर विधायक हैं, जो नौ बार जीत हासिल कर चुके हैं। चार विधायकों ने चौथी बार जीत हासिल की। जीत का चौका लगानेवालों में हेमंत सोरेन, दीपक विरुआ, चमरा लिंडा और नवीन जायसवाल शामिल हैं। पहली बार जयराम महतो ने अनोखे अंदाज में सदन पहुंचे। उन्होंने सबसे पहले धरती को प्रणाम किया। इसके बाद सदन के अंदर नंगे पांव घुसे। शपथ लेने के बाद उन्होंने हेमंत सोरेन, मथुरा महतो और मंत्री दीपिका पांडेय के पैर छूकर आशीर्वाद लिया। जयराम महतो के हाथ में मौजूद लाल डायरी ने भी सबका ध्यान खींचा।

## झारखण्ड सरकार
### गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग
### झारखण्ड आन्दोलनकारी चिन्हितीकरण आयोग

69वीं औपबंधिक सूची जिला-गुमला (पार्ट-1)

| क्र0 | आवेदनकर्त्ता की विवरणी | गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग, झारखण्ड, रॉची के संकल्प संख्या-1938, दिनांक-20.04.2021 के आलोक में प्रदत्त कंडिका |
|---|---|---|
| | विवरण :- चिन्हित एवं सुविख्यात झारखण्ड आन्दोलनकारी श्री बिरेन्द तिर्की एवं मदन लोहरा के द्वारा पहचान तथा अलग राज्य आन्दोलन से संबंधित बैठक पंजी में नाम। | |
| 1. | 1. आवेदन क्र0-818/24 2. आवेदक-सुशांती देवी, पति-स्व0 महनु लोहरा<br>3. ग्राम-भरनो नवाटोली, पोस्ट-भरनो, थाना-भरनो, प्रखण्ड-भरनो<br>4. लिंग-महिला, आयु-62 वर्ष, पहचान चिन्ह-बायें पैर घाव का दाग। | कंडिका-2(ix) |
| 2. | 1. आवेदन क्र0-819/24 2. आवेदक-मनोज उरांव (आश्रित पुत्र), पिता-स्व0 जितेन्द उरांव (मूल आन्दोलनकारी)<br>3. ग्राम-तुरिअम्बा, पोस्ट-तुरिअम्बा, थाना-भरनो, प्रखण्ड-भरनो<br>4. लिंग-पुरूष, आयु-23 वर्ष, पहचान चिन्ह-दायें पैर में घाव का निशान। | कंडिका-2(ix) |
| 3. | 1. आवेदन क्र0-820/24 2. आवेदक-गन्दुरा मुण्डा, पिता-स्व0 हन्दु मुण्डा<br>3. ग्राम-मसिया, पोस्ट-भरनो, थाना-भरनो, प्रखण्ड-भरनो<br>4. लिंग-पुरूष, आयु-73 वर्ष, पहचान चिन्ह-पैर में घाव का दाग। | कंडिका-2(ix) |
| 4. | 1. आवेदन क्र0-821/24 2. आवेदक-हेमराज मुण्डा, पिता-स्व0 बासु मुण्डा<br>3. ग्राम-मसिया महुआ टोली, पोस्ट-भरनो, थाना-भरनो, प्रखण्ड-भरनो<br>4. लिंग-पुरूष, आयु-65 वर्ष, पहचान चिन्ह-पैर में मासा का दाग। | कंडिका-2(ix) |
| | विवरण :-चिन्हित एवं सुविख्यात झारखण्ड आन्दोलनकारी मनोज वर्मा, अजित कुमार विश्वकर्मा एवं बेरनार्ड टोप्पो क े द्वारा आयोग के माननीय सदस्य श्री भुवनेश्वर महतो के समक्ष आवेदन पर दर्ज बयान एवं पहचान के आधार पर। | |
| 5. | 1. आवेदन क्र0-335/24 2. आवेदक-मनीनाथ साहु, पिता-रामु साहु<br>3. ग्राम-डाढहा, पोस्ट-सकरौली, थाना-सिसई, प्रखण्ड-सिसई<br>4. लिंग-पुरूष, आयु-70 वर्ष, पहचान चिन्ह-अंकित नहीं। | कंडिका-2(ix) |
| 6. | 1. आवेदन क्र0-341/24 2. आवेदक-यशोदा देवी, पति-जितवाहन साहु<br>3. ग्राम-डाढहा, पोस्ट-सकरौली, थाना-सिसई, प्रखण्ड-सिसई<br>4. लिंग-महिला, आयु-48 वर्ष, पहचान चिन्ह-बायें गाल पर तिल। | कंडिका-2(ix) |
| 7. | 1. आवेदन क्र0-340/24 2. आवेदक-लक्ष्मीनारायण साहु, पिता मनीनाथ साहु<br>3. ग्राम-डाढहा, पोस्ट-सकरौली, थाना-सिसई, प्रखण्ड-सिसई<br>4. लिंग-पुरूष, आयु-40 वर्ष, पहचान चिन्ह-बायें कपाल पर कटा हुआ दाग। | कंडिका-2(ix) |
| | विवरण :-चिन्हित एवं सुविख्यात झारखण्ड आन्दोलनकारी मनोज वर्मा, सहदुल मंसुरी, जितवाहन कुमार साहु एवं बैरागी उरांव के द्वारा आयोग के माननीय सदस्य श्री नरसिंह मुर्मु के समक्ष आवेदन पर दर्ज बयान एवं पहचान के आधार पर। | |
| 8. | 1. आवेदन क्र0-822/24 2. आवेदक-राधेश्याम सिंह, पिता-स्व0 प्रितपाल सिंह<br>3. ग्राम-भदौली, पोस्ट-सिसई, थाना-सिसई, प्रखण्ड-सिसई<br>4. लिंग-पुरूष, आयु-77 वर्ष, पहचान चिन्ह-बायें हाथ में घाव का निशान। | कंडिका-2(ix) |
| 9. | 1. आवेदन क्र0-823/24 2. आवेदक-विनोद कुमार भगत, पिता-स्व0 फेकु भगत<br>3. ग्राम-तैतरा बालकु टोली, पोस्ट-कोनबीर नवाटोली, थाना-बसिया, प्रखण्ड-बसिया<br>4. लिंग-पुरूष, आयु-45 वर्ष, पहचान चिन्ह-दायें पैर में घाव का दाग। | कंडिका-2(ix) |
| 10. | 1. आवेदन क्र0-824/24 2. आवेदक-रणविजय सिंह, पिता-राधेश्याम सिंह<br>3. ग्राम-भदौली, पोस्ट-सिसई, थाना-सिसई, प्रखण्ड-सिसई<br>4. लिंग-पुरूष, आयु-54 वर्ष, पहचान चिन्ह-अंकित नहीं। | कंडिका-2(ix) |
| 11. | 1. आवेदन क्र0-825/24 2. आवेदक-मुनेश्वर साहु, पिता-मोहन साहु<br>3. ग्राम-सिसई, पोस्ट-सिसई, थाना-सिसई, प्रखण्ड-सिसई<br>4. लिंग-पुरूष, आयु-54 वर्ष, पहचान चिन्ह-बायें पैर में घाव का निशान। | कंडिका-2(ix) |
| 12. | 1. आवेदन क्र0-826/24 2. आवेदक-त्रिवेणी साहु, पिता-स्व0 विपैत साहु<br>3. ग्राम-लौजी, पोस्ट-खोरा, थाना-गुमला, प्रखण्ड-गुमला<br>4. लिंग-पुरूष, आयु-74 वर्ष, पहचान चिन्ह-बायें हाथ में काला तिल का निशान। | कंडिका-2(ix) |
| 13. | 1. आवेदन क्र0-827/24 2. आवेदक-महादेव साहु, पिता-बालकिशुन साहु<br>3. ग्राम-करौन्दी, पोस्ट-करौन्दी, थाना-गुमला, प्रखण्ड-गुमला<br>4. लिंग-पुरूष, आयु-45 वर्ष, पहचान चिन्ह-बायें गाल के पास तिल। | कंडिका-2(ix) |
| 14. | 1. आवेदन क्र0-828/24 2. आवेदक-रामानन्द भगत, पिता-नान्दो उरॉव<br>3. ग्राम-कुलकेरी, खरवाटोली, पोस्ट-सिसई, थाना-सिसई, प्रखण्ड-सिसई<br>4. लिंग-पुरूष, आयु-64 वर्ष, पहचान चिन्ह-दाहिने पैर मे घाव का निशान। | कंडिका-2(ix) |
| 15. | 1. आवेदन क्र0-829/24 2. आवेदक-बिजला उरॉव, पिता-स्व0 जतरा उरॉव<br>3. ग्राम-कुलकेरी, खरवाटोली, पोस्ट-सिसई, थाना-सिसई, प्रखण्ड-सिसई<br>4. लिंग-पुरूष, आयु-63 वर्ष, पहचान चिन्ह-दाहिने पैर में घाव का निशान। | कंडिका-2(ix) |
| 16. | 1. आवेदन क्र0-830/24 2. आवेदक-सुमित्रा उरॉव, पति-बन्धना उरॉव<br>3. ग्राम-जलका मधनी, पोस्ट-शिवनाथपुर, थाना-सिसई, प्रखण्ड-सिसई<br>4. लिंग-महिला, आयु-63 वर्ष, पहचान चिन्ह-बायें गाल में कटा हुआ दाग। | कंडिका-2(ix) |
| 17. | 1. आवेदन क्र0-831/24 2. आवेदक-लीना उरॉव, पति-सोमरा उरॉव<br>3. ग्राम-जलका, पोस्ट-शिवनाथपुर, थाना-सिसई, प्रखण्ड-सिसई<br>4. लिंग-महिला, आयु-42 वर्ष, पहचान चिन्ह-पैर में घाव का निशान। | कंडिका-2(ix) |
| 18. | 1. आवेदन क्र0-832/24 2. आवेदक-सोमरा उरॉव, पिता-स्व0 तेम्बा उरॉव<br>3. ग्राम-जलका, पोस्ट-शिवनाथपुर, थाना-सिसई, प्रखण्ड-सिसई<br>4. लिंग-पुरूष, आयु-52 वर्ष, पहचान चिन्ह-बायें हाथ में सफेद दाग। | कंडिका-2(ix) |
| 19. | 1. आवेदन क्र0-833/24 2. आवेदक-कृष्णा लोहरा, पिता-कन्दु लोहरा<br>3. ग्राम-लकेया, पोस्ट-लकेया, थाना-सिसई, प्रखण्ड-सिसई<br>4. लिंग-पुरूष, आयु-50 वर्ष, पहचान चिन्ह-बायें हाथ में जला हुआ दाग। | कंडिका-2(ix) |
| 20. | 1. आवेदन क्र0-834/24 2. आवेदक-जितेन्द कुमार साहु, पिता-सुरजपाल साहु<br>3. ग्राम-छारदा, पोस्ट-छारदा, थाना-सिसई, प्रखण्ड-सिसई<br>4. लिंग-पुरूष, आयु-45 वर्ष, पहचान चिन्ह-बायें पैर में घाव का दाग। | कंडिका-2(ix) |
| 21. | 1. आवेदन क्र0-835/24 2. आवेदक-बिहारी भगत, पिता-योगेन्द उरॉव<br>3. ग्राम-नगर भण्डार टोली, पोस्ट-नगर, थाना-सिसई, प्रखण्ड-सिसई<br>4. लिंग-पुरूष, आयु-49 वर्ष, पहचान चिन्ह-बायें पैर मे तिल का दाग। | कंडिका-2(ix) |
| 22. | 1. आवेदन क्र0-836/24 2. आवेदक-सहादेव साहु(आश्रित पुत्र),पिता-बालकिशुन साहु (आन्दोलनकारी)<br>3. ग्राम-करौन्दी, पोस्ट-करौन्दी, थाना-गुमला, प्रखण्ड-गुमला<br>4. लिंग-पुरूष, आयु-38 वर्ष, पहचान चिन्ह-दाहिना आंख के सामने तिल का दाग। | कंडिका-2(ix) |
| | विवरण :- चिन्हित झारखण्ड आन्दोलनकारी जितवाहन साहु एवं बैरागी उरांव के द्वारा आयोग के माननीय सदस्य श्री भुवनेश्वर महतो के समक्ष आवेदन पर दर्ज बयान एवं पहचान के आधार पर। | |
| 23. | 1. आवेदन क्र0-837/24 2. नाम-डेविड कुमार टोप्पो, पिता-थोमस टोप्पो<br>3. ग्राम-तुलहवा चंदा टोली, पोस्ट-नगर, थाना-सिसई, प्रखण्ड-सिसई<br>4. लिंग-पुरूष, आयु-50 वर्ष, पहचान चिन्ह-दाहिने हाथ में कटा हुआ दाग। | कंडिका-2(ix) |
| 24. | 1. आवेदन क्र0-838/24 2. नाम-शिवरानी देवी, पति-रणविजय सिंह<br>3. ग्राम-भदौली, पोस्ट-सिसई, थाना-सिसई, प्रखण्ड-सिसई<br>4. लिंग-महिला, आयु-44 वर्ष, पहचान चिन्ह-बाये पैर में घाव का दाग। | कंडिका-2(ix) |
| 25. | 1. आवेदन क्र0-839/24 2. नाम- दिनेश गोप, पिता-स्व0 तिरतु अहीर<br>3. ग्राम-पहामु, पोस्ट-मुरगो, थाना-सिसई, प्रखण्ड-सिसई<br>4. लिंग-पुरूष, आयु-57 वर्ष, पहचान चिन्ह-दाहिने पैर में काला तिल का दाग। | कंडिका-2(ix) |
| 26. | 1. आवेदन क्र0-840/24 2. नाम-दिग्विजय सिंह, पिता-राधेश्याम सिंह<br>3. ग्राम-भदौली पोस्ट-सिसई, थाना-सिसई, प्रखण्ड-सिसई<br>4. लिंग-पुरूष, आयु-49 वर्ष, पहचान चिन्ह- बाये पैर में घाव का दाग। | कंडिका-2(ix) |
| 27. | 1. आवेदन क्र0-841/24 2. नाम-मो0 इसतियाक अंसारी, पिता-अब्दुल माजीद अंसारी<br>3. ग्राम-मदरसा रोड सिसई पोस्ट-सिसई, थाना-सिसई, प्रखण्ड-सिसई<br>4. लिंग-पुरूष, आयु-41 वर्ष, पहचान चिन्ह- बाये पैर में घाव का दाग। | कंडिका-2(ix) |
| 28. | 1. आवेदन क्र0-842/24 2. नाम-मनोज कुमार सिंह, पिता-राधेश्याम सिंह<br>3. ग्राम-भदौली पोस्ट-सिसई, थाना-सिसई, प्रखण्ड-सिसई<br>4. लिंग-पुरूष, आयु-47 वर्ष, पहचान चिन्ह- अंकित नहीं है। | कंडिका-2(ix) |
| 29. | 1. आवेदन क्र0-843/24 2. नाम-सुनिता देवी पति-विजय बर्मा<br>3. ग्राम- हकाजॉग पोस्ट-सालम नवा टोली थाना- विशुनपुर प्रखण्ड- विशुनपुर<br>4. लिंग-महिला, आयु-40 वर्ष, पहचान चिन्ह-बाये हाथ में घाव का दाग। | कंडिका-2(ix) |
| 30. | 1. आवेदन क्र0-844/24 2. नाम-राजेन्द प्रसाद साहु, पिता-स्व0 पारसनाथ साहु<br>3. ग्राम-अम्बोवा पोस्ट-सकरौली, थाना-भरनो, प्रखण्ड-भरनो<br>4. लिंग-पुरूष, आयु-52 वर्ष, पहचान चिन्ह-नाक पर तिल का निशान। | कंडिका-2(ix) |
| 31. | 1. आवेदन क्र0-845/24 2. नाम-मनोहर साहु, पिता-स्व0 राजेश्वर साहु<br>3. ग्राम-अम्बोवा पोस्ट-सकरौली, थाना-भरनो, प्रखण्ड-भरनो<br>4. लिंग-पुरूष, आयु-57 वर्ष, पहचान चिन्ह-बायें पैर में घाव का निशान। | कंडिका-2(ix) |
| 32. | 1. आवेदन क्र0-846/24 2. नाम-सिलास बड़ा, पिता-जोसेफ बड़ा<br>3. ग्राम-छोटा पंडरनी, भरनो पोस्ट-भरनो, थाना-भरनो, प्रखण्ड-भरनो<br>4. लिंग-पुरूष, आयु-50 वर्ष, पहचान चिन्ह-अंकित नहीं। | कंडिका-2(ix) |
| 33. | 1. आवेदन क्र0-847/24 2. नाम-विनोद शिखर, पिता-स्व0 जगेश्वर शिखर<br>3. ग्राम-कँचडीह, पोस्ट-पारसा, थाना-रायडीह, प्रखण्ड-रायडीह<br>4. लिंग-पुरूष, आयु-49 वर्ष, पहचान चिन्ह-दायें पैर में घाव का निशान। | कंडिका-2(ix) |
| 34. | 1. आवेदन क्र0-848/24 2. नाम-करमदेव बड़ाईक, पिता-स्व0 रामचरण बड़ाईक<br>3. ग्राम-नगर भण्डार टोली, पोस्ट-सिसई, थाना-सिसई, प्रखण्ड-सिसई<br>4. लिंग-पुरूष, आयु-49 वर्ष, पहचान चिन्ह-दाहिने पैर में घाव का दाग। | कंडिका-2(ix) |
| 35. | 1. आवेदन क्र0-883/24 2. नाम-अरूण बड़ाईक, पिता-स्व0 गोमा चीक बड़ाईक<br>3. ग्राम-नवागढ, डुमर टोली, पोस्ट-रायडीह, थाना-रायडीह, प्रखण्ड-रायडीह<br>4. लिंग-पुरूष, आयु-54 वर्ष, पहचान चिन्ह-दाहिना पैर के अंगूठा में घाव का निशान। | कंडिका-2(ix) |
| 36. | 1. आवेदन क्र0-2216/24 2. नाम-जोन हेनरी टोप्पो, पिता-स्व0 पोलिकार्प टोप्पो<br>3. ग्राम-सिलादोन, पोस्ट-हुलहुण्डु, थाना-तुपुदाना, प्रखण्ड-नामकुम<br>4. लिंग-पुरूष, आयु-46 वर्ष, पहचान चिन्ह-माथा में तिल का निशान। | कंडिका-2(ix) |
| 37. | 1. आवेदन क्र0-2217/24 2. नाम-जीवन खलखो, पिता-स्व0 घसिया खलखो<br>3. ग्राम-एस0टी0 पॉल स्कूल, बसर टोली, पोस्ट-जी0पी0ओ0, थाना-लोअर बाजार, प्रखण्ड-सदर<br>4. लिंग-पुरूष, आयु-40 वर्ष, पहचान चिन्ह-बायां छाती में तिल का निशान। | कंडिका-2(ix) |
| | विवरण :- चिन्हित झारखण्ड आन्दोलनकारी जुबैर अंसारी एवं मुमताज अंसारी के द्वारा आयोग के माननीय सदस्य श्री भुवनेश्वर महतो के समक्ष आवेदन पर दर्ज बयान एवं पहचान के आधार पर। | |
| 38. | 1. आवेदन क्र0-849/24 2. आवेदक-अमृता देवी, पति-मोहन साहु<br>3. ग्राम-पुसो, पोस्ट-पुसो, थाना-पुसो, प्रखण्ड- सिसई<br>4. लिंग-महिला, आयु-50 वर्ष, पहचान चिन्ह-बाया हाथ में तिलक का निशान। | कंडिका-2(ix) |
| 39. | 1. आवेदन क्र0-850/24 2. आवेदक-सलमान अली, पिता-स्व0 रमजान अली<br>3. ग्राम-मेन रोड सिसई, पोस्ट- सिसई, थाना-राहे, प्रखण्ड- सिसई<br>4. लिंग-पुरूष, आयु-70 वर्ष, पहचान चिन्ह-गाले में तील का दाग का निशान। | कंडिका-2(ix) |
| 40. | 1. आवेदन क्र0-851/24 2. आवेदक-सरिता देवी, पति-मोहन मुण्डा<br>3. ग्राम- कुदरा, पोस्ट-सिसई, थाना-सिसई, प्रखण्ड- सिसई<br>4. लिंग- महिला, आयु-49 वर्ष, पहचान चिन्ह-बाया हाथ में जलने का निशान। | कंडिका-2(ix) |
| 41. | 1. आवेदन क्र0-852/24 2. आवेदक-मोहन मुंडा, पिता-स्व0 इन्दर मुंडा<br>3. ग्राम- कुदरा, पोस्ट- सिसई, थाना-सिसई, प्रखण्ड-सिसई<br>4. लिंग-पुरूष, आयु-55 वर्ष, पहचान चिन्ह-दहिना हाथ में जलन का निशान। | कंडिका-2(ix) |
| 42. | 1. आवेदन क्र0-853/24 2. आवेदक-मो फारूख ओहदर, पिता-जमिरूदीन ओहदार<br>3. ग्राम- पकरियो, पोस्ट- बेन्दो, थाना- सिसई, प्रखण्ड- सिसई<br>4. लिंग-पुरूष, आयु-57 वर्ष, पहचान चिन्ह-दहिने पैर में घाव का निशान। | कंडिका-2(ix) |
| 43. | 1. आवेदन क्र0-854/24 2. आवेदक-सत्यनारायण साहु, पिता-स्व0 हरिन्द साहु<br>3. ग्राम-छरदा, पोस्ट-छारदा, थाना- सिसई, प्रखण्ड- सिसई<br>4. लिंग-पुरूष, आयु-56 वर्ष, पहचान चिन्ह-अंकित नही है। | कंडिका-2(ix) |
| 44. | 1. आवेदन क्र0-855/24 2. आवेदक-निरमाला बखला, पति-अन्तोनी कुल्लू<br>3. ग्राम- सोगड़ा महतो टोली, पोस्ट- पंडरीया, थाना- सिसई, प्रखण्ड- सिसई<br>4. लिंग- महिला, आयु-67 वर्ष, पहचान चिन्ह-टेकुना में घाव का निशान। | कंडिका-2(ix) |
| 45. | 1. आवेदन क्र0-856/24 2. आवेदक-अन्तोनी कुल्लू, पिता-मिरजा लोहरा<br>3. ग्राम-सोगड़ा महतो टोली, पोस्ट-पंडरिया, थाना- सिसई, प्रखण्ड- सिसई<br>4. लिंग-पुरूष, आयु-68 वर्ष, पहचान चिन्ह- घुटना में घाव का निशान। | कंडिका-2(ix) |
| 46. | 1. आवेदन क्र0-857/24 2. आवेदक-अर्जुन लोहरा, पिता-सीदाम महतो<br>3. ग्राम- हेसा गढ्ढ पहमु, पोस्ट-मुरसो, थाना- सिसई, प्रखण्ड- सिसई<br>4. लिंग-पुरूष, आयु-41 वर्ष, पहचान चिन्ह- अंकित नही है। | कंडिका-2(ix) |
| 47. | 1. आवेदन क्र0-858/24 2. आवेदक-माहा उरॉव, पिता-सोमा उरॉव<br>3. ग्राम- विसरामपुर, पोस्ट- सरौली, थाना- सिसई, प्रखण्ड- सिसई<br>4. लिंग-पुरूष, आयु-49 वर्ष, पहचान चिन्ह-छाती में तील का निशान। | कंडिका-2(ix) |
| 48. | 1. आवेदन क्र0-859/24 2. आवेदक-रमेश्वर उरॉव, पिता-स्व0 बिरसा उरॉव<br>3. ग्राम- गढ़वाली गंगुवा टोली, पोस्ट- पुसो, थाना- सिसई, प्रखण्ड- सिसई<br>4. लिंग-पुरूष, आयु-66 वर्ष, पहचान चिन्ह-बाया छाती में तील का निशान। | कंडिका-2(ix) |
| 49. | 1. आवेदन क्र0-860/24 2. आवेदक-सलोमी बड़ा, पति-जेरोबस बाड़ा<br>3. ग्राम- रोशनपुर, पोस्ट- सिसई, थाना- सिसई, प्रखण्ड- सिसई<br>4. लिंग- महिला, आयु-68, पहचान चिन्ह-पैर में घाव का निशान। | कंडिका-2(ix) |
| 50. | 1. आवेदन क्र0-861/24 2. आवेदक-जोरोबस उरॉव, पिता-स्व0 पतरस उरॉव<br>3. ग्राम- रोशनपुर, पोस्ट- सिसई, थाना- सिसई, प्रखण्ड- सिसई<br>4. लिंग-पुरूष, आयु-62 वर्ष, पहचान चिन्ह-अंकित नही है। | कंडिका-2(ix) |
| 51. | 1. आवेदन क्र0-862/24 2. आवेदक-सरिफुदीन अंसारी, पिता-शाहामत मियॉं<br>3. ग्राम- बघनी, पोस्ट- छारदा, थाना- सिसई, प्रखण्ड- सिसई<br>4. लिंग-पुरूष, आयु-50 वर्ष, पहचान चिन्ह-बाया हाथ में तील का निशान। | कंडिका-2(ix) |
| 52. | 1. आवेदन क्र0-863/24 2. आवेदक-भीम सिंह, पिता-अनूप सिंह<br>3. ग्राम-पहाड़ बर्गरू डुमर टोली, पोस्ट-डुरिया, थाना-भरनो, प्रखण्ड- भरनो<br>4. लिंग-पुरूष, आयु-58 वर्ष, पहचान चिन्ह- अंकित नही। | कंडिका-2(ix) |
| 53. | 1. आवेदन क्र0-864/24 2. आवेदक-प्रेम सागर भगत, पिता-तिलक मन भगत<br>3. ग्राम- लकेया डुमर टोली, पोस्ट- सिसई, थाना- सिसई, प्रखण्ड- सिसई<br>4. लिंग-पुरूष, आयु-63 वर्ष, पहचान चिन्ह-बाया पैर मेंघाव का निशान। | कंडिका-2(ix) |
| 54. | 1. आवेदन क्र0-865/24 2. आवेदक-बैबुल अंसारी, पिता-स्व0 मुदीन अंसारी<br>3. ग्राम- रहमत नगर, पोस्ट- सिसई, थाना- सिसई, प्रखण्ड- सिसई<br>4. लिंग-पुरूष, आयु-50 वर्ष, पहचान चिन्ह-अंकित नही है। | कंडिका-2(ix) |
| 55. | 1. आवेदन क्र0-866/24 2. आवेदक-बनमाली साहु, पिता-स्व0 जीतू साहु<br>3. ग्राम- डढ़हा, पोस्ट-सकरौली, थाना- सिसई, प्रखण्ड- सिसई<br>4. लिंग-पुरूष, आयु-58 वर्ष, पहचान चिन्ह-अंकित नही है। | कंडिका-2(ix) |

नोट :- 1. यह सूची पूर्णरूपेण औपबंधिक है।
2. यह सूची आयोग के द्वय सदस्यों द्वारा स्थानीय जांच शिविर/कार्यालय में जांच कर आवेदन पर दर्ज बयान के आधार आवेदन प्रपत्र की कण्डिका 14(ग) के आलोक में प्रकाशित की गयी है।
3. इस सूची में किसी प्रकार की त्रुटि पाये जाने पर दस (10) दिनों के अन्दर आयोग को आपत्ति कर सकते हैं।
4. आश्रित होने पर मृत्यु प्रमाण पत्र तथा आश्रित संबंधी प्रतिवेदन संलग्न करना आवश्यक है।

(भुवनेश्वर महतो) सदस्य | (नरसिंह मुर्मू) सदस्य | (दुर्गा उरॉव) अध्यक्ष

PR 341542 Home(24-25)#D

स्पीड न्यूज

### भारत का पर्यटन क्षेत्र असाधारण संभावनाओं से भरा है : शेखावत

**जयपुर।** केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि भारत का पर्यटन क्षेत्र विश्व के किसी भी अन्य देश की तुलना में असाधारण संभावनाओं से भरा हुआ है। पांच हजार से अधिक वर्षों का सभ्यतागत इतिहास, 43 विश्व धरोहर स्थल, 56 संभावित विश्व धरोहर स्थल और लगभग 3,500 राष्ट्रीय महत्व के स्मारक हमारे सांस्कृतिक सामर्थ्य के जीवंत साक्ष्य हैं। राइजिंग राजस्थान इन्वेस्टमेंट समिट में 'एम्ब्रैसिंग डिवर्सटी: प्रमोटिंग इन्क्लूसिव टूरिज्म' सत्र में शेखावत ने कहा कि पर्यटन का महत्व आर्थिक या व्यापारिक से ज्यादा सांस्कृतिक है। यही इस क्षेत्र की खूबी है।

### सीरिया पर रूस का संरा की मध्यस्थता पर जोर

**मॉस्को।** सीरिया पर विद्रोहियों के नियंत्रण पर रूस ने कहा कि वह हमेशा सीरिया संकट के राजनीतिक समाधान के पक्ष में रहा है। इस समय संयुक्त राष्ट्र के तत्वावधान में तत्काल बातचीत फिर से शुरू करने की आवश्यकता है। इस बीच इजराइली सुरक्षा बल गोलान हाइट्स के पास पहुंच गए हैं। द मॉस्को टाइम्स समाचार पत्र ने कहा कि सीरिया के अपदस्थ राष्ट्रपति बशर अल-असद और उनका परिवार मास्को में हैं। रूसी समाचार एजेंसियों ने क्रेमलिन स्रोत का हवाला देते हुए रविवार शाम यह घोषणा की। असद और उनका परिवार दमिश्क में इस्लामी नेतृत्व वाले विद्रोहियों के प्रवेश के कारण देश छोड़कर भागकर यहां पहुंचे। रूस ने युद्धग्रस्त देश में तेजी से बदलती जमीनी स्थिति पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की एक आपातकालीन बैठक बुलाई है।

### एयर इंडिया फ्रांस की एयरबस से खरीदेगा 100 और नए विमान

**नई दिल्ली।** टाटा की अगुवाई वाली एयर इंडिया ने फ्रांस की विमान निमार्ता कंपनी एयरबस को 100 नए विमान खरीदने का ऑर्डर दिया है। इन विमानों में 10 वाइडबॉडी ए350 विमान और 90 नैरोबॉडी ए320 फेमिली विमान, जिसमें ए321 नियो जेट भी शामिल है। ये 100 नए विमानों का ऑर्डर उन 470 विमानों से अलग है, जो एयर इंडिया ने पिछले साल एयरबस और बोइंग दोनों को दिए थे। एयर इंडिया ने सोमवार को एक्स पोस्ट पर जारी एक बयान में बताया कि हमें 10 अ350 और 90 अ320 फेमिली विमानों के लिए नए ऑर्डर देने की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है।

# एक देश, एक चुनाव, मौजूदा सत्र में बिल संभव

## आम जनता से भी मांगा जाएगा सुझाव, जेपीसी को भेजने की तैयारी

**नयी दिल्ली(एजेंसी)।** केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार मौजूदा संसद सत्र में ही या अगले सत्र में एक देश, एक चुनाव बिल पेश कर सकती है। सरकारी सूत्रों के हवाले से यह कहा गया है कि सरकार शीतकालीन सत्र में इस विधेयक को पेश करने की तैयारी में है। केंद्रीय कैबिनेट ने पहले ही एक देश, एक चुनाव पर पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद समिति की रिपोर्ट को मंजूरी दे रखी है। सूत्रों के मुताबिक, सरकार इस बिल पर आम सहमति बनाना चाहती है और विस्तृत चर्चा के लिए इसे संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के पास भेजना चाहती है। सूत्रों के अनुसार, यह बिल लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनावों को एक साथ कराने के लिए है। पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद की अध्यक्षता वाली समिति की सिफारिशों के आधार पर इस बिल को कैबिनेट ने मंजूरी दी है, जिससे सरकार इस प्रस्ताव को आगे बढ़ाने की अपनी प्रतिबद्धता दिखा रही है। सरकार इस बिल को जेपीसी को भेजने का प्लान बना रही है, ताकि सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से विस्तार से चर्चा की

जा सके। इस प्रक्रिया में व्यापक सहमति बनाने की कोशिश की जाएगी। सरकार से जुड़े सूत्र कह रहे हैं कि सरकार चाहती है कि रामनाथ कोविंद की अगुवाई वाली एक्सपर्ट कमेटी की 18,636 पन्नों की रिपोर्ट पर विस्तृत चर्चा हो। खबर है कि सरकार ने केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह, किरण रिजिजू और अर्जुनराम मेघवाल को विपक्षी नेताओं के साथ बैठकें कर आम राय बनाने को कहा है।

सूत्रों ने बताया कि जेपीसी सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से इस बिल पर विस्तार से चर्चा करेगी और इस प्रक्रिया में अन्य हितधारकों से भी बातचीत करेगी। सूत्रों ने बताया कि इस प्रक्रिया में देशभर के बुद्धिजीवियों के साथ-साथ सभी राज्य विधानसभाओं के अध्यक्षों को भी बुलाया जा सकता है। इसके अलावा आम लोगों की राय भी ली जा सकती है क्योंकि आम सहमति के बिना मौजूदा चुनावी व्यवस्था को बदलना बेहद चुनौतीपूर्ण हो सकता है।

जानकार बताते हैं कि एक राष्ट्र एक चुनाव योजना को लागू करने के लिए संविधान में संशोधन करने के लिए कम से कम छह विधेयक लाने होंगे और इसके लिए सरकार को संसद में दो-तिहाई बहुमत की जरूरत पड़ेगी। फिलहाल, एनडीए के पास संसद के दोनों सदनों में साधारण बहुमत ही है। ऐसे में संसद के किसी भी सदन में दो-तिहाई बहुमत हासिल करना सरकार के लिए एक कठिन काम हो सकता है। राज्यसभा की 245 सीटों में से एनडीए के पास 112 और विपक्षी दलों के पास 85 सीटें हैं। दो-तिहाई बहुमत के लिए सरकार को कम से कम 164 वोटों की जरूरत है।

### आम जनता से भी सुझाव लेगी

इसके अलावा, सरकार विभिन्न हितधारकों से भी विचार-मंतवय करेगी। राज्य विधानसभाओं के अध्यक्षों, विशेषज्ञों, बौद्धिकों और नागरिक समाज के सदस्यों को आमंत्रित किया जाएगा, ताकि इस महत्वपूर्ण प्रस्ताव पर सभी की राय ली जा सके। इसके साथ ही, सरकार आम जनता से भी सुझाव लेगी, ताकि फैसले में पारदर्शिता और समावेशिता सुनिश्चित की जा सके। बिल के प्रमुख पहलुओं, जैसे इसके लाभ और देशभर में एक साथ चुनाव कराने के लिए आवश्यक प्रबंधन, पर गहन चर्चा की जाएगी। एक देश, एक चुनावऱ को अक्सर एक महत्वपूर्ण सुधार के रूप में देखा जाता है, जो चुनावों के बार-बार होने वाली लागत और व्यवधान को कम करने में मदद करेगा।

# भारतीय नौसेना को मिला 'तुशिल'

खबर मन्त्र संवाददाता

**नयी दिल्ली/ मास्को।** रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की मौजूदगी में सोमवार को रूस के कलिनिनग्राद स्थित यंतर शिपयार्ड में अत्याधुनिक बहुउद्देशीय स्टील्थ-गाइडेड मिसाइल फ्रिगेट आईएनएस तुशिल (एफ 70) को भारतीय नौसेना में शामिल किया गया। श्री सिंह इन दिनों रूस की यात्रा पर हैं। उन्होंने इस अवसर पर तुशिल की कमीशनिंग को भारत की बढ़ती समुद्री ताकत का गौरवपूर्ण प्रमाण और भारत तथा रूस के बीच लंबे समय से चली आ रही दोस्ती में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर बताया। उन्होंने कहा कि दोनों देश साझा मूल्यों, आपसी विश्वास और विशेष एवं रणनीतिक विशेषाधिकार प्राप्त साझेदारी से बंधे हैं। रक्षा मंत्री ने आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण पर रूस के समर्थन को भारत और रूस के बीच गहरी दोस्ती का एक और महत्वपूर्ण उदाहरण बताया। उन्होंने कहा, ह्लआईएनएस तुशिल सहित कई जहाजों में मेड इन इंडिया सामग्री

लगातार बढ़ रही है। यह जहाज रूसी और भारतीय उद्योगों की सहयोगी क्षमता का बड़ा सबूत है। यह संयुक्त कौशल के माध्यम से तकनीकी उत्कृष्टता की ओर भारत की यात्रा का उदाहरण है। भारत और रूस की नौसेनाओं के बीच गहरे संबंधों पर प्रकाश डालते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के नेतृत्व में दोनों देशों के बीच समग्र रूप से बढ़ते संबंधों के तहत तकनीकी और परिचालन सहयोग लगातार नई ऊंचाइयों को छू रहा है। उन्होंने हिंद महासागर क्षेत्र में शांति और सुरक्षा के लिए भारतीय नौसेना की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, हमारी नौसेना ने विभिन्न हॉटस्पॉट में समुद्री डकैती, हथियार , ड्रग तस्करों और गैर-सरकारी तत्वों के मंसूबों को नाकाम कर दिया है। ओमान की खाड़ी से लेकर अदन की खाड़ी तक, स्वेज से लेकर मलक्का तक और ऑस्ट्रेलिया से लेकर मेडागास्कर तक, भारतीय नौसेना आईओआर में शुद्ध सुरक्षा प्रदाता की आवश्यक भूमिका निभा रही है। भारत, अपने मित्र देशों के साथ, यह सुनिश्चित करने में विश्वास करता है कि क्षेत्र में समुद्री व्यापार सुरक्षित और संरक्षित रहे, जिससे समुद्र के पार निर्बाध व्यापार को बढ़ावा मिले।

श्री सिंह ने कहा कि सबसे पहले कार्रवाई करने वाले बल के रूप में भारतीय नौसेना क्षेत्र में अपने मित्रों को त्वरित और समय पर मानवीय सहायता तथा आपदा राहत प्रदान करने के लिए हमेशा तैयार रहती है। क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और विकास (सागर) के दृष्टिकोण को साकार करने के लिए भारतीय नौसेना की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए रक्षा मंत्री ने इस दृष्टिकोण को भारत की समुद्री नीति की रीढ़ बताया, जिसका उद्देश्य हिन्द महासागर में शांति, स्थिरता और आर्थिक समृद्धि को बढ़ावा देना है।

## महिलाओं को सशक्त बना रही है मोदी सरकार : सीतारमण

एजेंसी

**पानीपत।** केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आज यहां कहा कि पिछले 10 वर्षों में केन्द्र की मोदी सरकार महिलाओं को सशक्त बनाने का काम कर रही है और अब उसका प्रभाव दिखने लगा है। श्रीमती सीतारमण ने भारतीय जीवन बीमा निगम की बीमा सखी योजना के शुभारंभ और करनाल में महाराणा प्रताप उद्यान विश्वविद्यालय के लिए आधारशिला रखे जाने के मौके पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि श्री नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री के रूप में कार्यभार संभालते ही देश की आधी आबादी के हक में काम करना शुरू कर दिये थे। कार्यक्रम में श्री मोदी के साथ ही हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय, राज्य के मुख्यमंत्री नबाब सिंह सैनी, केंद्रीय मंत्री

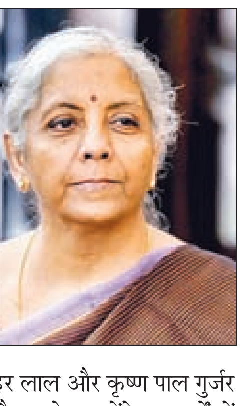

मनोहर लाल और कृष्ण पाल गुर्जर भी मौजूद थे। उन्होंने 10 वर्षों में शुरू की गई योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के महिलाओं को सशक्त बनाना होगा और मोदी सरकार महिलाओं के नेतृत्व को बढ़ावा दे रही है। उन्होंने कहा कि चालू वित्त वर्ष के बजट में महिलाओं के लिए 3.3 लाख करोड़ रुपए के प्रावधान किए गए हैं।

## राष्ट्रपति मानवाधिकार दिवस समारोह को संबोधित करेंगी

**नयी दिल्ली।** राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु कल यहां मानवाधिकार दिवस पर आयोजित समारोह को संबोधित करेंगी।मानवाधिकार दिवस हर वर्ष 10 दिसंबर को मानवाधिकारों की सर्वव्यापी घोषणा के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 1948 में मानवाधिकार को अपनाया था और इसकी सर्वव्यापी घोषणा की थी। यह मानवाधिकारों के संरक्षण और संवर्धन के लिए एक वैश्विक निर्देश चिन्ह (बेंचमार्क) के रूप में कार्य करता है। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग मानवाधिकार दिवस को दुनिया भर के विभिन्न हितधारकों के लिए अपने कार्यों और जिम्मेदारियों पर विचार करने

के अवसर के रूप में देखता है। मानवाधिकारों की सर्वव्यापी घोषणा इस सिद्धांत को दर्शाती है कि सभी मनुष्य स्वतंत्र और समान पैदा होते हैं, उन्हें जीवन, स्वतंत्रता और सुरक्षा, कानून के समक्ष समानता और विचार, विवेक, धर्म, राय तथा अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार है।

## राजनीतिक विरोधियों से बदला नहीं लेंगे: ट्रम्प

एजेंसी

**वाशिंगटन।** अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि वह पदभार ग्रहण करने के बाद अपने राजनीतिक विरोधियों से बदला नहीं लेंगे। श्री ट्रम्प ने एनबीसी न्यूज को दिए साक्षात्कार में कहा, मैं अतीत में वापस नहीं जाना चाहता... प्रतिशोध सफलता के माध्यम से होगा। श्री ट्रम्प ने 2021 के कैपिटल दंगे में उनकी कथित भूमिका की जांच का नेतृत्व करने वाले अमेरिकी विशेष वकील जैक स्मिथ को बहुत भ्रष्ट बताया और कहा कि 06 जनवरी के हमले की जांच करने वाली समिति के सदस्य राजनीतिक गुंडे थे जिन्हें जेल जाना चाहिए, लेकिन उन्होंने कहा कि वह विशेष रूप से

एफबीआई और न्याय विभाग से उन्हें दंडित करने के लिए नहीं कहेंगे हालांकि उनका मानना है कि कानून प्रवर्तन एजेंसियों को इसकी जांच करनी चाहिए। नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ने गैर-दस्तावेज प्रवासियों के सामूहिक निर्वासन को अंजाम देने और जन्मसिद्ध नागरिकता को समाप्त करने की अपनी योजनाओं की पुष्टि की। यह एक संवैधानिक प्रावधान है जो अमेरिका में पैदा हुए सभी बच्चों को उनके माता-पिता की राष्ट्रीयता की परवाह किए बिना अमेरिकी नागरिकता की गारंटी देता है। श्री ट्रम्प ने 06 जनवरी, 2021 के विरोध प्रदर्शन में अपनी भूमिका के लिए संघीय अपराधों के दोषी लोगों को माफ करने का भी वादा किया। उन्होंने तर्क देते हुए कहा कि उनमें से कई जेलों में दुर्व्यवहार कर रहे थे। उन्होंने कहा, ये लोग नरक में रह रहे हैं। निर्वाचित राष्ट्रपति ने कसम ली कि जिस दिन वह पदभार ग्रहण करेंगे उसी दिन माफी जारी की जाएगी। श्री ट्रम्प पर भी 06 जनवरी, 2021 को कैपिटल दंगे से संबंधित आरोप लगे थे, जब उनके समर्थकों ने इमारत पर धावा बोला था और कांग्रेस की कार्यवाही को बाधित किया था।

## दिलजीत के कॉन्सर्ट में शामिल होकर बेटी के साथ मुंबई लौटीं दीपिका

**अभिनेत्री** दीपिका पादुकोण हाल ही में बेंगलुरु में दिलजीत दोसांझ के कॉन्सर्ट में शामिल हुईं। उनकी तस्वीरें और वीडियो खूब वायरल हुए। मां बनने के बाद दीपिका पहली बार किसी पब्लिक इवेंट में नजर आईं। उन्होंने कॉन्सर्ट में दिलजीत के लोकप्रिय गानों पर धमाल मचाया। कॉन्सर्ट के दो दिन बाद दीपिका मुंबई वापस आ गई हैं। दीपिका पादुकोण लंबे समय तक एक गृहिणी थीं। आखिरकार वह अपनी प्यारी बेटी दुआ के साथ मुंबई लौट आई हैं। मुंबई के एक प्राइवेट एयरपोर्ट पर वह बेटी के साथ पैपराजी के कैमरे में कैद हुईं। पैपराजी ने इंस्टाग्राम पर दीपिका का एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में दीपिका लाल रंग की ड्रेस पहनकर बेटी के साथ कार में बैठी नजर आ रही हैं।

दीपिका और उनकी बेटी दुआ का ये वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है।

वीडियो पर फैन्स जमकर लाइक्स और कमेंट्स कर रहे हैं। इस वीडियो में दुआ और दीपिका पहली बार साथ नजर आए थे।

# देश गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है : धनखड़

एजेंसी

**नयी दिल्ली।** राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने सोमवार को कहा कि जब देश गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा हो तो सदन को लोगों को प्रेरित करने के लिए एकजुट आवाज उठानी चाहिए ताकि इन ताकतों को पराजित किया जा सके। श्री धनखड़ ने सदन में अमेरिकी निवेशक जार्ज सोरोस पर जारी हंगामा के बीच कहा कि देश में नकारात्मक एजेंडा बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा है। इस तरह की साजिशों को बर्दाश्त या अनदेखा

नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा , डीप स्टेट की कार्यप्रणाली पर ध्यान दिया जाना चाहिए। यह हमें कोविड बीमारी से भी अधिक नुकसान पहुंचाती है। इस पर पूरे देश को एक स्वर में बोलने की जरूरत है। देश को बड़े पैमाने पर लोगों को एक दिशा देनी चाहिए ताकि भारत के सभी दुश्मनों को एक सबक मिले कि वे कभी भी हमारी अखंडता, हमारी संप्रभुता को चुनौती देने और हमारी प्रगति में बाधा डालने का दुस्साहस न करें। उन्होंने सदस्यों से कहा, हमारा आचरण ऐसा होना चाहिए कि लोगों की संसद में अधिक रुचि हो क्योंकि अगर संसद में संवाद आम लोगों की भावनाओं को साझा नहीं करेगा तो संसद अप्रासंगिक हो जाएगी। संसद के लिए ऐसी गंभीर चुनौतियों पर चर्चा करना मौलिक है, जिनका सामना देश कर रहा है। सभापति ने दोनों पक्षों के सदस्य से आत्मचिंतन करने का का आह्वान करते हुए कहा , उन्हें शपथ लेनी होगी और देश के सामने एक उदाहरण पेश करना होगा कि हम पहले भारतीय हैं, हमारे लिए राष्ट्र सबसे पहले है। राष्ट्रवाद के प्रति हमारी प्रतिबद्धता शत-प्रतिशत होनी चाहिए।

हम अपनी राष्ट्रीयता को कम नहीं होने देंगे। हम अपनी एकता, अखंडता और संप्रभुता के लिए किसी भी चुनौती को बर्दाश्त नहीं करेंगे। श्री धनखड़ ने कहा , यह हमारे अस्तित्व को चुनौती है। हम एक राष्ट्र के रूप में इन भयावह ताकतों से लड़ने के लिए प्रतिबद्ध हैं। ये ताकतें भारत की शत्रु हैं।

## धनखड़ के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने पर विचार कर रही है कांग्रेस

**नयी दिल्ली।** कांग्रेस तथा इंडिया समूह राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने पर विचार कर रहा है। कांग्रेस सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी देते हुए बताया है कि विपक्ष राज्यसभा की कार्यवाही के संचालन में सभापति के कथित पक्षपातपूर्ण व्यवहार से क्षुब्ध है। सूत्रों ने कहा कि कांग्रेस के साथ-साथ इंडिया समूह के दल भी इस मामले में एकजुट नजर आ रहे हैं। सूत्रों के अनुसार राज्यसभा में अविश्वास प्रस्ताव लाने के लिए 67 सदस्यों की आवश्यकता है और इस मुद्दे पर इंडिया समूह के 70 से अधिक सदस्य प्रस्ताव पर हस्ताक्षर कर सकते हैं। उनका कहना है कि पूरे गठबंधन में अविश्वास प्रस्ताव लाने का मन बन गया है। सूत्रों ने यह भी कहा कि इस मुद्दे पर समाजवादी पार्टी तथा तृणमूल कांग्रेस भी साथ आ जाएगी। उल्लेखनीय है कि आज इंडिया समूह के घटक दलों ने राज्यसभा में जॉर्ज सोरोस के मुद्दे पर हंगामे के दौरान सभापति धनखड़ के रुख पर नाराजगी जताई थी। कांग्रेस के नेता और राज्यसभा सदस्य दिग्विजय सिंह ने संसद भवन परिसर में कहा कि पीठ की ओर से उन्होंने ऐसा पक्षपात नहीं देखा है।

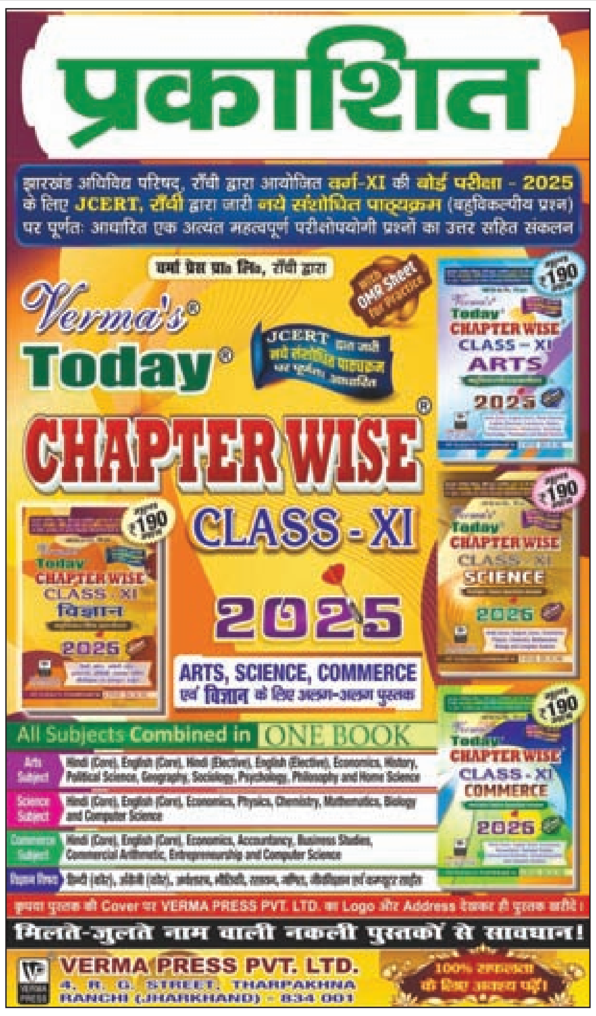


# पहले हिन्दुओं की रक्षा और धर्मस्थलों की सुरक्षा करें तय

### ढाका पहुंचे विदेश सचिव की खरी-खरी

**ढाका।** पड़ोसी देश बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिन्दुओं पर बढ़ते हमलों के बीच पहली बार विदेश सचिव विक्रम मिसरी बातचीत के लिए ढाका पहुंचे हैं। ढाका पहुंचते ही उन्होंने बांग्लादेश को दो टूक लहजे में कहा है कि सबसे पहले हिन्दुओं और अन्य अल्पसंख्यकों की रक्षा और उनके धार्मिक स्थलों की सुरक्षा तय करनी होगी। उन्होंने अपने समकक्ष के सामने सख्ती से

ये मुद्दा उठाया। विदेश सचिव मिसरी ने बां?लादेश के विदेश सलाहकार से कहा कि भारत सकारात्मक, रचनात्मक और साझा हित चाहता है, इसलिए बांग्लादेश को भी उसी तरह का व्यवहार करना चाहिए। अपनी उच्च स्तरीय बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए मिसरी ने कहा, मैंने आज बांग्लादेश प्राधिकरण की अंतरिम सरकार के साथ मिलकर काम करने की भारत की इच्छा को रेखांकित किया है।ऱ दोनों देशों के संबंधों में आए तनाव के बीच विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने सोमवार को ढाका में अपने बांग्लादेशी समकक्ष मोहम्मद जशीमुद्दीन के साथ बैठक की। अगस्त में प्रधानमंत्री शेख हसीना की सरकार के अपदस्थ होने के बाद भारत की ओर से यह पहला उच्च-स्तरीय दौरा है।

### आप कब्जा करेंगे तो हम क्या लॉलीपॉप खाते रहेंगे : ममता

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस की चीफ ममता बनर्जी ने पड़ोसी देश बांग्लादेश को सख्त नसीहत दी है और दो टूक लहजे में कहा है कि आप अगर हमारे क्षेत्र पर कब्जा करने की कोशिश करेंगे तो हम क्या चुपचाप बैठकर लॉलीपॉप खाते रहेंगे। उन्होंने पश्चिम बंगाल विधानसभा में बांग्लादेशियों को जमकर फटकार लगाई और सख्त लहजे में कहा कि बांग्लादेश में जो कुछ हो रहा है, वह ठीक नहीं है। उन्होंने अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचार पर गंभीर चिंता जताई। ममता बनर्जी ने आज विधानसभा में कहा, किसी ने कलकत्ता पर कब्जा करने की बात कही। कुछ ने फिर से पश्चिम बंगाल, बिहार और ओडिशा की वापसी की मांग करने की धमकी दी है। अगर कोई कोलकाता या बंगाल पर कब्जा करने आएगा तो राज्य सरकार चुप नहीं बैठेगी और लॉलीपॉप नहीं खाती रहेगी। मुख्यमंत्री ने साफ कहा कि भारत अभिन्न है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें बांग्लादेश की राजनीति को लेकर ना कोई सिरदर्द है और न कुछ लेना-देना। मुख्यमंत्री बनर्जी ने कहा कि हम दंगा नहीं, शांति चाहते हैं। उन्होंने कहा, ऱयह उत्तर प्रदेश नहीं है कि मैं आपको बैन कर दूं लेकिन मैं आपसे अपील करती हूं कि यहां सही तरीके से रहिए। कुछ फर्जी वीडियो वायरल किए जा रहे हैं।